● वर्ष : 17 ● अंक : 152 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928

www.loktantrakishaan.com

दैनिक लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र का स्तंभ

दिल्ली से प्रकाशित

सोमवार 23 मार्च 2026

प्रधानमंत्री मोदी को ऐतिहासिक उपलब्धि पर देशभर से बधाइयाँ

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को स्वतंत्र भारत के इतिहास में सरकार के प्रमुख के रूप में सबसे लंबे समय तक सेवा करने का नया कीर्तिमान स्थापित करने पर देशभर से बधाइयाँ मिल रही हैं। इस उपलब्धि के बाद विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों और भाजपा नेताओं ने उन्हें शुभकामनाएं दीं और उनके नेतृत्व की सराहना की। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का 8931 दिनों का सार्वजनिक जीवन केवल एक राजनीतिक यात्रा नहीं, बल्कि निरंतर तप, त्याग और राष्ट्रसेवा का प्रतीक है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए प्रधानमंत्री को इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि उनके कुशल मार्गदर्शन में देश विकसित भारत के संकल्प की ओर लगातार आगे बढ़ रहा है। रेखा गुप्ता ने यह भी लिखा कि गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में विकास की नई दिशा देने से लेकर प्रधानमंत्री के रूप में भारत को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाने तक उनकी यात्रा राष्ट्र प्रथम और अंत्योदय के सिद्धांतों को साकार करती है।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने भी प्रधानमंत्री को बधाई देते हुए उन्हें विश्व के सबसे लोकप्रिय जननेताओं में से एक बताया। उन्होंने कहा कि मोदी का नेतृत्व देश को 'अंत्योदय से सर्वोदय' की दिशा में आगे बढ़ा रहा है और उनके मार्गदर्शन में भारत विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि प्रधानमंत्री का नेतृत्व देश के लिए प्रेरणादायक है और उनकी सेवा भावना राष्ट्र के लिए एक मिसाल है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी प्रधानमंत्री को शुभकामनाएं दीं और कहा कि उनका दूरदर्शी नेतृत्व और राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य की दिशा में उत्तराखंड भी योगदान दे रहा है। भाजपा नेताओं ने अपने बयानों में प्रधानमंत्री के कार्यकाल को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि जनधन योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत और प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी योजनाओं ने करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। उन्होंने यह भी कहा कि लगातार तीन लोकसभा चुनावों में मिली जीत देशवासियों के भरोसे का प्रमाण है। इस अवसर पर नेताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक मंच पर अपनी मजबूत पहचान बनाई है और 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के मंत्र के साथ देश निरंतर प्रगति कर रहा है।

बिहार दिवस पर राष्ट्रपति ने दी शुभकामनाएं, पीएम ने कहा- प्रगति के नए अध्याय गढ़ रहा प्रदेश

एजेंसी, नई दिल्ली। बिहार दिवस के अवसर पर देश के शीर्ष नेताओं ने राज्य के लोगों को शुभकामनाएं देते हुए इसके गौरवशाली इतिहास और उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। इस मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सहित कई प्रमुख नेताओं ने अपने संदेशों में बिहार की ऐतिहासिक विरासत और विकास की संभावनाओं को रेखांकित किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने अपने संदेश में कहा कि बिहार केवल भारत ही नहीं, बल्कि विश्व इतिहास में भी महत्वपूर्ण स्थान रखता है। उन्होंने इसे विश्व के प्रथम गणराज्य की भूमि बताते हुए कहा कि इस प्रदेश ने प्राचीन काल से ही महान सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और राजनीतिक परंपराओं को जन्म दिया है। उन्होंने विश्वास जताया कि बिहार के लोग अपनी प्रतिभा और परिश्रम के बल पर राज्य और देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहेंगे।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी बिहार दिवस पर राज्य के लोगों को बधाई देते हुए कहा कि यह प्रदेश भारतीय विरासत को भव्यता और दिव्यता प्रदान करने वाला रहा है।

ज्वलंत मुद्दा **संपादकीय**

ईरान, अमेरिका- इजरायल युद्ध में भारत को 15 से 20 लाख करोड़ का फटका ?

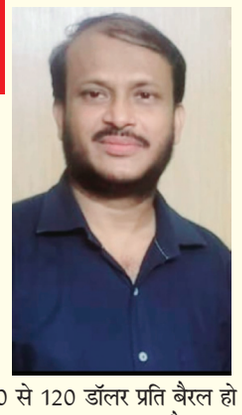

युद्ध अमेरिका इजरायल और ईरान के बीच में चल रहा है। लेकिन इसका बड़ा असर भारत पर पडना शुरू हो गया है। आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार भारत को 15 से 20 लाख करोड रुपए का फटका लगना तय है। भारत सरकार अपनी अर्थव्यवस्था को कैसे संभालेगी, इसको लेकर राजनीतिक और आर्थिक स्तर पर चिंता बढ़ रही है। सारी दुनिया में कच्चे तेल के दाम बड़ी तेजी के साथ बढ़ाना शुरू हो गए हैं। युद्ध शुरू होने के पहले 65 डॉलर प्रति बैरल कच्चे तेल के दाम थे, जो अब बढ़कर 100 से 120 डॉलर प्रति बैरल हो गए हैं। इसी तरह डॉलर के मुकाबले जो रुपया 91 और 92 के बीच में झूल रहा था, वह 93 पार कर गया है। जल्द ही 100 के स्तर छूने की बात हो रही है। भारत लगभग 85 फ़ीसदी तेल और गैस आयात करता है। कच्चा तेल और गैस महंगी होने का असर डालर और परिवहन लागत के कारण भारत में अन्य देशों की तुलना में ज्यादा होगा। तेल की कीमत बढ़ने और डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत गिरने से लगभग 60000 करोड रुपए का अतिरिक्त फटका भारत को लगने जा रहा है।

जब भी कच्चे तेल के दाम बढ़ते हैं, डॉलर के मुकाबले रुपया गिरता है। ऐसी स्थिति में इसका असर इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी, दवाइयां, केमिकल और खाद के दाम बढ़ते हैं। सरकार को महंगी दर पर खाद का आयात करना पड़ता है। सब्सिडी और कीमतें बढ़ने के कारण देश में सभी चीजें महंगी होंगी। महंगाई बढ़ने के कारण 4 से 5 लाख करोड रुपए का सरकारी खर्च बढ़ना तय है। भारत में इस युद्ध का असर सबसे ज्यादा होने जा रहा है। भारत का निर्यात कारोबार डॉलर के रेट बढ़ने से प्रभावित होगा। भारत से दुनिया के अन्य देशों में चॉवल, मसाले, टेक्सटाइल, मांस, फल, सब्जियां और समुद्री उत्पाद का निर्यात घट सकता है। यदि निर्यात में 2 से 5 फ़ीसदी की कमी आती है। ऐसी स्थिति में कम से कम 90 हजार करोड़ और अधिकतम 2 लाख करोड रुपए का नुकसान भारतीय अर्थव्यवस्था में होने का अनुमान है। भारत में महंगाई बढ़ने के बाद आम लोगों की क्रय क्षमता कम होगी, ट्रांसपोर्ट महंगा होने के कारण हर वस्तु के दाम बढ़ेंगे, इसका असर जीडीपी में पड़ना तय है।

आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है, जीडीपी में 0.5 से लेकर 2 फ़ीसदी तक की गिरावट आ सकती है। जो भारत के लिए बहुत बड़ा झटका साबित होगा। जीडीपी में गिरावट होने से एक लाख करोड़ से लेकर 4 लाख करोड रुपए का नुकसान होने की बात आर्थिक विशेषज्ञ करने लगे हैं। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है, जिस तरीके से डायरेक्ट और इनडायरेक्ट तरीके से ईरान, अमेरिका-इजरायल युद्ध का असर भारत पर पड़ रहा है। उसको देखते हुए भारत की अर्थव्यवस्था में 15 से 20 लाख करोड रुपए से अधिक का आर्थिक दबाव पडना तय है।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.**9911371802**
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER**786**@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

धामी कैबिनेट विस्तार के बाद विभाग बंटवारे पर टिकी नजरें, सियासी समीकरण होंगे तय

एजेंसी, देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंत्रिमंडल का विस्तार कर लंबे समय से चल रही अटकलों पर विराम लगा दिया है, लेकिन इसके साथ ही राज्य की राजनीति में नई हलचल तेज हो गई है। अब सबसे अहम चरण मंत्रियों के बीच विभागों के बंटवारे का है, जिस पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं। सत्ता के गलियारों में यह चर्चा जोरों पर है कि मुख्यमंत्री किस मंत्री को कौन सा विभाग सौंपते हैं, क्योंकि यही फैसला सरकार के भीतर उनके प्रभाव और राजनीतिक कद को तय करेगा। विभागों का बंटवारा यह स्पष्ट करेगा कि कौन मंत्री प्रभावशाली भूमिका में रहेगा और किसे सीमित दायरे में काम करना होगा। सरकार और संगठन में मंत्रियों की अहमियत का आकलन उनके पास मौजूद विभागों के आधार पर किया जाता है। पर्यटन, ऊर्जा, लोक निर्माण, शहरी विकास, समाज कल्याण, ग्राम्य विकास, आवास, गृह, स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन, परिवहन और शिक्षा जैसे विभागों को हमेशा से हाईप्रोफाइल माना जाता रहा है। इन विभागों की जिम्मेदारी संभालने वाले मंत्रियों को स्वाभाविक रूप से मजबूत और प्रभावशाली माना जाता है। फिलहाल इन प्रमुख विभागों का जिम्मा पुराने मंत्रियों के पास ही है। वर्ष 2023 में कैबिनेट मंत्री चंदनराम दास के निधन और मार्च 2025 में प्रेमचंद अग्रवाल के इस्तीफे के बाद उनके कई विभाग मुख्यमंत्री के पास ही हैं। हाल ही में मंत्रिमंडल में शामिल मदन कौशिक और खजान दास पहले भी कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं, जबकि भरत सिंह चौधरी, प्रदीप बत्रा और राम सिंह कैड़ा को पहली बार यह जिम्मेदारी मिली है।

नीतीश कुमार का जेडीयू का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनना तय, 24 को हो सकती है घोषणा

एजेंसी, पटना । जेडीयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा ने कहा है कि नीतीश कुमार का पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनना तय है और 24 मार्च को इसकी घोषणा की जाएगी। पार्टी सूत्रों के मुताबिक रविवार तक नामांकन भरने की आखिरी तारीख है। 24 मार्च को नाम वापस लेने की डेडलाइन है। अगर कोई और नामांकन नहीं आया तो 24 मार्च को ही निर्विरोध चुनाव की घोषणा होगी। जानकारी के मुताबिक स्क्रूटनी 23 मार्च को होगी। अगर जरूरत पड़ी तो 27 मार्च को वोटिंग कराई जाएगी।

बता दें यह नीतीश कुमार का चौथा या पांचवां टर्म होगा। राज्यसभा सांसद चुने जाने के बाद वे राष्ट्रीय स्तर पर ज्यादा सक्रिय रहेंगे। संजय झा ने कहा कि नीतीश कुमार पार्टी और सरकार दोनों को गाइड करेंगे। यहां यह भी बता दें कि बिहार में समृद्धि यात्रा जारी है, लेकिन अब फोकस राष्ट्रीय राजनीति पर शिफ्ट हो रहा है। वहीं। बीते आठ मार्च को जदयू में विधिवत रूप से शामिल हुए सीएम नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार को लेकर संजय झा ने और भी बड़ा बयान दिया है।

जहरीले दूध से हड़कंप: आंध्र प्रदेश में 16 मौतें, कई की हालत गंभीर

एजेंसी, पूर्वी गोदावरी

आंध्र प्रदेश में एक दर्दनाक घटना ने खाद्य सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता खड़ी कर दी है। आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले में मिलावटी दूध पीने से अब तक 16 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि तीन मरीजों की हालत अभी भी नाजुक बनी हुई है। लालाचेरुवु, चौदेस्वरनगर और स्वरूपनगर जैसे इलाकों में फरवरी के मध्य से ही लोगों के बीमार पड़ने की घटनाएं सामने आने लगी थीं। पीड़ितों में उल्टी, तेज पेट दर्द, पेशाब रुकना और किडनी फेलियर जैसे खतरनाक लक्षण देखे गए। जांच में खुलासा हुआ कि नरसापुरम गांव की एक स्थानीय डेयरी यूनिट से सप्लाई किए गए दूध में एथिलीन ग्लाइकॉल नामक जहरीला रसायन मिला हुआ था। यह पदार्थ आमतौर पर एंटी-फ्रीज में इस्तेमाल किया जाता है और मानव शरीर के लिए बेहद घातक माना जाता है। इस जहरीले दूध के सेवन से 100 से अधिक परिवार प्रभावित हुए, जिनमें बच्चे और बुजुर्ग भी शामिल हैं। कई मरीजों को गंभीर स्थिति में अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उन्हें डायलिसिस और वेंटिलेटर सपोर्ट तक की जरूरत पड़ी। स्वास्थ्य विभाग की जांच में यह भी सामने आया कि पीड़ितों के शरीर में ब्लड यूरिया और सीरम क्रिएटिनिन का स्तर असामान्य रूप से बढ़ा हुआ था, जो किडनी को गंभीर नुकसान पहुंचने का संकेत है।

मार्च में मानसून जैसा मिजाज: दिल्ली-यूपी सहित 12 राज्यों में बारिश और तूफान का अलर्ट

एजेंसी, नई दिल्ली

मार्च के महीने में जहां आमतौर पर भीषण गर्मी की शुरुआत हो जाती है, इस बार मौसम का बिल्कुल उलट रूप देखने को मिल रहा है। उत्तर और पश्चिमी भारत के कई हिस्सों में अचानक बढ़ी ठंड ने लोगों को हैरान कर दिया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने रविवार को दिल्ली, उत्तर प्रदेश और बिहार समेत देश के 12 राज्यों में आंधी-तूफान के साथ बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। पूर्वी भारत में तो हवाओं की रफ्तार 80 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने और आकाशीय बिजली गिरने की भी आशंका जताई गई है। राजधानी दिल्ली में रविवार को भी हल्की बारिश और 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने का अनुमान है। शनिवार को दिल्ली ने पिछले छह वर्षों में मार्च का सबसे ठंडा दिन देखा, जहां न्यूनतम तापमान सामान्य से 3.5 डिग्री गिरकर 13 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। हालांकि अधिकतम तापमान में थोड़ी वृद्धि दर्ज की गई, लेकिन ठंडी हवाओं के कारण कनकनी बनी रही। पहाड़ी राज्यों हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भी मध्यम बारिश और बर्फबारी का दौर जारी है। हिमाचल के ऊंचाई वाले इलाकों में पिछले पांच दिनों से हो रहे हिमपात ने तापमान में भारी गिरावट ला दी है। उत्तर प्रदेश के लखनऊ, अयोध्या, प्रयागराज और गोरखपुर समेत कई जिलों में रविवार को भी बादल छाए रहने और बारिश होने की संभावना है। शनिवार को लखनऊ का अधिकतम तापमान सामान्य से लगभग 8 डिग्री कम दर्ज किया गया। वहीं बिहार के पटना, मुजफ्फरपुर और गया सहित कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश का पूर्वानुमान है। राजस्थान में भी पश्चिमी विक्षोभ के असर से जोधपुर और बीकानेर संभाग में धूल भरी आंधी और छिटपुट वर्षा के आसार बने हुए हैं। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, इस बेमौसम बारिश और पहाड़ों पर बर्फबारी की मुख्य वजह सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ है। इसके चलते तापमान सामान्य से 4 डिग्री सेल्सियस तक नीचे बना हुआ है। पश्चिम बंगाल, सिक्किम और ओड़िशा जैसे राज्यों में भी तेज हवाओं के साथ बारिश की चेतावनी दी गई है।

अमेरिका-ईरान तनाव चरम पर: ट्रंप का 48 घंटे का अल्टीमेटम

एजेंसी, वॉशिंगटन : वॉशिंगटन से सामने आ रही खबरों के अनुसार अमेरिका और इजरायल के बीच जारी संघर्ष अपने 23वें दिन में पहुंच गया है और स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को 48 घंटे का अल्टीमेटम देते हुए कहा है कि यदि हॉर्मुज जलडमरूमध्य को "पूरी तरह और सुरक्षित रूप से" नहीं खोला गया, तो अमेरिका ईरान के पावर प्लांट्स को निशाना बनाएगा। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर यह भी संकेत दिया कि कार्रवाई की शुरुआत सबसे बड़े पावर प्लांट से हो सकती है, जिससे साफ है कि अमेरिका सीधे ईरान के बुनियादी ढांचे पर बड़े हमले की तैयारी में है। इस बीच ईरान ने भी आक्रामक रुख अपनाते हुए इजराइल पर अब तक के सबसे बड़े हमलों में से एक को अंजाम दिया है। ईरानी मिसाइलों ने इजराइल के दक्षिणी शहर डिमोना और अराद को निशाना बनाया, जहां भारी नुकसान और दहशत का माहौल है। डिमोना वही स्थान है जहां इजराइल का प्रमुख परमाणु अनुसंधान केंद्र स्थित है। इस हमले में करीब 100 लोग घायल हुए हैं, जिनमें कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। एक 10 वर्षीय बच्चे की हालत भी नाजुक बनी हुई है।

ममता, बंगाल की मां-बहन और बेटी, उनका मुकाबला कोई नहीं कर सकता: शत्रुघ्न सिन्हा

एजेंसी, कोलकाता

पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी चरम पर पहुंच गई है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व की जमकर सराहना करते हुए कहा है कि राज्य में उनके कद का कोई दूसरा नेता नहीं है। सिन्हा ने दावा किया कि बंगाल की जनता ममता बनर्जी को अपनी मां, बहन और बेटी मानती है और इस चुनाव में भी टीएमसी का दबदबा कायम रहेगा।

राज्य में चुनावी शंखनाद हो चुका है और इस बार मतदान दो चरणों में संपन्न होगा। पहले चरण का मतदान 23 अप्रैल को 152 सीटों पर होगा, जबकि दूसरे चरण में 142 सीटों के लिए 29 चुनाव को वोट डाले जाएंगे। मतगणना 4 मई को की जाएगी। चुनाव आयोग के अनुसार, पहले चरण की अधिसूचना 30 मार्च को जारी होगी। इस चुनावी गहमागहमी के बीच जमीनी स्तर पर तनाव भी दिखने लगा है। उत्तर 24 परगना के बारानगर में भाजपा और टीएमसी समर्थकों के बीच हिंसक झड़प की खबरें आई हैं। स्थिति को संभालने के लिए भारी सुरक्षा बल तैनात किया गया है।

हिमालय की तेज गति से पिघल रही बर्फ ने बढ़ाई चिंता, गंगा-ब्रह्मपुत्र नदियों पर मंडराया संकट

एजेंसी, नई दिल्ली

हिमालय, जिसे पूरी दुनिया एशिया के 'वॉटर टावर' के रूप में जानती है, आज एक गंभीर अस्तित्वगत संकट से जूझ रहा है। हालिया वैज्ञानिक रिपोर्टों और अध्ययनों से यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि हिमालय के ग्लेशियर अब पहले की तुलना में दोगुनी रफ्तार से पिघल रहे हैं। यह स्थिति न केवल पर्यावरण के लिए चेतावनी है, बल्कि गंगा और ब्रह्मपुत्र जैसी जीवनदायिनी नदियों के भविष्य पर भी प्रश्नचिह्न लगाती है। यदि पिघलने की यही गति जारी रही, तो आने वाले दशकों में करोड़ों लोगों के सामने पानी का भीषण संकट खड़ा हो सकता है।

आंकड़ों के अनुसार, हिंदू कुश हिमालय क्षेत्र में ग्लेशियर बहुत तेजी से सिकुड़ रहे हैं। वर्ष 1990 से 2020 के बीच ग्लेशियर क्षेत्र का लगभग 12 प्रतिशत हिस्सा विलुप्त हो चुका है, जबकि बर्फ के कुल भंडार में 9 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि 21वीं सदी में बर्फ पिघलने की दर 20वीं सदी के मुकाबले दोगुनी हो गई है। विशेष रूप से 2010 के बाद से इस गिरावट में अप्रत्याशित तेजी आई है, जिससे छोटे ग्लेशियर पूरी तरह गायब होने की कगार पर पहुंच गए हैं। इस पिघलते स्वरूप का सबसे भयावह प्रभाव गंगा और ब्रह्मपुत्र नदी बेसिन पर देखने को मिल रहा है। पिछले तीन दशकों में इन क्षेत्रों में ग्लेशियरों का क्रमशः 21 प्रतिशत और 16 प्रतिशत हिस्सा कम हुआ है। ये नदियां भारत और पड़ोसी देशों की एक विशाल आबादी की प्यास बुझाती हैं और कृषि व अर्थव्यवस्था का आधार हैं। ग्लेशियरों के सिकुड़ने से सूखे के मौसम में इन नदियों का जलस्तर काफी गिर सकता है, जिससे खेती और बिजली उत्पादन पर सीधा असर पड़ेगा। हिंदू कुश हिमालय क्षेत्र में स्थित लगभग 63,000 ग्लेशियर प्राकृतिक जल भंडार का कार्य करते हैं।

पश्चिम बंगाल चुनाव: सुरक्षा के कड़े इंतजाम, वेबकास्टिंग बाधित होने पर होगा पुनर्मतदान

एजेंसी, कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं और चुनाव आयोग ने निष्पक्ष व शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए सख्त कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। पूरे राज्य में केंद्रीय बलों की व्यापक तैनाती की जा रही है और चुनाव ड्यूटी में लगे अधिकारियों के साथ तालमेल मजबूत करने के लिए मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय में लगातार बैठकों का दौर जारी है। रविवार को भी बलों की तैनाती को लेकर एक आपात बैठक बुलाई गई, जिसमें सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने पर चर्चा हुई।

चुनाव आयोग ने स्पष्ट कर दिया है कि किसी भी मतदान केंद्र पर यदि वेबकास्टिंग 30 मिनट से अधिक समय तक बाधित रहती है तो वहां दोबारा मतदान कराया जाएगा। इस सख्त निर्देश का उद्देश्य मतदान प्रक्रिया की पारदर्शिता बनाए रखना और किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोकना है। चुनावों की औपचारिक घोषणा से पहले ही केंद्रीय बलों की 480 कंपनियां राज्य में पहुंच चुकी हैं और फिलहाल गश्ती अभियान जारी है।

सूत्रों के अनुसार, चरणबद्ध तरीके से करीब 2,000 और कंपनियां राज्य में तैनात की जाएंगी, जिससे कुल केंद्रीय बलों की संख्या लगभग ढाई लाख तक पहुंच सकती है। चुनाव कार्यक्रम घोषित होते ही आयोग ने राज्य पुलिस और प्रशासनिक ढांचे में बड़े स्तर पर फेरबदल भी शुरू कर दिया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने राज्य पुलिस महानिदेशक, कोलकाता पुलिस आयुक्त और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर एकीकृत कमान और नियंत्रण प्रणाली बनाने पर जोर दिया है। यह प्रणाली मुख्य निर्वाचन अधिकारी को जिला मजिस्ट्रेटों और अन्य एजेंसियों से सीधे जोड़ेगी और चौबीसों घंटे निगरानी सुनिश्चित करेगी।

कतर : तकनीकी खराबी के चलते हेलीकॉप्टर समुद्र में क्रैश, छह की मौत

एजेंसी, दोहा। मिडिल ईस्ट में ईरान जंग के बीच कतर में एक दर्दनाक हादसा सामने आया हैं। खबर है कि कतर के समुद्र क्षेत्र में एक हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया है। उसमें सवार 7 लोगों में से 6 की हादसे में मौत हो गई और एक अभी लापता बताया जा रहा हैं। यह दुर्घटना उस समय हुई जब कतर का एक सैन्य हेलीकॉप्टर तकनीकी खराबी के कारण समुद्र में गिर गया। कतर आंतरिक मंत्रालय के अनुसार, यह हादसा कतर के समुद्री क्षेत्र में हुआ और हेलीकॉप्टर में सवार सभी लोगों की जान चली गई। एक व्यक्ति अभी भी लापता है, जिसकी तलाश के लिए बचाव अभियान जारी है। इससे पहले कतर रक्षा मंत्रालय ने बताया था कि हेलीकॉप्टर नियमित ड्यूटी पर था, तभी उसमें तकनीकी खराबी आ गई, जिसके कारण यह हादसा हुआ। घटना के बाद तुरंत बचाव दल मौके पर पहुंचा और समुद्र में तलाशी अभियान शुरू किया गया। फिलहाल अधिकारियों ने हादसे की जांच शुरू कर दी है, ताकि दुर्घटना के सटीक कारणों का पता लगाया जा सके। यह घटना मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच सामने आई है, जहां पहले से ही सुरक्षा और सैन्य गतिविधियों को लेकर चिंता बनी हुई है।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEUTICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

ख़ास ख़बर

उपराज्यपाल संधू और मंत्री सिरसा ने हरमीत सिंह कालका की माता के निधन पर शोक जताया

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू और दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी के अध्यक्ष सरदार हरमीत सिंह कालका की माता प्रीत मोहिनी कौर के निधन पर शोक व्यक्त किया है। प्रीत मोहिनी कौर का निधन शनिवार को हुआ था। उपराज्यपाल ने रविवार को लोधी रोड श्मशान घाट जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उपराज्यपाल ने इस कठिन समय में कालका और उनके परिवार के प्रति संवेदनाएं जताई। उनके साथ दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने भी अंतिम संस्कार में सम्मिलित होकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। सिरसा ने शोकाकुल परिवार के साथ इस दुःख की घड़ी में अपनी संवेदनाएं साझा कीं।

केसी त्यागी रालोद में शामिल, कहा- अभी भी करते हैं नीतीश का सम्मान

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। जनता दल (यूनाइटेड) से हाल ही में त्यागपत्र देने वाले वरिष्ठ नेता के.सी. त्यागी रविवार को राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) में शामिल हो गए। केन्द्रीय मंत्री व रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी ने उन्हें औपचारिक रूप से पार्टी में शामिल कराया। केसी त्यागी ने साल 2003 में समता पार्टी से होते हुए जद (यू) में कई वरिष्ठ पदों की जिम्मेदारी संभाली थी। वे जद (यू) के मुख्य महासचिव, मुख्य प्रवक्ता और राजनीतिक सलाहकार रहे। माना जा रहा है कि नीतीश कुमार के बिहार के मुख्यमंत्री पद से त्यागपत्र देकर राज्यसभा सदस्य के रूप में केन्द्र में शामिल होने के चलते उन्होंने जद (यू) से किनारा किया। हालांकि उन्होंने जद (यू) छोड़ने का कोई कारण नहीं बताया। रालोद में शामिल होने के बाद भी उन्होंने जद (यू) के प्रति कोई नकारात्मक टिप्पणी नहीं की। उन्होंने कहा कि वे नीतीश कुमार का पूरा सम्मान करते हैं। जद (यू) और रालोद में समानता है। दोनों ही दल चौधरी चरण सिंह, कर्पूरी ठाकुर और राममनोहर लोहिया के विचारों से प्रभावित हैं और उनके आदर्श हैं।

जनकपुरी में नशे में धुत चालक ने ट्रैफिक कर्मी को मारी टक्कर

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। पश्चिमी जिले के जनकपुरी इलाके में शनिवार शाम चेकिंग के दौरान एक तेज रफ्तार कार ड्राइवर ने ट्रैफिक पुलिस के जवान को टक्कर मार दी। घटना में कांस्टेबल गंभीर रूप से घायल हो गया, उसकी जान जाते जाते बची। पुलिस ने आरोपित ड्राइवर को मौके पर ही पकड़ लिया और उसकी कार जब्त कर ली है। वहीं घटना का एक वीडियो भी तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें कार सवार पुलिसकर्मी को बोनट पर लटकाते हुए काफी दूर ले जाता दिखाई दे रहा है। जानकारी के अनुसार, 21 मार्च की शाम करीब 5:52 बजे भारती कॉलेज, लाल साई मार्ग के पास ट्रैफिक पुलिस की टीम नशे में वाहन चलाने वालों के खिलाफ अभियान चला रही थी। इस दौरान एसआई गुरदीप सिंह और कांस्टेबल मोहन पाल ने एक संदिग्ध सैंट्रो कार को रुकने का इशारा किया। पर चालक ने गाड़ी रोकने के बजाय भागने की कोशिश की और सीधे कांस्टेबल मोहन पाल को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कांस्टेबल कार के बोनट पर जा गिरा और कुछ दूरी तक घिसटने के बाद सड़क पर गिर पड़ा। मौके पर मौजूद लोगों की मदद से कार को रोका गया और चालक को पकड़ लिया गया। पुलिस जांच में आरोपित की पहचान निलेश कुमार निवासी द्वारका बागडोला के रूप में हुई है। ट्रैफिक पुलिस ने वाहन को जब्त कर लिया है और आरोपित के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट की विभिन्न धाराओं—185 (नशे में ड्राइविंग), 184 (खतरनाक ड्राइविंग), 179 (आदेश न मानना) और 209 के तहत चालान कर दिया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यातायात में लगे कर्मियों की शिकायत के आधार पर आरोपित के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।

आतिशी ने की आआपा विधायकों के निलंबन को वापस लेनी की मांग

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने रविवार को आम आदमी पार्टी (आआपा) के निलंबित विधायकों का निलंबन वापस लेने की मांग की। उन्होंने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए कहा कि अगर आआपा के विधायकों का निलंबन वापस नहीं लिया गया, तो हमारा कोई विधायक सोमवार से शुरू होने वाले बजट सत्र के दूसरे भाग में हिस्सा नहीं लेगा। आतिशी ने कहा कि दिल्ली विधानसभा में सत्ता पक्ष विपक्ष की आवाज दबाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि जब सत्ता पक्ष के विधायक दिनों तक सदन ठप करते रहे, कोई कार्रवाई नहीं हुई। लेकिन हमारे 4 विधायकों को पिछले सत्र और अब बजट सत्र में भी निलंबित कर दिया गया। सिर्फ इसलिए कि उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर सवाल उठाए? उन्होंने कहा कि अगर हमारी मांगे नहीं मानी, तो अब जनता की आवाज सड़क पर उठाएंगे। इससे पहले आतिशी ने दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता को शनिवार को पत्र लिखकर विधायकों के निलंबन वापस लेने का आग्रह किया है। इसके साथ ही विपक्ष के सदस्यों को लोकहित के मुद्दे उठाने से न रोकने और उन्हें उचित समय प्रदान करने का आग्रह किया। उल्लेखनीय है कि दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने पिछले सत्र में हंगामा करने पर आआपा विधायक सोमदत्त, जरनैल सिंह, संजीव झा और कुलदीप कुमार को सदन निलंबित किया था।

दिल्ली के अस्पतालों का होगा एकीकरण, बढ़ेंगी पीजी और एबीबीएस की सीटें : रेखा गुप्ता

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि राजधानी के प्रमुख चिकित्सा संस्थानों के एकीकरण से न केवल चिकित्सा सुविधाओं में सुधार होगा बल्कि चिकित्सा शिक्षा को भी लाभ मिलेगा। इसके साथ ही एमबीबीएस तथा पोस्ट ग्रेजुएट (पीजी) सीटों में उल्लेखनीय वृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा। दिल्ली सरकार गुरु तेग बहादुर अस्पताल (जीटीबी), दिल्ली स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट (डीएससीआई) और राजीव गांधी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल (आरजीएसएसएच) को एकीकृत कर एम्स मॉडल की तर्ज पर एक स्वायत्त संस्थान विकसित करने जा रही है। साथ ही, इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमन बिहेवियर ऐंड एलाइड साइंसेज (इहबास) को राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान-2 के रूप में विकसित करने की दिशा में भी पहल कर रही है। मुख्यमंत्री ने रविवार को एक विज्ञप्ति जारी करते हुए इसकी जानकारी दी। मुख्यमंत्री का कहना है कि इस परियोजना का एक प्रमुख उद्देश्य पोस्ट ग्रेजुएट (पीजी) सीटों में बड़े स्तर पर वृद्धि करना है ताकि अधिक से अधिक डॉक्टरों को विशेषज्ञ प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा सके और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को मजबूत किया जा सके। इसके तहत राजीव गांधी अस्पताल, दिल्ली कैंसर इंस्टीट्यूट और जीटीबी अस्पताल में चल रहे समान विषयों और विभागों को एकीकृत किया जाएगा। वर्तमान में कई विभाग अलग-अलग संस्थानों में संचालित हो रहे हैं, जिसके कारण उपलब्ध संसाधनों और मानव बल का पूर्ण उपयोग नहीं हो पा रहा है। इंटीग्रेशन के बाद इन सभी विभागों के फैकल्टी (एसिस्टेंट प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, प्रोफेसर) को एक साथ जोड़कर उनकी क्षमता के अनुरूप पीजी सीटों में वृद्धि की जाएगी। मेडिकल नियमों के अनुसार, एक एसोसिएट प्रोफेसर दो पीजी सीट और एक प्रोफेसर तीन पीजी सीट सपोर्ट कर सकता है इसलिए फैकल्टी को एकीकृत करने से सीटों में स्वतः वृद्धि होगी। विभाग के अनुसार रेडियोलॉजी, पैथोलॉजी और एनेस्थीसिया जैसे विषयों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी की संभावना है। रेडियोलॉजी में जहां पहले सीटों की संख्या सीमित या शून्य थी, वहीं एकीकरण के बाद यह संख्या बढ़कर लगभग 22 तक पहुंच सकती है। वहीं पैथोलॉजी में सीटों की संख्या करीब 26 तक और एनेस्थीसिया में लगभग 48 तक बढ़ने का अनुमान है। यह वृद्धि केवल विभागों को जोड़ने से ही नहीं बल्कि खाली पड़े पदों को भरने से भी संभव होगी क्योंकि अभी कई अस्पतालों में फैकल्टी की नियुक्ति पूरी नहीं है। इसके अतिरिक्त, कुछ विशेष विभाग ऐसे भी हैं जहां वर्तमान में पीजी सीटें उपलब्ध नहीं हैं, जैसे दिल्ली कैंसर इंस्टीट्यूट और राजीव गांधी अस्पताल के कुछ विशिष्ट विभाग। एकीकरण के बाद इन विभागों में नए डॉक्टरों की नियुक्ति कर पीजी कोर्स शुरू किए जाएंगे। दिल्ली कैंसर इंस्टीट्यूट में रेडिएशन ऑन्कोलॉजी, न्यूक्लियर मेडिसिन, कैंसर रिसर्च और आईसीयू जैसे विभागों में लगभग 26 नई पीजी सीटें जोड़ी जा सकती हैं। वहीं राजीव गांधी अस्पताल में हृदय रोग और हृदय शल्य चिकित्सा (कार्डियक सर्जरी) जैसे विभागों में भी लगभग 14 नई सीटों की संभावना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिस्तरों की संख्या, मरीजों की संख्या और फैकल्टी बढ़ने से भविष्य में एमबीबीएस सीटों की संख्या बढ़ाने की संभावनाएं भी मजबूत होंगी। इसके लिए हॉस्टल, आधुनिक प्रयोगशालाओं, लेक्चर थिएटर और अन्य शैक्षणिक सुविधाओं के विकास की योजना बनाई जाएगी ताकि छात्रों को बेहतर शिक्षण वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य केवल स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार करना ही नहीं है, बल्कि चिकित्सा शिक्षा का विस्तार और रिसर्च को बढ़ावा देना भी है।

कंबोडिया के मंदिर का जीर्णोद्धार देखने पहुंचे सचिव पी. कुमारन

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय के पूर्वी क्षेत्र के सचिव पी. कुमारन ने रविवार को कंबोडिया के सुप्रसिद्ध ता प्रोहम मंदिर का दौरा किया। यह दौरा विशेष रूप से वहां चल रहे संरक्षण और जीर्णोद्धार कार्यों की प्रगति की समीक्षा करने के लिए किया गया था। ता प्रोहम मंदिर के जीर्णोद्धार का नेतृत्व भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) कर रहा है। मंदिर के जीर्णोद्धार के दो चरण सफलतापूर्वक पूरे किए जा चुके हैं। वर्तमान में इस परियोजना का तीसरा चरण प्रगति पर है। यह परियोजना न केवल दक्षिण-पूर्व एशिया की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने की भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाती है बल्कि दोनों देशों के बीच सभ्यतागत संबंधों को भी और गहरा करती है। उल्लेखनीय है कि विश्व के सबसे बड़े मंदिरों में से एक कंबोडिया के अंकोरबाट मंदिर के जीर्णोद्धार का कार्य भी भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग ने किया था। अंकोरबाट मंदिर भगवान विष्णु को समर्पित है। वहीं ता प्रोहम मंदिर महायान बौद्ध मंदिर है। इसे राजाय जयवर्मन सप्तम् ने बनवाया था। इन दोनों मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए 1986-1993 तक सहायता देने वाला भारत पहला देश था। उसके बाद से भारत इस प्रोजेक्ट से लगातार जुड़ा हुआ है।

मेघालय के गारो हिल्स में बांग्लादेशी घुसपैठ के खिलाफ जंतर-मंतर पर प्रदर्शन, कार्रवाई की मांग

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। मेघालय के गारो हिल्स क्षेत्र में कथित अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों द्वारा आदिवासी समुदायों पर अत्याचार के विरोध में रविवार को मेघालय के गारो समुदाय से जुड़े सामाजिक-संगठनात्मक मंच नंग्रिमिंगिन आचिक डोल (एनएडी) ने राजधानी में प्रदर्शन किया। इसमें विभिन्न संगठनों और समुदाय के लोगों ने हिस्सा लिया। यहां जंतर-मंतर पर आयोजित धरने में प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि अवैध घुसपैठियों द्वारा गारो हिल्स में स्थानीय आदिवासी लोगों की जमीन और संसाधनों पर अतिक्रमण किया जा रहा है। साथ ही क्षेत्र में सांप्रदायिक तनाव फैलाने और भय का माहौल बनाने की कोशिश की जा रही है। धरने के दौरान प्रदर्शनकारी हाथों में पोस्टर लेकर बैठे रहे, जिनके माध्यम से न्यायालय के आदेशों के पालन, अवैध घुसपैठियों को हटाने, आदिवासी समुदायों के अधिकारों की रक्षा और क्षेत्र में अपराध पर रोक लगाने की मांग उठाई गई। धरने में शामिल महिला वक्ता जेनी निंगरिंग एन संगमा (डिमडैम संगठन) ने कहा, आदिवासी महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान को लेकर भी गंभीर चिंता है और सरकार को इसे प्राथमिकता देनी चाहिए। तेंग्राक आर मराक (निक्सामसोआ गारो संगठन) ने कहा, गारो हिल्स में अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए सख्त कानून लागू करना जरूरी है, ताकि क्षेत्र में शांति बनी रहे। मेघालय के निवासी रिचर्ड संगमा ने कहा, अवैध घुसपैठ की वजह से गारो हिल्स में स्थानीय लोगों की जमीन और पहचान पर खतरा बढ़ रहा है और सरकार को इस पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। मिजोरम, त्रिपुरा, नागालैंड, मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम के लोग भी इस मुद्दे पर एकजुट हैं और सरकार से घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। वहीं, विलियम मराक ने कहा, अगर समय रहते अवैध घुसपैठ और उससे जुड़े अपराधों पर रोक नहीं लगी तो क्षेत्र में सामाजिक संतुलन बिगड़ सकता है। धरने के दौरान संगठन ने यह भी आरोप लगाया कि जो लोग घुसपैठ के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं, उन्हें निशाना बनाया जा रहा है और उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। इसे अन्यायपूर्ण बताते हुए प्रदर्शनकारियों ने निष्पक्ष जांच की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने केंद्र और राज्य सरकार से अवैध घुसपैठ की जांच, निष्कासन अभियान, सीमा सुरक्षा को मजबूत करने और छठी अनुसूची के तहत आदिवासी अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। इसके अलावा, कुछ मामलों की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी से कराने, अवैध खनन पर रोक लगाने और पीड़ित परिवारों को मुआवजा देने की भी मांग की।

भारतीय रेल ने रनिंग स्टाफ के भत्तों में किया इजाफा, लोको पायलट व ट्रेन मैनेजर सहित हजारों कर्मियों को लाभ

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। भारतीय रेल ने अपने रनिंग स्टाफ के कल्याण को मजबूत करते हुए किलोमेट्रेज भत्ता और किलोमेट्रेज के स्थान पर दिए जाने वाले भत्ते (एएलके) की दरों में व्यापक वृद्धि की है। यह संशोधन 1 जनवरी 2024 से लागू माना जाएगा, जो महंगाई भत्ते (डीए) के 50 प्रतिशत तक पहुंचने के बाद किया गया है। रेल मंत्रालय ने रविवार को कहा कि इस निर्णय से लोको पायलट, सहायक लोको पायलट, फायरमैन, गार्ड (अब ट्रेन मैनेजर) सहित हजारों रनिंग स्टाफ को सीधा लाभ मिलेगा, जो देश के विशाल रेल नेटवर्क को चौबीसों घंटे संचालित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। संशोधित दरों के तहत लोको रनिंग स्टाफ को प्रति 100 किलोमीटर किलोमेट्रेज भत्ता और 160 किलोमीटर के लिए एएलके में बढ़ी हुई राशि मिलेगी। लोको पायलट (मेल) को 606 रुपये और 969 रुपये, लोको पायलट (पैसेंजर)/सीनियर मोटरमैन को 600 रुपये और 960 रुपये, तथा लोको पायलट (गुड्स) को 594 रुपये और 951 रुपये मिलेंगे। इसी तरह शंटिंग ग्रेड-I के लोको पायलट को 461 रुपये और 737 रुपये, जबकि शंटिंग ग्रेड-II को 447 रुपये और 715 रुपये मिलेंगे। सीनियर सहायक लोको पायलट और सीनियर फायरमैन-1 को 447 रुपये (शंटिंग के लिए 287 रुपये) और 715 रुपये, जबकि सहायक लोको पायलट और फायरमैन-1 को 430 रुपये (शंटिंग के लिए 277 रुपये) और 688 रुपये दिए जाएंगे। सीनियर सेकंड फायरमैन को भी समान दरें मिलेंगी, जबकि सेकंड फायरमैन को 362 रुपये (शंटिंग के लिए 216 रुपये) और 579 रुपये मिलेंगे। ट्रैफिक रनिंग स्टाफ के लिए भी भत्तों में वृद्धि की गई है। मेल/एक्सप्रेस ट्रेन मैनेजर को 549 रुपये और 878 रुपये, सीनियर पैसेंजर एवं सीनियर गुड्स ट्रेन मैनेजर को 543 रुपये और 869 रुपये, तथा गुड्स ट्रेन मैनेजर को 537 रुपये और 859 रुपये मिलेंगे। इसके अलावा सीनियर असिस्टेंट गार्ड/सीनियर ब्रेक्समैन को 320 रुपये और 512 रुपये, तथा असिस्टेंट गार्ड/ब्रेक्समैन को 305 रुपये और 488 रुपये की दर से भत्ता मिलेगा। उल्लेखनीय है कि गार्ड पद का नाम बदल कर ट्रेन मैनेजर कर दिया गया है। यह संशोधित दरें रेलवे सेवा (संशोधित वेतन) नियम, 2016 के अंतर्गत लागू होंगी और किलोमेट्रेज भत्ता तथा एएलके की अन्य शर्तें पूर्ववत रहेंगी।

राजपथ' से 'कर्तव्यपथ' तक की यात्रा सेवा और समर्पण का प्रतीकः वीरेंद्र सचदेवा

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक सेवा में 8931 दिन पूरे होने पर उन्हें बधाई देते हुए उनके कार्यकाल को भारतीय राजनीति का एक स्वर्णिम अध्याय बताया है। सचदेवा ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री ने प्रशासन प्रमुख के रूप में एक ऐसा कीर्तिमान स्थापित किया है, जो देश के इतिहास में अद्वितीय है। प्रदेश अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री की राजनीतिक यात्रा को रेखांकित करते हुए कहा है कि चार बार गुजरात से विधायक एवं तीन बार उत्तर प्रदेश से लोकसभा सांसद चुने जा कर मोदी ने लोकप्रियता की एक अनूठी मिसाल स्थापित की है। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा है कि 24 फरवरी 2002 को पहली बार विधायक चुने से आज 22 मार्च 2026 तक की 8931की जन सेवा यात्रा में नरेन्द्र मोदी ने पहले गुजरात राज्य को फिर 2014 से पूरे देश को अपने अनुकरणीय विज्ञन से एक अद्भुत अनूठे विकास मार्ग से जोड़ा है। वीरेंद्र सचदेवा ने मोदी सरकार द्वारा किए गए प्रतीकात्मक और वैचारिक बदलावों की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने केवल बुनियादी ढांचा ही नहीं बदला बल्कि देश की सोच भी बदली है। सचदेवा के अनुसार इस लंबी विकास यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री ने न केवल भारत को एक स्वावलंबी और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाया है बल्कि उनकी वैश्विक छवि के कारण आज भारत पूरी दुनिया को नेतृत्व देने की क्षमता रखता है। उन्होंने कहा कि आज का दिन भारत के प्रशासनिक इतिहास में एक मील का पत्थर है जो 'अंत्योदय' और 'सबका साथ, सबका विकास' के संकल्प को सिद्ध करता है।

जनहित से जुड़े गंभीर मुद्दों पर राजनीति कर रही है आआपा : सत्या शर्मा

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम में स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने कहा कि आम आदमी पार्टी (आआपा) जनहित से जुड़े गंभीर मुद्दों पर भी अनावश्यक राजनीति कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि आआपा के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज इस विषय को बिना कारण राजनीतिक रंग देने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन के सामने स्थित पार्किंग क्षेत्र में संदिग्ध एवं अवैध गतिविधियों का खुलासा करना पूरी तरह से जनता की सुरक्षा, पारदर्शिता और प्रशासनिक जवाबदेही से जुड़ा विषय है, न कि राजनीति का। सत्या शर्मा ने आज प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए कहा कि उन्होंने अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए दिल्ली के हित में यह मुद्दा उठाया, लेकिन आआपा इसे भटकाने और राजनीतिक रंग देने की कोशिश कर रही है। इससे यह स्पष्ट होता है कि पार्टी हर गंभीर विषय को भी राजनीतिक चश्मे से देखने की आदी हो चुकी है। उन्होंने सौरभ भारद्वाज को सलाह दी कि वे हर मुद्दे पर बयानबाजी करने के बजाय दिल्ली की जनता के हित में सकारात्मक कार्यों पर ध्यान केंद्रित करें। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने हमेशा जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता दी है और अवैध गतिविधियों के खिलाफ आवाज उठाना उसका दायित्व है। चांदनी चौक क्षेत्र में किए गए निरीक्षण के दौरान कई गंभीर अनियमितताओं और संदिग्ध गतिविधियों का खुलासा हुआ है, जो प्रशासनिक सख्ती और पारदर्शिता की आवश्यकता को दर्शाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि आआपा को इन कार्रवाइयों से असहजता हो रही है, जिससे यह सवाल भी उठता है कि कहीं इन गतिविधियों से उनके कुछ नेताओं के संबंध तो नहीं हैं। सत्या शर्मा ने कहा कि आआपा ने सत्ता में रहते हुए भी जनता के हितों की अनदेखी की और अब विपक्ष में आने के बाद भी उसका रवैया नहीं बदला है। सत्या शर्मा ने यह भी कहा कि आआपा के नेता मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए बेबुनियाद आरोप लगाते हैं। उन्होंने कहा कि यदि पार्टी इसी तरह जनता के मुद्दों की अनदेखी कर केवल राजनीतिक बयानबाजी में उलझी रही, तो आगामी चुनावों में उसका जनाधार और कमजोर हो जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि आआपा की निष्क्रियता और खराब कार्यप्रणाली के कारण ही उसकी स्थिति लगातार कमजोर होती जा रही है। पंजाब, गोवा और गुजरात जैसे राज्यों में भी पार्टी का जनाधार घट रहा है, जो उसकी नीतियों और कार्यशैली पर सवाल खड़ा करता है।

केंद्र ने शहरों में गैस परियोजनाओं की तेजी से मंजूरी के दिए निर्देश

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली, 22 मार्च (हि.स)। पश्चिम एशिया संकट के बीच केंद्र सरकार ने शहरों में गैस वितरण को सुव्यवस्थित करने और आपूर्ति दबाव को कम करने के लिए कदम तेज कर दिए हैं। इसका उद्देश्य एलपीजी पर उपभोक्ताओं की निर्भरता को कम करना है, ताकि आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को बताया कि इसके तहत सरकार ने शहरों में पाइपलाइन गैस परियोजनाओं (सीएनजी/पीएनजी) के आवेदन तेजी से निपटाने और प्रमुख क्षेत्रों को वाणिज्यिक एलपीजी की आपूर्ति बढ़ाने का निर्देश दिया गया है, ताकि चुनौतीपूर्ण वैश्विक भू-राजनीतिक हालात के बीच घरेलू और व्यावसायिक जरूरतों को पूरा किया जा सके। आधिकारिक बयान के अनुसार पेट्रोलियम और विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पीईएसओ) ने अपने कार्यालयों को निर्देश दिया है कि वे शहर गैस वितरण (सीजीडी) के सभी आवेदन केवल 10 दिनों में निपटाएं। इसका उद्देश्य पाइपलाइन के माध्यम से प्राकृतिक गैस की व्यवस्था को तेजी से शुरू करना है। इसके तहत बड़े-बड़े शहरों और शहरी क्षेत्रों में व्यावसायिक एलपीजी उपभोक्ताओं को भी एलपीजी पर निर्भरता कम करने की व्यापक रणनीति के तहत पाइप के जरिये आपूर्ति की जाने वाली पाइप वाली प्राकृतिक गैस (पीएनजी) की ओर स्थानांतरित होने की सलाह दी गई है। इसका मकसद घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) पर निर्भरता को कम करना है। उल्लेखनीय है कि सरकार की ओर से जारी बयान के अनुसार, घरेलू एलपीजी की आपूर्ति स्थिर बनी हुई है, वितरकों के पास गैस की कमी की कोई सूचना नहीं है और देशभर में वितरण सामान्य रूप से हो रहा है। इसके साथ ही अधिकांश आपूर्ति वितरण प्रमाणीकरण कोड (डीएसी) के माध्यम से की जा रही है और पहले जैसी अचानक खरीदारी की स्थिति अब कम हो गई है।

संक्षिप्त समाचार

26 मार्च को नगर में निकलेगी भव्य एवं विशाल श्री राम जन्मोत्सव शोभायात्रा

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहाः हसनपुरः नगर की समाजसेवी संस्था श्री झारखंड महादेव शिव कावड़ बेड़ा समिति द्वारा गत वर्षो की भांति इस वर्ष भी रामनवमी के शुभ अवसर पर श्री राम जन्मोत्सव शोभायात्रा का भव्य आयोजन किया जा रहा है जिसकी तैयारी तेजी से चल रही है शोभायात्रा 26 मार्च गुरुवार को शाम 4 बजे से प्रारंभ होगी शोभा यात्रा नगर के झारखंड महादेव शिवाला मंदिर से प्रारंभ होकर मुख्य मार्ग से निकलेगी, समिति के पदाधिकारी द्वारा तैयारी को अंतिम रूप दिया जा रहा है, वही समिति के लोग घर-घर जाकर तथा दुकान दुकान पहुंचकर लोगों से संपर्क कर रहे हैं और अधिक से अधिक संख्या में शोभायात्रा में शामिल होने का निवेदन कर रहे है, वही रहरा अड्डा स्थित गिरिराज मार्बल के स्वामी और समाजसेवी विमल अग्रवाल द्वारा श्री राम जन्मोत्सव शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया जाएगा विमल अग्रवाल द्वारा अपने प्रतिष्ठान पर भोजन की व्यवस्था की गई है, वही नगर के विभिन्न व्यापारियों ने शोभायात्रा के सफल आयोजन हेतु अपना विशेष सहयोग दिया है, रविवार को भी श्री झारखंड महादेव शिव कावड़ बेड़ा समिति के लोगों ने नगर में जनसंपर्क किया इस मौके पर समिति के अध्यक्ष विपिन प्रजापति, संरक्षक मोहित अग्रवाल,राहुल हिंदुस्तानी अंकुर प्रजापति, राहुल दक्ष, शगुन श्रीवास्तव आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे

मां भगवती के विशाल जागरण की विधायक ने ज्योत प्रज्वलित की, भारी संख्या में पहुंचे श्रद्धालु

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहाः हसनपुरः शनिवार को क्षेत्र के ग्राम शाहपुर कला में मां भगवती का विशाल जागरण विधायक महेंद्र सिंह खड़कवंशी द्वारा आयोजित किया गया, जागरण का आयोजन सिद्ध पीठ मां कालका मंदिर परिसर में हुआ जिसमें विधायक महेंद्र सिंह खड़कवंशी ने मां भगवती की पावन ज्योत प्रज्वलित कर जागरण का शुभारंभ कराया, विधायक महेंद्र सिंह खड़कवंशी एवं उनके परिवार द्वारा आयोजित जागरण में उन्होंने पूजा अर्चना कर क्षेत्र में सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की, माता रानी के जयकारों से वातावरण गूंज उठा वही जागरण में प्रसिद्ध कलाकारों ने अपनी मधुर आवाजों द्वारा एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दी जिसमें राजपाल राणा, प्रिया ठाकुर, निर्मल शर्मा, रुचि आशीष, राजन राजू जयपुरिया, नीतू तोमर और अमन राणा ने भजन सुनाए, पूरी रात माता के जागरण में श्रद्धालु डटे रहे वही जागरण प्रारंभ होने से पहले विधायक द्वारा भंडारे का भी आयोजन किया गया जिसमें क्षेत्र के हजारों लोगों ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया साथ ही जागरण के समापन पर हलवा चने का प्रसाद वितरित किया गया, इस मौके पर जिला अध्यक्ष उदयगिरि गोस्वामी, पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी, अभिनव कौशिक, देवेंद्र खड़कवंशी, निखिल खड़कवंती, राजू राणा, अंकुर अग्रवाल, संजय शर्मा, मयंक अग्रवाल, राकेश बंसल, महेंद्र आर्य, मुदित गुर्जर, अंगूरी देवी, उषा शर्मा आदि सहित भारी संख्या में श्रद्धालु गण मौजूद रहे।

माहेश्वरी समाज की महिला मंडल ने धूमधाम से मनाया गणगौर उत्सव कार्यक्रम

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहाः अमरोहाः माहेश्वरी महिला मंडल ने गणगौर उत्सव कार्यक्रम का आयोजन सारस्वत धर्मशाला बड़ा बाजार में बहुत ही धूमधाम से मनाया। कार्यक्रम का आरम्भ संरक्षिका श्रीमती नीता लड्ढा , अध्यक्षा योगेश मालीवाल ,सचिव वर्षा माहेश्वरी, ने दीप प्रज्वलन करके किया। कार्यक्रम मे आए हुए सभी सदस्यों को विशेष गिफ्ट देकर उनका स्वागत किया गया । उसके उपरांत माता की भेंट और ईश्वर- गणगौर के गीत गाए गए। समाज की महिलाओं ने कार्यक्रम में रंगारंग डांस प्रस्तुति दी जिसमे सभी महिलाओं ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया, नीता महेश्वरी ने बताया कि गणगौर त्योहार भगवान शिव और देवी गौरी से जुड़ा है, जो शिव की पत्नी पार्वती का ही एक रूप हैं। गणगौर नाम "गण" और "गौर" शब्दों का संयोजन है, जो क्रमशः शिव और गौरी को संदर्भित करते हैं। शंकर पार्वती पर आधारित दोहे बाचन का कार्यक्रम महिलाओं के बीच रखा गया। माहेश्वरी समाज की नववधुओं का फूलों के गुलदस्ते देकर जोरदार स्वागत किया गया। नव-वधू शिवानी, वैदेही, अमृता,एंव स्वस्ति द्वारा नृत्य प्रस्तुति की गई कार्यक्रम के अंत में मां भगवती और ईश्वर गणगौर की आरती की गई और सभी के मध्य प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष योगीश मालीवाल ,सचिव वर्षा संरक्षिका नीता लड्ढा ,शालिनी माहेश्वरी, गुंजन माहेश्वरी नविता सोनी प्रभा मूंदड़ा, पूनम मेघा प्रीति मालीवाल, अमिता, मृदुला कवरा , लता लड्ढा, अक्षिता, दीपांशी, विनीता, निधि माहेश्वरी, निधि खटौड ,ममता माहेश्वरी, कविता,पारू ,मेघा, सोनी, राधा, पूजा, अमिता, लता, मधु ,भाहेती ,स्वाति आदि सदस्य उपस्थित रही।

लगातार संदिग्ध मौतें, खुलासे में फेल पुलिस - नजीबाबाद में गहराता रहस्य

लोकतंत्र की शान

बिजनौर : बिजनौर जनपद के नजीबाबाद क्षेत्र में संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवक की मौत का मामला सामने आया है। घटना ने क्षेत्र में सनसनी फैला दी है, जबकि परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। मिली जानकारी के अनुसार कस्बा साहनपुर के मोहल्ला जरूफसाजान निवासी बाबर पुत्र नजाकत (30 वर्ष) की दोपहर करीब 12 बजे संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु हो गई। परिजनों के अनुसार मृतक के सिर, एक आंख और पैर में चोट के निशान पाए गए, जिससे मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। मृतक के भाई अरशद ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी पत्नी सितारा दोपहर के समय खाना बना रही थी। इसी दौरान वह छत पर गई तो देखा कि बाबर का कमरा अंदर से बंद है। सितारा ने अपने पति को बुलाया। दोनों ने दरवाजे को धक्का देकर खोला तो बाबर कमरे के अंदर फर्श पर पड़ा मिला और उसके सिर पर चोट लगी हुई थी। परिजन आनन-फानन में बाबर को HMH हॉस्पिटल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने

उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजनों ने क्षेत्रीय पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही थाना नजीबाबाद पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की बात कही जा रही है।

पुलिस की कार्यशैली पर उठे सवाल- अब देखना होगा कि नजीबाबाद पुलिस इस रहस्यमयी मौत की गुत्थी को किस तरह सुलझाती है। पहले से ही नजीबाबाद पुलिस दो संदिग्ध मौत के मामलों का खुलासा करने में नाकाम रही है। एक मामला नजीबाबाद का तो दूसरा साहनपुर कस्बे का बताया जा रहा है, जिनमें मृतकों के परिजन आज भी न्याय के लिए दर-दर भटक रहे हैं। लगातार हो रही संदिग्ध मौतों ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। साहनपुर में एक और रहस्यमयी मौत सामने आने से मामला और गंभीर हो गया है। अब यह देखना अहम होगा कि पुलिस इस गुत्थी को सुलझाकर सच्चाई सामने ला पाती है या नहीं। उक्त प्रकरण में बिजनौर पुलिस ने बताया कि स्थानीय पुलिस द्वारा मृतक के शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्यवाही के उपरान्त पोस्टमार्टम हेतु मोर्चरी भेजा गया।अन्य आवश्यक कार्यवाही प्रचलित है।

नवरात्र में बेटियों को बड़ी संख्या में नियुक्ति पत्र मिलना सकारात्मक संकेतः मुख्यमंत्री

लोकतंत्र की शान

लखनऊ : आज नर्सिंग प्रोफेशनल्स की मांग केवल भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में है। जापान और जर्मनी यात्रा के दौरान भी नर्सिंग प्रोफेशनल्स की डिमांड की गई। वहां भारत के नर्सिंग प्रोफेशनल्स के बारे में लोगों के मन में आदर का भाव है। यह सौभाग्य हमारे नर्सिंग प्रोफेशनल्स को प्राप्त है। ऐसे में नर्सिंग कोर्स के साथ एक लैंग्वेज में डिप्लोमा कर अपना भविष्य को और बेहतर बना सकते हैं। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को लोकभवन के सभागार में आयोजित निष्पक्ष एवं पारदर्शी प्रक्रिया से चयनित 1,228 नर्सिंग अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में कही। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नव चयनित नर्सिंग ऑफिसर्स को नियुक्ति पत्र वितरित किया। इससे पहले नव चयनित नर्सिंग ऑफिसर्स ने मुख्यमंत्री के सामने अपने विचार साझा किए और उन्हें धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में 1097 महिलाओं और 131 पुरूष नर्सिंग अधिकारियों को मिला नियुक्ति पत्र

नव निर्माण के 9 वर्ष : यूपी में महिला सशक्तिकरण अब नारा नहीं, जमीनी हकीकत हैः बेबी रानी मौर्य

लोकतंत्र की शान

आगरा। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार के सफल 9 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आज आगरा में महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार मंत्री बेबी रानी मौर्य ने प्रेस वार्ता को संबोधित किया। उन्होंने अपने विभाग की 9 साल की उपलब्धियों का विस्तृत ब्योरा पेश करते हुए कहा कि योगी सरकार ने महिलाओं और बच्चों के विकास को केवल कल्याणकारी योजनाओं तक सीमित नहीं रखा है। अब यह सुरक्षा, सम्मान, पोषण, शिक्षा, स्वावलंबन और सामाजिक न्याय का एक व्यापक मॉडल बन चुका है। कैबिनेट मंत्री ने जोर देकर कहा कि यूपी में महिला सशक्तिकरण अब सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि एक जमीनी हकीकत बन गया है। अब प्रदेश की महिलाएं केवल नौकरी नहीं ढूंढ रहीं, बल्कि

नए अवसर पैदा कर रही हैं।

बेटी के जन्म से लेकर स्वावलंबन तक की मजबूत व्यवस्था-कैबिनेट मंत्री बेबी रानी मौर्य ने बताया कि योगी सरकार ने बेटी के जन्म से लेकर उसके शिक्षित, सुरक्षित और आत्मनिर्भर होने तक की पूरी व्यवस्था खड़ी की है। कन्या सुमंगला योजना के तहत अब तक 26.81 लाख बेटियों को लाभान्वित किया गया है। मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (कोविड व सामान्य) के माध्यम से 1 लाख 5 हजार से अधिक बेसहारा बच्चों को संरक्षण दिया गया। वहीं मिशन वात्सल्य के तहत 1 लाख से अधिक बच्चों को उनके बिछड़े परिवारों से मिलाया गया है। यह साबित करता है कि सरकार बच्चों को सिर्फ आंकड़े नहीं, बल्कि भविष्य के नागरिक के रूप में देखती है।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लोकार्पण की तैयारियों का सीएम योगी ने लिया जायजा, 28 मार्च को पीएम मोदी करेंगे उद्घाटन

लोकतंत्र की शान

गौतमबुद्धनगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के प्रस्तावित लोकार्पण कार्यक्रम की तैयारियों का रविवार को स्थलीय निरीक्षण कर जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने जनप्रतिनिधियों एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर सभी व्यवस्थाओं को समयबद्ध और मानकों के अनुरूप पूर्ण करने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी 28 मार्च को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर एवं कार्गो टर्मिनल का लोकार्पण करेंगे। साथ ही एमआरओ (मेंटेनेंस, रिपेयर एंड ओवरहॉल) परियोजना का शिलान्यास भी करेंगे। इसी को लेकर कार्यक्रम को भव्य एवं सफल बनाने की तैयारियां जोरों पर हैं।

सीएम ने किया स्थलीय निरीक्षण, हर पहलू की ली जानकारी-निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के संभावित भ्रमण मार्ग और निरीक्षण स्थलों का अवलोकन किया। उन्होंने पैसेंजर टर्मिनल, कार्गो टर्मिनल, रैली स्थल, पार्किंग, विभिन्न मार्गों और हेलीपैड सहित सभी प्रमुख स्थानों पर चल रही तैयारियों की जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

समीक्षा बैठक में दिए सख्त निर्देश-निरीक्षण के उपरांत एयरपोर्ट परिसर स्थित सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें कार्यक्रम की संपूर्ण तैयारियों, सुरक्षा व्यवस्था और संचालन योजना पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री योगी ने निर्देश दिए कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें और प्रत्येक कार्य निर्धारित समयसीमा में पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, विशिष्ट अतिथियों, मीडिया एवं बड़ी संख्या में आमजन की उपस्थिति को देखते हुए व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित और प्रभावी होनी चाहिए।

नजीबाबाद में अकीदत और उत्साह के साथ मनाई गई ईद-उल-फितर

» ईदगाहों और मस्जिदों में उमड़ा जनसैलाब, अमन-चैन और खुशहाली की दुआएं

लोकतंत्र की शान, खिज़र अहमद

नजीबाबाद। मुकद्दस माह रमज़ान के समापन पर ईद-उल-फितर का त्योहार नगर एवं आसपास के क्षेत्रों में पूरे उत्साह, उल्लास और आपसी भाईचारे के साथ मनाया गया। तीस रोजों की इबादत के बाद जैसे ही ईद का चांद नजर आया, लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई। सुबह होते ही बच्चे, बुजुर्ग और युवा नए कपड़े पहनकर ईदगाहों और मस्जिदों की ओर निकल पड़े, जहां नमाज अदा कर मुल्क में अमन, तरक्की और खुशहाली के लिए दुआएं मांगी गईं। नगर के प्रमुख ईदगाह में नमाज के लिए भारी संख्या में अकीदतमंदों की भीड़ उमड़ी। ईद की नमाज मौलाना इब्ने हसन ने अदा कराई, जबकि काजी अफ्फान ने खुतबा पेश किया। अपने खिताब में मौलाना इब्ने हसन ने रमज़ान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह महीना इंसान को सब्र, परहेजगारी और इंसानियत का सबक सिखाता है। ईद का दिन अल्लाह तआला की रहमत और इनाम का दिन होता है, जब रोजेदारों के गुनाह माफ किए जाते हैं। उन्होंने नमाज की पाबंदी, सुन्नतों पर अमल और बच्चों—खासकर लड़कियों—को दीन की तालीम देने पर विशेष जोर दिया। ईद के मौके पर प्रशासनिक अधिकारी और

जनप्रतिनिधि भी लोगों के बीच पहुंचे। सीओ व थाना प्रभारी अमित कुमार, चेयरमैन इंजी. मुअज्जम अहमद ने ईदगाह पहुंचकर लोगों को गले लगाकर मुबारकबाद दी और क्षेत्र में शांति एवं सौहार्द बनाए रखने की अपील की। वहीं साहनपुर ईदगाह में चेयरमैन खुर्शीद मंसूरी ने भी लोगों को ईद की बधाई दी और भाईचारे का संदेश दिया। नगर की विभिन्न मस्जिदों में भी ईद की नमाज अदा की गई। जामा मस्जिद में मौलाना मौ. ईसा, मकबरा मस्जिद में मुफ्ती गुफरान, सय्यदो वाली मस्जिद में मुफ्ती उवैस शिबली और सब्नीग्रान क्षेत्र में मौलाना महफूज ने नमाज अदा कराई। हर जगह लोगों ने नमाज के बाद एक-दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी और खुशियां साझा कीं। ईद के इस पावन अवसर पर बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिला। बच्चों ने ईदी पाकर और नए कपड़े पहनकर अपनी खुशी जाहिर की। घरों में सेवइयां, शीर खुरमा और अन्य पकवान बनाए गए, जिनका लोगों ने परिवार और रिश्तेदारों के साथ आनंद लिया। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। नगर के संवेदनशील क्षेत्रों, ईदगाहों और प्रमुख चौराहों पर पुलिस बल तैनात किया गया था। अधिकारियों द्वारा लगातार गश्त कर स्थिति पर नजर रखी गई, जिससे त्योहार पूरी तरह शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

नारी शक्ति संगठन ने नवरात्र पर बच्चों को स्टेशनरी व उपहार भेंट किए

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः रविवार को नगर की समाजसेवी संस्था नारी शक्ति संगठन द्वारा नगर के प्राचीन शक्तिपीठ मां चामुंडा मंदिर पर नवरात्र के अवसर पर क्षेत्र के दर्जनों बच्चों को स्टेशनरी का सामान व उपहार भेट किए, स्टेशनरी का सामान व उपहार पाकर बच्चों के चेहरे पर खुशी झलक उठी, वही समाजसेवी संस्था नारी शक्ति संगठन द्वारा नगर की एक गरीब कन्या की शादी के लिए नगद धनराशि व कुछ जरूरी सामान उपहार स्वरूप भेंट किया गया, वहीं संगठन की महिलाओं ने मंदिर में माता रानी के भजनों पर डांडिया नृत्य किया, इस मौके पर संगठन की संरक्षिका सीमा अग्रवाल ने कहा कि नवरात्रि पर हम अपने अंदर की शक्ति को जागृत करें और जीवन की हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार रहें, वही अध्यक्षा डोली अग्रवाल ने कहा कि संगठन का उद्देश्य खास तौर से बालिकाओ, महिलाओं की मदद करना है,

इस मौके पर संगठन की महामंत्री शैफाली अग्रवाल ने बताया कि हमारा संगठन समय-समय पर धार्मिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेता है व समाज के गरीब वर्ग की मदद करने के लिए तैयार रहता है, इस मौके पर मुख्य रूप से डोली, शैफाली,सीमा, दीपा, रजनी, अलका, अंजना, पारुल, निर्मला, रिंकी, आरती, प्रीति, रचना, स्वाती, बबीता, पूनम, नेहा रितु आदि मौजूद रही।

राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं RTI परिषद के संभल जिला अध्यक्ष बने सुरेंद्र सिंह यादव

लोकतंत्र की शान,

सम्भल। राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं आर.टी.आई.परिषद की ग्राम सहरा/सैंडा में एक अहम बैठक का आयोजन किया गया जिसमें संगठन को मजबूत करने और जनहित से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता देने पर जोर दिया गया। बैठक में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष यदुवंशी दीनदयाल यादव रहे। बैठक में सर्वसम्मति से संगठन विस्तार का महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए सुरेन्द्र सिंह यादव को जनपद सम्भल का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया।वहीं चंदौसी निवासी दीपेश कुमार अग्रवाल को जिला उपाध्यक्ष बनाया गया। इस घोषणा के साथ ही कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल देखने को मिला।इस अवसर पर प्रमोद कुमार शर्मा एडवोकेट,टेकचंद्र

राणा,गोविन्द,नीक शर्मा,अनुपम त्यागी सहित कई गणमान्य लोगों ने अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने कहा कि परिषद का उद्देश्य केवल संगठन विस्तार नहीं,बल्कि समाज के कमजोर और पीड़ित वर्गों को न्याय दिलाना है। उन्होंने कहा कि जब किसी की आवाज नहीं सुनी जाती,तब परिषद उनके अधिकारों की लड़ाई लड़ने के लिए आगे आती है।बैठक में महिला अधिकारों,सामाजिक अन्याय,भ्रष्टाचार,प्रशासनिक लापरवाही तथा आमजन की समस्याओं पर गंभीरता से विचार-विमर्श किया गया।वक्ताओं ने महिला उत्पीड़न,घरेलू हिंसा और अधिकारों के हनन जैसे मुद्दों पर कड़ा रुख अपनाने की आवश्यकता जताई। साथ ही यह भी कहा गया कि परिषद इन मामलों में पीड़ितों को कानूनी सहायता उपलब्ध कराएगी।राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपने संबोधन में कहा कि संगठन का विस्तार गांव-गांव तक किया जाएगा और हर जरूरतमंद तक परिषद की पहुंच सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने सभी सदस्यों से सक्रिय भूमिका निभाने और समाज सेवा के इस अभियान को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया।बैठक के अंत में सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी गईं और संगठन को नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ाने का संकल्प लिया गया। इस मौके पर मुख्य रूप से राष्ट्रीय अध्यक्ष दीनदयाल यादव एडवोकेट, प्रमोद कुमार , गोविंद कौशिक, अनुपम त्यागी, टेक चंद सिंह, मनोज गोयल, नीरज शर्मा, विपिन कुमार, सत्येंद्र सिंह, राजपाल सिंह, नीटू सिंह, अवधेश, परशुराम, विजेंद्र, महेश कुमार, जगत सिंह यादव, कामेश यादव, राजीव कुमार, सत्येंद्र कुमार आदि मौजूद रहे।

सेवानिवृत्त स्वास्थ्य निरीक्षिका से ठगी का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान, खिज़र अहमद

नजीबाबाद। शहर में ठगी की एक वारदात का पुलिस ने कुछ ही घंटों में खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। सेवानिवृत्त स्वास्थ्य निरीक्षिका से सोने के आभूषण और नकदी ठगने वाले अभियुक्तों को सराय चौकी प्रभारी की टीम ने दबोच लिया। मिली जानकारी के अनुसार, रामपुर बनवारी निवासी उर्मिला चौहान, पत्नी रामकुमार, 17 मार्च को रमेश नगर क्षेत्र में अपनी एक मित्र से मिलने के बाद घर लौटने के लिए रिक्शे का इंतजार कर रही थीं। इसी दौरान दो युवकों ने उन्हें बातों में उलझाकर झांसे में ले लिया और कानों के कुंडल, अंगूठी व नकदी ठगकर फरार हो गए। पीड़िता ने घटना की सूचना महिला हेल्पलाइन नंबर पर दी, जिसके बाद पुलिस हरकत में आई। सराय चौकी प्रभारी सौरभ सिंह ने टीम के साथ आरोपियों की तलाश शुरू की। गश्त के दौरान पुलिस ने आजाद चौक से मोटा आम की ओर स्थित एक खाली प्लॉट से दो संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम रियाज अहमद उर्फ भूरा निवासी नई बस्ती और ताहिर निवासी त्यागी मस्जिद के सामने, कलियर शरीफ (हरिद्वार, उत्तराखंड) बताए और

घटना में शामिल होने की बात कबूल कर ली। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक जोड़ी सोने के कुंडल और नगदी बरामद की है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने महिला को "भाग्य चमकाने" का झांसा देकर आभूषण और पैसे ले लिए और उन्हें बावन कदम चलने को कहकर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उनका चालान कर दिया है।

» सराय चौकी प्रभारी सौरभ सिंह की त्वरित कार्रवाई, आभूषण व नकदी बरामद

» पूर्व में भी कई खुलासे कर जनता दिल ने बसे रहते है सौरभ सिंह अपने अलग अंदाज के और तेज तर्रार होने की वज़ह से अपराधियों के हौसले उनके सामने पस्त हो जाते है

संक्षिप्त समाचार

आईपीएल की प्रैक्टिस छोड़, वैभव सूर्यवंशी ने थामा कैमरा हेलमेट उतारकर कहा-अपने हीरो को देख लो

लोकतंत्र की शान : लोकतंत्र की शान : पटना। IPL 2026 की तैयारियों को लेकर राजस्थान रॉयल्स टीम की ट्रेनिंग चल रही है। ट्रेनिंग सेशल के दौरान का वैभव सूर्यवंशी ने एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो में वैभव बल्ला छोड़ कैमरे पर हाथ आजमाते नजर आ रहे हैं। हाथ में कैमरा लिए वैभव कहते हैं, "कुछ तो काम करो, टाइम पास करने से अच्छा है।" इसके बाद अलग-अलग एंगल से ग्राउंड का शॉट बनाने लगते हैं। कुछ देर कैमरे पर हाथ आजमाने के बाद वैभव कैमरे को लॉक करने की कोशिश करते हैं, लेकिन उनसे लॉक नहीं होता। तब वैभव कहते हैं, "बहुत मुश्किल है ये।" इसके बाद वे अपना हेलमेट उतार देते हैं। हेलमेट उतारने के बाद वैभव ने कहा, "हेलमेट निकाल लेता हूं तभी तो देखोगे हीरो को।' इसके बाद फिर वह कैमरे से वीडियो बनाने लगते हैं। थोड़ी देर संघर्ष करने के बाद वैभव हार मान लेते हैं और कहते हैं, 'मेरे से ये सब नहीं होगा। मेरे लिए क्रिकेट ही ठीक है।" अब एक बार फिर से राजस्थान को वैभव से काफी उम्मीदें हैं। सोशल मीडिया X पर राजस्थान रॉयल्स ने वैभव का एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें वैभव IPL में 2 से 3 हजार बनाने की बात कह रहे हैं। दरअसल रिपोर्टर ने वैभव से पूछा- IPL 2026 में आपका लक्ष्य क्या है, आप कितने रन बनाना चाहते हैं और क्या ऑरेंज कैप जीतना चाहते हैं? इस पर वैभव ने हंसते हुए कहा, "ऐसे सवाल पूछेंगे तो मैं दो-तीन हजार रन बोल दूंगा।" उनका जवाब सुनकर वहां मौजूद लोग ठहाके लगाने लगे। इसके बाद वैभव ने कहा, "मैंने कोई खास लक्ष्य तय नहीं किया है। प्रक्रिया का पालन कर रहा हूं और टीम के लिए ट्रॉफी जीतना चाहता हूं। मेरा कोई निजी लक्ष्य नहीं है। हम बस इस सीजन में बेहतर प्रदर्शन करने के इरादे से आगे बढ़ रहे हैं।" इससे पहले BCCI ने नमन अवॉर्ड्स में वैभव ने अपने गोल के बारे में भी बताते हुए कहा, 'यही कोशिश है कि अपनी टीम के लिए ट्रॉफी जीतूं। अगर मैं टीम के लिए ट्रॉफी जीतूंगा तो मेरी फ्रेंचाइजी को फायदा होगा और मेरा भी परफॉर्मेंस निखरेगा।'

बिहार दिवस पर हाजीपुर में चौकीदारी परेड, एसपी बोले- 'ग्रामीण-शहरी इलाकों में पुलिस तंत्र की आधारभूत कड़ी'

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। बिहार दिवस के अवसर पर हाजीपुर के अक्षयवट राय स्टेडियम में चौकीदारी एवं दफादारी परेड का आयोजन किया गया। इस दौरान जिला पदाधिकारी वर्षा सिंह और पुलिस अधीक्षक विक्रम सिहाग उपस्थित रहे। इस परेड में जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए चौकीदार और दफादार शामिल हुए।

अधिकारियों ने जवानों को स्वच्छ वर्दी पहनने, समय पर उपस्थित रहने और अपने-अपने क्षेत्रों में खुफिया जानकारी जुटाने तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए। उन्हें आम जनता के साथ समन्वय स्थापित कर सूचना संकलन और अपराध नियंत्रण में प्रभावी भूमिका निभाने के लिए भी प्रेरित किया गया। पुलिस अधीक्षक ने चौकीदार-दफादार व्यवस्था के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में ये पुलिस तंत्र की आधारभूत कड़ी हैं, जिनकी सक्रियता से अपराध नियंत्रण और शांति व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण सहयोग मिलता है। बिहार दिवस के उपलक्ष्य में, स्काउट एंड गाइड की टीम ने हाजीपुर शहरी क्षेत्र में प्रभात फेरी निकाली। इस प्रभात फेरी के जरिए नागरिकों को सामाजिक एकता, स्वच्छता और कानून के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर स्थानीय प्रशासन, पुलिस पदाधिकारी और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

शराब तस्करी केस में मंत्री के रिश्तेदार पर आरोप, राजद ने 50 हजार इनामी बताकर तस्वीरें जारी कीं

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। बिहार में शराबबंदी को लेकर राजनीति एक बार फिर गरमा गई है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने पीएचईडी मंत्री संजय सिंह पर शराब तस्कर को उनके रिश्तेदार होने का गंभीर आरोप लगाया है। मंत्री ने आरोप साबित करने की चुनौती दी। राजद ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर दावा किया कि मंत्री के करीबी रिश्तेदार चंदन सिंह वैशाली जिले में शराब तस्करी के एक बड़े मामले में शामिल हैं। पोस्ट के अनुसार, वैशाली के औद्योगिक क्षेत्र से शराब की बड़ी खेप पकड़े जाने के बाद आरोपी का नाम सामने आया है। राजद ने चंदन सिंह को कुख्यात तस्कर बताते हुए कहा कि उस पर पुलिस ने 50 हजार रुपए का इनाम भी घोषित किया था। राजद ने सोशल मीडिया पोस्ट में कुछ तस्वीरें भी साझा कीं, जिनमें आरोपी चंदन सिंह कई मंत्रियों और बड़े नेताओं के साथ नजर आ रहे हैं। पार्टी ने सवाल उठाते हुए कहा कि जब सरकार के मंत्रियों के साथ तस्करों की तस्वीरें सामने आ रही हैं, तो यह भरोसा करना मुश्किल है कि ऐसे अपराधियों पर कोई कार्रवाई होगी। PHED मंत्री संजय सिंह वैशाली के जंदाहा मे एक कार्यक्रम मे शामिल होने पहुंचे इसी दौरान उन्होंने कहा की "विपक्ष के पास जब कोई मुद्दा नहीं बचता और न ही कोई विकल्प होता है, तो वे सरकार के लोगों पर प्रहार करने के लिए अनर्गल बयानबाजी करते हैं। हमारी सरकार विकास की काम करती है, बिहार के प्रति सोचती है। ऐसे में उनके पास कोई ठोस मुद्दा नहीं है, इसलिए वे इस तरह के आरोप लगाते हैं।" उन्होंने तस्वीरों को लेकर सफाई देते हुए कहा, " डेली मैं 200-300 लोगों के बीच फोटो खींचवाता हूं। तब यह पता नहीं चलता कि भीड़ में कौन-कौन है।" मंत्री ने विपक्ष को खुली चुनौती देते हुए कहा, "उन्होंने जो लिखा है, उसे साबित करें ओर मै चुनौती देता हूं। अगर वे साबित नहीं कर पाते हैं, तो मेरे पार्टी के लोग उन पर मानहानि का केस करेंगे और कार्रवाई करेंगे। ऐसे अनर्गल बयान देकर सोशल मीडिया पर माहौल खराब करने वालों को क्षमा मांगनी पड़ेगी।"

बिहार महोत्सव पर कवि सम्मेलन, उपेंद्र कुशवाहा ने किया उद्घाटन, देशभर के कवि हुए शामिल

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली के जंदाहा में युवा भारत विकास संगठन द्वारा बिहार महोत्सव पर एक कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। देर रात तक चले इस कार्यक्रम में सैकड़ों लोगों ने भाग लिया और देश भर से आए ख्यातिप्राप्त कवियों की रचनाओं का आनंद लिया। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने दीप प्रज्वलित कर महोत्सव का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखने और युवाओं को इससे जोड़ने की आवश्यकता पर जोर दिया। महोत्सव में पद्मश्री डॉ. सुनील जोगी (दिल्ली) सहित कई प्रतिष्ठित कवि और साहित्यकार उपस्थित रहे। डॉ. जोगी ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उत्तराखंड से आए दियांश दुष्यंत ने मंच संचालन किया, जबकि मध्य प्रदेश से विकास बैरागी, प्रियंका मिश्रा और उत्तर प्रदेश से शिवम सांबरे ने भी अपनी कविताओं से दर्शकों का मन मोह लिया। इस सफल आयोजन की संयोजिका वैशाली की वर्षा ठाकुर थीं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मंत्री संजय सिंह और मंत्री लखेन्द्र पासवान मौजूद रहे। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा भी विशिष्ट अतिथि के तौर पर शामिल हुए।

पटना सिटी में पति ने चाकू से गोद कर की पत्नी की हत्या

बच्चों को कमरे बंदकर चाकू मारा, भाई बोला-मुस्लिम जीजा ने 'सोनू यादव' नाम से आधार बनवाया

लोकतंत्र की शान , पटना

पटना सिटी में एक पति ने चाकू से गोद कर पत्नी की हत्या कर दी। बताया जाता है कि वारदात से पहले उसने अपने दो बच्चों को कमरे में बंद किया। फिर चाकू से तबाड़तोड़ हमला कर लहूलुहान हालत में पत्नी को छोड़कर फरार हो गया। जबतक परिजन उसे लेकर अस्पताल पहुंचे, उसकी मौत हो गई। पति-पत्नी में ईद पर नए कपड़े और पैसों को लेकर बहस हुई थी। वारदात ईद की रात आलमगंज थाना क्षेत्र में परिवेश मार्केट मोड़ के पास की है। मृतका की पहचान जेबा खातून (24) के तौर पर हुई है। हत्या का आरोप पति मोहम्मद सोनू पर लगा है। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराया है। आरोपी पति मौके से फरार है, पुलिस उसकी तलाश कर रही है। मृतका के भाई का आरोप है कि उसका जीजा मुस्लिम है, लेकिन हिंदू नाम से आधार कार्ड बनवा रखा है। परिवार के मुताबिक, मोहम्मद सोनू पहले दिल्ली में काम करता था। वहां से वापस पटना लौटा तो यहां उसने जेबा खातून से निकाह किया। दंपती के दो बच्चे भी हैं। सोनू ऑटो चलाकर गुजर बसर करता था। परिजनों ने बताया कि, शादी के बाद से ही दोनों के बीच अक्सर पैसों की तंगी के कारण विवाद

होते रहते थे। जेबा खातून पति को काम करने कहती थी, लेकिन सोनू कभी ऑटो चलाता तो कभी छोड़ देता था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच आए दिन विवाद होते रहता था। बताया जा रहा है कि सोनू की कमाई से घर बमुश्किल ही चल पा रहा था। वहीं ईद की सुबह भी दोनों पति-पत्नी में झगड़ा हुआ। दरअसल, जेबा ने ईद पर बच्चों और खुद के लिए नए कपड़े बनवाने की जिद की। सोनू के पास पैसे नहीं थे, तो उसने इनकार कर दिया। जिसके बाद दोनों में जोरदार झगड़ा हुआ। लड़ाई के बाद सोनू गुस्से में घर से निकल गया। देर शाम वापस आया, उसके बाद फिर से दोनों में बहस होने लगी। इस दौरान सोनू ने अपना आपा खो दिया और चाकू से 2 बार पत्नी जेबा पर हमला कर दिया। जेबा बेसुध होकर जमीन पर गिर पड़ी।

मृतक के भाई मो साबिर ने बताया, 'बहनोई मो सोनू ने बहन जेबा खातून की हत्या से पहले दो बच्चों पांच साल के बेटे और दो साल की बेटी को कमरे में बंद कर दिया। चाकू से मारकर वो खून से लथपथ जेबा को छोड़ कर फरार हो गया। कुछ देर के बाद जब बच्चे बाहर निकले तब पड़ोस में रहने वाली मौसी को घटना की जानकारी दी। मृतक जेबा चार बहनों में दूसरे नंबर पर थी। मौसी के परिवार के लोग उसे लेकर अस्पताल जाने लगे। लेकिन शरीर से खून अधिक निकल जाने से उसकी मौत हो गई।' परिवार के अनुसार, सोनू यादव पहले मुस्लिम समुदाय से था और उसका नाम मोहम्मद सोनू था। उसने अपना नाम बदलकर आधार कार्ड में 'सोनू यादव' दर्ज करा लिया था। परिवार ने इसे लेकर सवाल उठाए हैं। भाई का कहना है कि एक व्यक्ति ने अपना नाम और धार्मिक पहचान बदलकर आधार कार्ड कैसे बनवाया और लंबे समय तक उसी पहचान के साथ कैसे रह रहा। उन्होंने प्रशासन से इस पहलू की भी गहन जांच करने की मांग की है।

आंधी-बारिश का कहरः सहरसा-मधेपुरा में बर्बाद हुई हजारों हेक्टेयर फसल

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाताः बिहार के सहरसा और मधेपुरा जिलों में हाल ही में आए तेज आंधी-तूफान और मूसलाधार बारिश ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया है। खासकर अगात (असमय) खेती करने वाले किसानों को सबसे अधिक नुकसान उठाना पड़ा है। खेतों में लहलहाती गेहूं की फसल पूरी तरह जमीन पर बिछ गई, जबकि मकई की फसल भी बुरी तरह प्रभावित हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जिले में करीब 90 हजार हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में फसलें प्रभावित हुई हैं। कई स्थानों पर कटाई के लिए तैयार गेहूं की फसल गिरकर सड़ने लगी है, वहीं मकई के पौधे भी टूटकर खेतों में बिखर गए हैं। इस प्राकृतिक आपदा ने किसानों को आर्थिक रूप से झकझोर कर रख दिया है। ग्रामीण इलाकों में स्थिति बेहद चिंताजनक बनी हुई है। किसान बताते हैं कि इस बार उन्होंने उम्मीद से अधिक मेहनत की थी और फसल भी अच्छी होने की संभावना थी, लेकिन अचानक आए तूफान और बारिश ने सारी उम्मीदें तोड़ दीं। अब उनके सामने परिवार के भरण-पोषण और कर्ज चुकाने की बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है। इसी बीच, दिनेश चन्द्र यादव ने इस मुद्दे को गंभीरता से उठाते हुए मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है। उन्होंने अपने पत्र में उल्लेख किया कि 20 मार्च की शाम आए भीषण तूफान और बारिश ने सहरसा एवं मधेपुरा जिलों में किसानों की गेहूं और मकई की फसल को पूरी तरह नष्ट कर दिया है। उन्होंने सरकार से मांग की है कि जल्द से जल्द फसल क्षति का आकलन कर प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा दिया जाए, ताकि उन्हें आर्थिक राहत मिल सके। किसानों का कहना है कि यदि समय रहते सरकार की ओर से सहायता नहीं मिली, तो उनकी स्थिति और भी गंभीर हो सकती है। कई किसानों के लिए यह फसल ही उनकी सालभर की आमदनी का मुख्य स्रोत थी। प्रशासन ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए कृषि विभाग के अधिकारियों को तत्काल सर्वे कर विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही यह भी आश्वासन दिया गया है कि प्रभावित किसानों को राहत पहुंचाने के लिए आवश्यक कदम जल्द उठाए जाएंगे। फिलहाल, किसान आसमान की ओर उम्मीद भरी नजरों से देख रहे हैं—इस बार बारिश के लिए नहीं, बल्कि सरकारी राहत के लिए।

बेतिया समेत 5 जिलों में कुहासा 6 में आंधी-बारिश का अलर्ट

लोकतंत्र की शान , पटना

बिहार में मौसम का मिजाज बदल गया है। पिछले 2 दिनों से अधिकतर जिलों में तेज हवा के साथ बारिश हो रही है। कुछ जिलों में ओले भी गिरे हैं। बारिश के बाद समस्तीपुर, मधुबनी, जमुई, गोपालगंज और बेतिया में रविवार सुबह कुहासा है, विजिबिलिटी काफी कम है। इधर, मौसम विज्ञान केंद्र ने आज यानी रविवार को प्रदेश के 6 जिले में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में हल्की से मध्यम बारिश होने के साथ साथ तेज हवा चलने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में अगले एक सप्ताह तक आसमान में बादल छाए रहेंगे और कुछ जिलों में रुक-रुककर बारिश हो सकती है। इस दौरान अधिकतम तापमान 32 से 34 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान

है। इससे गर्मी से थोड़ी राहत मिलेगी।

शनिवार को करीब सभी जिलों में रुक-रुककर बारिश होती रही। पटना बांका, गोपालगंज, मोतिहारी, बगहा, बेतिया, सीतामढ़ी और खगड़िया में तेज बारिश हुई। वहीं, पटना के कुछ इलाकों में तेज बारिश के साथ ओले भी गिरे। आंधी-बारिश की वजह से किसानों को काफी नुकसान हुआ है। किसानों के खेत में लगे गेहूं और मक्के की फसल बर्बाद हो गई है। वहीं, आंधी और आकाशीय बिजली की चपेट में आने से अब तक 7 लोगों की मौत हो चुकी हैं।

सामाजिक-राजनीतिक हिस्सेदारी को लेकर विश्वकर्मा शक्ति मोर्चा की पहल, एकजुटता पर जोर

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाताः शहर के न्यू कॉलोनी स्थित महेंद्र शर्मा के आवास पर रविवार को विश्वकर्मा समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। धनिकलाल ठठेरा की अध्यक्षता एवं लोजपा (रामविलास) के जिलाध्यक्ष महेंद्र शर्मा के संचालन में आयोजित इस बैठक में विश्वकर्मा शक्ति मोर्चा के गठन के साथ सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक भागीदारी को लेकर व्यापक चर्चा हुई। बैठक में उपस्थित वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि अपने हक और अधिकार की प्राप्ति के लिए सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक भागीदारी बेहद जरूरी है। इसके लिए विश्वकर्मा समाज की पांचों उपजातियों की आपसी एकजुटता और संघर्ष अनिवार्य है। बैठक को संबोधित करते हुए महेंद्र शर्मा ने कहा कि "हमारी आबादी 5 प्रतिशत से अधिक होने के बावजूद राजनीतिक भागीदारी नगण्य है। विभिन्न राजनीतिक दल समय-समय पर हमारे वोट का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन हमें उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिलता।" उन्होंने आह्वान किया कि समाज को एकजुट होकर उन दलों का समर्थन करना चाहिए जो उनकी हिस्सेदारी सुनिश्चित करें। उन्होंने आगे बताया कि विश्वकर्मा शक्ति मोर्चा को शहर से लेकर गांव तक मजबूत किया जाएगा। साथ ही 29 मार्च को अगली बैठक आयोजित कर संगठन को ठोस रूप दिया जाएगा और राजनीतिक अधिकारों के लिए आंदोलन की रणनीति तय की जाएगी। स्वर्णकार संघ के जिलाध्यक्ष शशि सोनी ने कहा कि "हम कभी अलग नहीं थे, बल्कि हमें अलग किया गया है। अब समय आ गया है कि एक मंच पर आकर राजनीतिक संघर्ष किया जाए।" वहीं अधिवक्ता लीलाधर शर्मा ने कहा कि पांचों विश्वकर्मा पुत्रों की एकजुटता न केवल कोसी क्षेत्र बल्कि पूरे बिहार में बदलाव ला सकती है। भारतीय विश्वकर्मा महासंघ के जिलाध्यक्ष डॉ. रघुनंदन शर्मा ने अलग-अलग संगठनों के बजाय एक मंच पर आवाज बुलंद करने की आवश्यकता पर बल दिया। लोहार महासंघ के जिलाध्यक्ष रामकुमार शर्मा ने कहा कि "हम सभी एक हैं, अब जरूरत केवल राजनीतिक रूप से एकजुट होने की है।" बैठक में पिंटू शर्मा, कृष्णदेव पंडित सहित अन्य वक्ताओं ने भी चट्टानी एकता का संकल्प लेते हुए राजनीतिक हिस्सेदारी के लिए संगठित संघर्ष का आह्वान किया। इस मौके पर कमलदेव शर्मा, टुनटुन कुमार पंडित, श्रीकांत मिस्त्री, राजू कुमार शर्मा, संजय सोनी, नरेश मिस्त्री, मनोज कुमार शर्मा, आनंदी शर्मा, चंद्रदेव शर्मा, हरेराम कुमार शर्मा समेत बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित थे।

बिहार दिवस 2026: सहरसा में सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य शुभारंभ, युवाओं को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने का संदेश

लोकतंत्र की शान , पटना

सहरसा, मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाताः बिहार दिवस के अवसर पर सहरसा में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन दीपेश कुमार (जिलाधिकारी), संजय कुमार सिंह (विधायक, सिमरी बख्तियारपुर), प्रभात कुमार झा (नगर आयुक्त) तथा संजीव कुमार चौधरी, निशांत और गणेश कुमार सहित अन्य अधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य अतिथियों का स्वागत जिला कला, संस्कृति पदाधिकारी स्नेहा कुमारी ने किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुमार आशीष (पुलिस उप महानिरीक्षक) ने युवाओं से राज्य और देश के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे और मोबाइल के अत्यधिक उपयोग से बचना चाहिए तथा उन सभी गतिविधियों से दूर रहना चाहिए जो उनके उज्ज्वल

भविष्य में बाधा बन सकती हैं। उन्होंने अभिभावकों से भी अपने बच्चों की गतिविधियों पर ध्यान देने और उन्हें सकारात्मक दिशा में प्रेरित करने का आह्वान किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी दीपेश कुमार ने कहा कि जिला प्रशासन समेकित विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि विभिन्न योजनाओं के पूर्ण होने से जिले के विकास को गति मिलेगी और युवाओं को इसमें सक्रिय भागीदार बनना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि बिहार के युवा मेहनती, लगनशील और प्रतिभाशाली होते हैं, और सही मार्गदर्शन मिलने पर वे हर क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त कर सकते हैं विधायक संजय कुमार सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान सरकार के नेतृत्व में राज्य निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है, जो निश्चित रूप से गर्व का विषय है। वहीं नगर आयुक्त एवं अपर समाहर्ताओं ने भी बिहार दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसकी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक प्रासंगिकता पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम के दौरान सभी गणमान्य अतिथियों एवं बड़ी संख्या में उपस्थित दर्शकों ने बिहार दिवस गायन में भाग लेकर उत्साहपूर्वक अपनी सहभागिता दर्ज कराई। यह आयोजन न केवल सांस्कृतिक समृद्धि का प्रतीक बना, बल्कि युवाओं को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने का प्रेरक संदेश भी दे गया।

बख्तियारपुर पहुंचेंगे निशांत कुमार गंगा महाआरती में होंगे शामिल

लोकतंत्र की शान , पटना

बाढ़ अनुमंडल के बख्तियारपुर स्थित सीढ़ी घाट पर रविवार शाम गंगा महाआरती का आयोजन किया जाएगा। इसमें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार शामिल होंगे। उनके आगमन को लेकर तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं और पूरे इलाके में उत्साह का माहौल है। गंगा आरती को भव्य और आकर्षक बनाने के लिए स्थानीय प्रशासन और आयोजन समिति सक्रिय है। घाट की साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है, जिसके मद्देनजर भीड़ नियंत्रण की विशेष व्यवस्था की गई है।

चौक-चौराहे निशांत कुमार के स्वागत पोस्टरों से पटेः बख्तियारपुर के प्रमुख चौक-चौराहे निशांत कुमार के स्वागत पोस्टरों से पटे हुए हैं। स्थानीय लोगों में भी इस आयोजन को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है। जदयू युवा पटना जिला के सक्रिय कार्यकर्ता राजीव रंजन उर्फ पिंकू कुमार और सत्यानंद याजी उर्फ छोटे याजी ने तैयारियों का जायजा लिया। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क है।

एसडीपीओ आयुष श्रीवास्तव और थानाध्यक्ष देवानंद शर्मा सहित पुलिस बल मौके पर मौजूद है। यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि कार्यक्रम शांतिपूर्ण और सुरक्षित ढंग से संपन्न हो।

बीच सड़क पर पटना पुलिस की मेडिकल ट्रीटमेंट

लोकतंत्र की शान , पटना

पटना के मीठापुर बाईपास पर तैनात ट्रैफिक पुलिस के एक कांस्टेबल ने सूझबूझ और तत्परता दिखाते हुए एक CISF जवान की जान बचा ली। मीठापुर बाईपास पर यह घटना हुई, जहां जवान अचानक अचेत होकर सड़क पर गिर पड़ा। अचेत हुए व्यक्ति की पहचान नवादा जिले के रहने वाले कुंदन के रूप में हुई है, जो CISF में कांस्टेबल हैं। बताया जा रहा है कि उनकी तबीयत पहले से खराब थी और वे अस्पताल जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में वे बेहोश होकर गिर पड़े। मीठापुर ट्रैफिक पोस्ट पर तैनात कांस्टेबल अंजनी कुमार गौरव ने बताया कि, एक व्यक्ति चेक पोस्ट से गुजर रहा था। पास में उसकी गाड़ी और परिवार मौजूद था। गाड़ी तक पहुंचने से पहले ही वह अचानक गिर गया। उसके शरीर से ज्यादा पसीना निकल रहा था और हाथ-पैर अकड़ रहे थे। स्थिति को देखते हुए उन्होंने हार्ट अटैक की

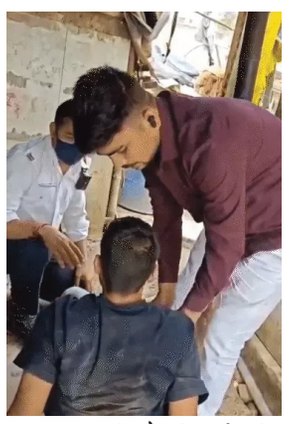

आशंका जताई और बिना देर किए CPR देना शुरू कर दिया।

कुछ ही सेकेंड में लौट आई सांसेंः कांस्टेबल के मुताबिक, CPR शुरू करने के करीब 30 सेकेंड के भीतर ही जवान को होश आने लगा। कुछ ही मिनटों में उसकी हालत सामान्य हो गई। मौके पर मौजूद परिजन भी यह देख भावुक हो गए और कांस्टेबल को भगवान का रूप बताकर धन्यवाद दिया।

नहाय-खाय के साथ चैती छठ महापर्व शुरू, व्रती पहुंच रहे घाट, गंगा स्नान कर लिया संकल्प

लोकतंत्र की शान , पटना

आज से नहाय-खाय के साथ चैती छठ की शुरुआत हो गई है। भरणी नक्षत्र और वैधृति योग में चार दिवसीय अनुष्ठान शुरू हो गया है। चैती छठ का व्रत पूर्वांचल व उत्तर भारत के अलावा पूरे देश में संयम व पवित्रता के साथ मनाया जाता है। चैती छठ का पर्व प्रकृति, सूर्य और जल के प्रति आस्था का प्रतीक है। चार दिनों तक चलने वाले इस पावन पर्व को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह देखा जा रहा है। अस्ताचल व उदयमान सूर्य को अर्घ्य की परंपरा इसी वैदिक भावना की अभिव्यक्ति है।

सुबह से व्रती पहुंच रहे घाट, गंगा स्नान कर लिया संकल्पः चैती छठ में नहाए खाए के पहले दिन पूजा अर्चना करने के लिए व्रती गंगा घाट पहुंचे। पूजा के बर्तन को गंगा

की मिट्टी और जल से धोकर शुद्ध किया गया। इसके बाद गंगा स्नान कर भक्तों ने पूजा अर्चना कर व्रत का संकल्प लिया। इस दौरान सुहागन महिलाएं एक दूसरे को पूजा का सिंदूर लगाती हुईं नजर आयीं। पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धालु गंगाजल को लेकर पूजा के लिए घर लेकर जाते भी दिखाई दिए।

सुबह ही गंगा घाट आ गई, अब प्रसाद बनेगा- सुकृति सिंहः छठ व्रती सुकृति सिंह ने कहा कि, 'मैं अपने पूरे परिवार के साथ सुबह 7 बजे ही गंगा घाट आ गई थी। बच्चों को बर्तन में गंगाजल भर के दे दिया है और वह घर लेकर गए हैं। अब प्रसाद बनेगा। छठ में पूरा परिवार मौजूद रहता है। घर में रौनक आ जाती है।' कदम घाट पर गंगा स्नान करने पहुंचे बच्चों ने कहा कि, छठ पूजा में काफी मजा आता है। ये हमारा सबसे पसंदीदा पर्व है। पूजा के बाद ठेकुआ खाने को मिलता है। सब परिवार के लोग एक साथ रहते हैं।'

नहाय-खाय में कद्दू भात का बनेगा प्रसादः पंडित झा राकेश झा ने बताया कि, 'इस महापर्व की शुरुआत में व्रती आज पवित्र गंगा नदी, जलाशय या अपने घरों में गंगाजल मिलाकर स्नान के साथ शुरू होगा। व्रत के प्रसाद के लिए मंगवाये गये गेहूं को गंगाजल में धोकर सुखाया जायेगा। इस गेहूं में कोई पक्षी, कीड़ा का स्पर्श नहीं हो इसके लिए खुद और परिवारजन के साथ पारंपरिक लोकगीत गाते हुए इसकी रखवाली करेंगी।

संक्षिप्त समाचार

ईद का त्योहार आपसी भाईचारे और प्यार का संदेश देता है : कृष्ण कुमार शर्मा

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा: ईद उल फितर के मुबारक मौके पर तहसील हसनपुर क्षेत्र के ग्राम बुरावली में मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के क्षेत्रीय संगठन मंत्री रिफाकत चौधरी के आवास पर आयोजित ईद मिलन समारोह में पहुंचे राष्ट्र सेवी संगठन संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने सभी मुस्लिम भाइयों को ईदुलफितर की मुबारकबाद देते हुए कहा कि ईद केवल उपवास (रोजे) के अंत का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह पवित्रता भाईचारे और परोपकार का संदेश देता है। रमजान के पूरे महीने की इबादत के बाद आज जो खुशियां और मिठाइयां बांटी जा रही हैं वे हमारे दिलों को जोड़ने का काम करती हैं। भारत एक ऐसा देश है जहां विविधता ही हमारी ताकत है। आज हम सबको मिलकर दुआ करनी चाहिए जिससे अपने देश के साथ दुनिया में अमन चैन, और भाईचारा बना रहे। संयुक्त राष्ट्र संघ से अपील करते हैं कि दुनिया में चल रहे युद्ध जैसे हालात को समाप्त करके वहां बातचीत के बाद शान्ति स्थापित हो आगे कहा कि यह त्यौहार हम सबके जीवन में खुशहाली, और कामयाबी लेकर आए। इस अवसर पर रिफाकत चौधरी मुस्लिम राष्ट्रीय मंच बिंग आर एस एस, महिपाल सिंह प्रांत गन्ना मंत्री भारतीय किसान संघ, निशात चौधरी, नौशाद, शाकिब, फरमान, छुट्टन, इरफान, मतलूब , फराहीम, शेर अली, सरफराज आदि मौजूद रहे।

रोहतक-रेवाड़ी मार्ग पर मिला अधेड़ का शव,नहीं हुई शिनाख्त

लोकतंत्र की शान : रेवाड़ी। जिले में रोहतक राष्ट्रीय राजमार्ग पर रविवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब गंगायचा जाट टोल टैक्स के पास एक करीब 45 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति का शव सड़क किनारे पड़ा मिला। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। जानकारी के अनुसार सुबह के समय गंगायचा जाट टोल प्लाजा के पास हाईवे से गुजर रहे राहगीरों ने एक व्यक्ति को गंभीर हालत में सड़क किनारे पड़ा देखा। उसके सिर और पैरों पर चोट के गहरे निशान थे। स्थिति को देखते हुए राहगीरों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर सदर थाना पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पाया कि व्यक्ति की मौत हो चुकी थी। सदर थाना प्रभारी राजेंद्र सिंह के अनुसार, प्रारंभिक जांच में मामला किसी अज्ञात वाहन की टक्कर का प्रतीत हो रहा है।पुलिस का अनुमान है कि रविवार तड़के करीब पांच बजे किसी तेज रफ्तार वाहन ने डिवाइडर पार करते हुए व्यक्ति को टक्कर मारी होगी, जिसके बाद चालक मौके से फरार हो गया। मृतक के पैर में और शरीर के अन्य हिस्सों पर भी गंभीर चोटों के निशान मिले हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, मृतक पिछले दो दिनों से इलाके में घूमता हुआ देखा जा रहा था, जिससे उसकी पहचान को लेकर पुलिस को कुछ सुराग मिलने की उम्मीद है। फिलहाल पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है और हाईवे पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस का कहना है कि मृतक की शिनाख्त और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मामले का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा। शव को फिलहाल शवगृह में रखवाया गया है और जांच जारी है।

फरीदाबाद : स्क्रैप गोदाम में चोरी के आरोप में मामा-भांजा गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान : फरीदाबाद। स्क्रैप गोदाम से चोरी के मामले में पुलिस चौकी संजय कॉलोनी की टीम ने दो आरोपितों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान उत्तरप्रदेश निवासी शाकिर तथा आबिद खान उर्फ रवि के रूप में हुई है। पुलिस प्रवक्ता ने रविवार को बताया कि लोकेश निवासी आर्य नगर, पलवल ने अपनी शिकायत में बताया कि नगला गुर्जन, बजरंग धर्म कांटा के पास, सोहना रोड स्थित उसका कॉपर स्क्रैप का गोदाम है। 15 मार्च को उसके गोदाम में 1170 किलोग्राम कॉपर स्क्रैप आया था। 17 मार्च को जब उसने दोबारा माल की जांच की तो उसमें से लगभग 600 किलोग्राम स्क्रैप कम पाया गया। शिकायत के आधार पर थाना मुजेसर में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। पूछताछ के दौरान सामने आया कि आबिद गोदाम में ही कार्यरत था। उसने अपने मामा शाकिर के साथ मिलकर 15 और 16 मार्च को गोदाम से कॉपर स्क्रैप चोरी कर लिया। पुलिस ने आरोपियों को अदालत में पेश कर दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है।

फरीदाबाद : 37 साइबर अपराधी गिरफ्तार कर पुलिस ने लाखों किए बरामद

लोकतंत्र की शान : फरीदाबाद। फरीदाबाद पुलिस की साइबर थानों की टीम द्वारा ठगों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। 14 से 20 मार्च के बीच फरीदाबाद पुलिस के तीनों साइबर थानों की टीम ने एक सप्ताह में 37 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार कर 53 लाख 41 हजार 725 रुपए बरामद किये हैं। पुलिस प्रवक्ता ने रविवार को बताया कि पुलिस की साइबर थानों की टीम ने पांच मुकदमों में कार्रवाई करते हुए 40 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। जिसमें साइबर थाना एनआईटी के तीन, सेंट्रल के एक व बल्लभगढ़ के एक मामले शामिल है। इस दौरान साइबर थाना की टीमों ने 53 लाख 41 हजार 725 रुपए बरामद किये हैं। इसी प्रकार 217 शिकायतों का निस्तारण कर एक लाख 27 हजार 26 रुपए खातों में फ्रीज कराये हैं। यह कार्रवाई साइबर थानों की टीम ने 14 मार्च से 20 मार्च तक एक सप्ताह के दौरान की है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में विक्रम सिंह, आर्यन, आदित्य, ऋषभ, तरूण कुमार, हरेंद्र, रवि कुमार, निखिल, विजय, अतुल, अजीत, अजय कुमार, करन, प्रिंस मावी, जोय पाल, अजीन ईकबाल, रामू सिंह, सुरजीत, ध्रुव आंनद, शबनम, अब्दुल मनान, मदन गिरी, तुशांत, प्रवीण कुमार, प्रिति, रंजीत, हफसल हमसा, विश्वजीत कुमार, भारती, राहूल, राजपाल, संजय, विनय सिंह, इत्सूंग चेन, सरबजीत, अंकित व राहुल का नाम शामिल है।

जिले में मुख्यमंत्री का आकस्मिक दौरा, संवेदनशील प्रशासन पर दिया जोर

लोकतंत्र की शान , (ऋचा पाण्डेय की रिपोर्ट)

- जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु मुख्यमंत्री के निर्देश
- मैदानी स्तर पर समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए मुख्यमंत्री ने दिए निर्देश
- प्रशासनिक कार्यों में जवाबदेही सुनिश्चित करने के निर्देश

सीधी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आकस्मिक दौरे के माध्यम से सीधी जिले की जमीनी स्थिति का आकलन किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के दौरे से वास्तविक समस्याओं की पहचान होती है और प्रशासन को आमजन की अपेक्षाओं के अनुरूप कार्य करने की दिशा मिलती है। सर्किट हाउस में मुख्यमंत्री ने आम नागरिकों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और उनके त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा है कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पहुंचे। उन्होंने मैदानी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे संवेदनशीलता, जवाबदेही और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करें। किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता को गंभीरता से लेते हुए कठोर एवं प्रभावी कार्यवाही की जाएगी। मुख्यमंत्री ने जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए जमीनी स्तर पर उनकी प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने यह सुनिश्चित करने पर बल दिया कि योजनाओं का लाभ वास्तविक हितग्राहियों तक पहुंचे और किसी प्रकार की बाधा न आए। इसके साथ ही पनवार हवाई पट्टी के सुदृढ़ीकरण के निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने जरूरतमंदों के लिए एयर एंबुलेंस सुविधा उपलब्ध कराने पर जोर दिया, जिससे आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित चिकित्सा सहायता सुनिश्चित की जा सके। कलेक्ट्रेट के निर्माणाधीन भवन की धीमी प्रगति पर मुख्यमंत्री ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कार्य में तेजी लाने और निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण पूर्णता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि प्रशासन का मूल उद्देश्य आमजन की सेवा है और इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। इस दौरान सांसद डॉ. राजेश मिश्रा, विधायक सीधी श्रीमती रीती पाठक, विधायक सिहावल विश्वामित्र पाठक, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मंजू सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष देव कुमार सिंह चैहान सहित जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। साथ ही कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी, अपर कलेक्टर बी.पी. पाण्डेय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री के सीधी आगमन पर आत्मीय स्वागत

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को सीधी जिले के आकस्मिक दौरे पर पनवार हवाई पट्टी पहुंचे। इस दौरान सांसद डॉ. राजेश मिश्रा, विधायक सीधी श्रीमती रीती पाठक, विधायक सिहावल विश्वामित्र पाठक, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मंजू सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष देव कुमार सिंह चैहान सहित जनप्रतिनिधियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत किया। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी, अपर कलेक्टर बी.पी. पाण्डेय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव सहित अधिकारियों ने भी पुष्पगुच्छ भेंट कर मुख्यमंत्री का स्वागत किया।

फतेहाबाद : करोड़पति बनने के चक्कर में लुटा दुकानदार

लोकतंत्र की शान

फतेहाबाद। पुराने सिक्के और दुर्लभ नोटों को ऊंचे दामों पर बेचने का लालच एक दुकानदार को भारी पड़ गया। फतेहाबाद जिले के टोहाना में एक कन्फेक्शनरी शॉप संचालक से शातिर ठगों ने करोड़ों रुपये का झांसा देकर एक लाख 4 हजार 549 रुपये की ठगी कर ली। ठगों ने पीड़ित के पास मौजूद पुराने सिक्कों की कीमत 1.86 करोड़ रुपये आंकी थी। अब साइबर थाना पुलिस ने रविवार को मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार, टोहाना के किला मोहल्ला निवासी जितेंद्र कुमार, जो एक कन्फेक्शनरी की दुकान चलाते हैं, के पास कुछ पुराने नोट और सिक्के जमा थे। उन्होंने फेसबुक पर पुराने सिक्कों की खरीद-फरोख्त से संबंधित एक विज्ञापन देखा और दिए गए नंबर पर संपर्क किया। जितेंद्र ने अपने सिक्कों और नोटों की तस्वीरें व्हाट्सएप के जरिए आरोपियों को भेजीं। आरोपियों ने जितेंद्र को झांसा दिया कि उनके सिक्कों की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 1 करोड़ 86 लाख 55 हजार रुपये है। शुरुआत में विश्वास जीतने के लिए उनसे फाइल चार्ज के नाम पर मात्र 350 रुपये लिए गए और एक फर्जी आईकार्ड बनाकर भेजा गया। ठगों ने वादा किया कि 24 घंटे के भीतर पेमेंट उनके घर पहुंच जाएगी। 5 मार्च की सुबह ठगों ने जितेंद्र को फोन किया और कहा कि वे पेमेंट लेकर हिसार एयरपोर्ट पहुंच चुके हैं और वहां से उनके घर की दूरी मात्र 70 किलोमीटर है। इसके बाद ग्रीन कार्ड बनाने और अन्य कागजी कार्रवाई के नाम पर पैसों की मांग शुरू हुई। ठगों ने जितेंद्र को इस कदर अपने जाल में फंसाया कि उन्होंने अलग-अलग समय पर कई ट्रांजैक्शन करवा लिए।सबसे पहले क्यूआर कोड भेजकर 2000 और 5000 रुपये मंगवाए। इसके बाद रिफंड का झांसा देकर 7150 रुपये, 16000 रुपये और 20000 रुपये ट्रांसफर करवाए। सिलसिला यहीं नहीं रुका, शातिरों ने 9,999 रुपये, 22,400 रुपये और फिर 6 मार्च को दोबारा 22,000 रुपये अपने खातों में डलवा लिए। जब बार-बार पैसे भेजने के बावजूद जितेंद्र के पास कोई पेमेंट नहीं पहुंची और आरोपियों ने फोन उठाना बंद कर दिया, तब उन्हें ठगी का अहसास हुआ। जितेंद्र ने तुरंत इसकी ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई। साइबर थाना पुलिस ने पीड़ित के बयानों के आधार पर केस दर्ज कर लिया है और बैंक खातों के विवरण के जरिए आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

मध्य प्रदेश कंस्ट्रक्शन मजदूर संघ की महत्वपूर्ण बैठकः संगठन को और मजबूत करने का लिया संकल्प,

लोकतंत्र की शान

सीधी/भोपाल। आज मध्य प्रदेश कंस्ट्रक्शन मजदूर संघ (भारतीय मजदूर संघ की औद्योगिक इकाई) के प्रदेश पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण बैठक भारतीय मजदूर संघ के ठेंगड़ी भवन, भोपाल में संपन्न हुई। बैठक में प्रदेशभर से आए प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और संगठनात्मक गतिविधियों को और प्रभावी बनाने पर गहन विचार-विमर्श किया। बैठक के दौरान संगठन की मजबूती, निर्माण श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा तथा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा की गई। विशेष रूप से सदस्यता अभियान को तेज़ करने, विभिन्न जिलों में संगठन के विस्तार, श्रमिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान तथा सरकारी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक मजदूरों तक पहुंचाने हेतु ठोस रणनीति तैयार की गई। वक्ताओं ने निर्माण क्षेत्र से जुड़े श्रमिकों के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण पर जोर देते हुए कहा कि संगठित प्रयासों से ही श्रमिकों के हितों की प्रभावी रक्षा संभव है। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि आगामी समय में जागरूकता अभियान, प्रशिक्षण शिविर एवं श्रमिक सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। बैठक में मध्यप्रदेश कंस्ट्रक्शन मजदूर महासंघ के प्रदेश महामंत्री लोकेश विजयवर्गीय, प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप पाठक, अखिल भारतीय कंस्ट्रक्शन मंत्री नीतेश जाटव, प्रदेश उपाध्यक्ष रामविलोचन शर्मा तथा संभागीय उपाध्यक्ष विकास नारायण तिवारी सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अंत में सभी पदाधिकारियों ने संगठन को और सशक्त बनाने तथा श्रमिकों के हितों की रक्षा के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया।

मुख्यमंत्री के दौरे के शिकार हो गए कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी, विकास मिश्रा होगे सीधी के नये कलेक्टर

कु ऋचा पाण्डेय पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख लोकतंत्र की शान

सीधी। मध्यप्रदेश के तेजतर्रार मुख्यमंत्री डां मोहन यादव के औचक दौरा के शिकार सीधी जिले के दो अधिकारी हो गये है उनमे कलेक्टर को जहां तत्काल प्रभाव से हटाया गया है वहीं जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के महाप्रबंधक को निलंबित करने का आदेश जारी किया गया है। मुख्यमंत्री ने कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी की जगह विकास मिश्रा को कलेक्टर के तौर पर भेजने का आदेश दिया है।

मोहन सरकार का कड़ा फैसला–रविवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अचानक सीधी जिले पहुंचे और प्रशासनिक व्यवस्था की स्थिति और योजनाओं के जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन का जायजा लेने के लिए स्थानीय नागरिकों से सीधे बातचीत की। जनता से बातचीत के दौरान, डॉ. यादव ने जनता और जन प्रतिनिधियों द्वारा विभिन्न मुद्दों और जिला प्रशासन तथा विभिन्न विभागों की कार्यप्रणाली के संबंध में की गई शिकायतों की विस्तृत समीक्षा और प्रतिक्रिया ली। प्राप्त शिकायतों के मद्देनजर, मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कलेक्टर श्री स्वरोचित सोमवंशी को तत्काल प्रभाव से पद से हटा दिया और जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के महाप्रबंधक श् पी.एस. धनवाल को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नागरिकों से प्राप्त शिकायतों के संदर्भ में सरकारी स्तर पर भी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। क्षेत्र में सुशासन व्यवस्था के कारण अधिकारियों और कर्मचारियों की लापरवाही किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि जन कल्याण राज्य सरकार की प्राथमिकता है। आम जनता की समस्याओं के समाधान के लिए शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में शिविरों का आयोजन किया जाता है और साथ ही क्षेत्र में अभियान भी चलाए जाते हैं। मैं अधिकारियों और कर्मचारियों को यह संदेश देना चाहता हूं कि यदि वे क्षेत्र में रहकर आम जनता की समस्याओं का समाधान नहीं कर सकते, तो उन्हें क्षेत्र में रहने का कोई अधिकार नहीं है। इदव ने जनता से संवाद के दौरान नागरिकों की समस्याओं को सुना और अधिकारियों को उन्हें शीघ्र और प्रभावी ढंग से हल करने के स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार का यह उद्देश्य है कि सरकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक समय पर और पारदर्शी तरीके से पहुंचे। उन्होंने फील्ड अधिकारियों को संवेदनशीलता, जवाबदेही और प्रतिबद्धता के साथ काम करने का निर्देश दिया। किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता को गंभीरता से लिया जाएगा और सख्त एवं प्रभावी कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने सीधी में निर्माणाधीन कलेक्ट्रेट भवन के धीमे निर्माण पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि कलेक्ट्रेट भवन के निर्माण में तेजी लाते हुए कार्य को निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सीधी में अचानक निरीक्षण के बाद स्थानीय सर्किट हाउस में जनता और जन प्रतिनिधियों से भी बातचीत की। इस दौरान सांसद राजेश मिश्रा, सीधी विधायक श्रीमती रीति पाठक सिहावल विधानसभा के विधायक विश्वामित्र पाठक के साथ-साथ अन्य जन प्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी भी उपस्थित थे।

सीएम आगमन पर शिवसैनिक नजरबंद, ज्ञापन देने से रोका

लोकतंत्र की शान , (ऋचा पाण्डेय की रिपोर्ट)

सीधी। मुख्यमंत्री मोहन यादव के जिले में आगमन के दौरान उस समय राजनीतिक माहौल गरमा गया, जब शिवसेना के कई प्रमुख पदाधिकारियों को प्रशासन द्वारा नजरबंद कर दिया गया। शिवसेना प्रदेश उपाध्यक्ष विवेक पांडे, जिलाध्यक्ष बेनाम सिंह बघेल, नगर अध्यक्ष जैनेंद्र सिंह चौहान उर्फ मुन्ना, जिला महामंत्री आशीष मिश्रा, कोषाध्यक्ष लाल वर्मा एवं नगर सहसंयोजक राजन मिश्रा सहित कई शिव सैनिकों को उनके घरों पर ही रोक दिया गया। शिवसेना प्रदेश उपाध्यक्ष विवेक पांडेय का कहना है कि वे शांतिपूर्ण तरीके से मुख्यमंत्री तक अपनी बात और ज्ञापन पहुंचाने जा रहे थे, लेकिन प्रशासन ने पहले ही उन्हें नजरबंद कर दिया।

प्रदेश उपाध्यक्ष विवेक पांडे ने आरोप लगाया कि उनका उद्देश्य केवल डीजे प्लाजा से प्रभावित गरीब परिवारों की समस्या, जिले की कार्यशैली एवं जिला अस्पताल में व्याप्त भ्रष्टाचार जैसे गंभीर मुद्दों को मुख्यमंत्री के समक्ष रखना था। उन्होंने कहा कि सरकार के इशारे पर प्रशासन ने यह कदम उठाया, ताकि जिले की वास्तविक समस्याएं उजागर न हो सकें। शिवसेना ने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन बताते हुए चेतावनी दी कि यदि इस प्रकार जनता की आवाज को दबाया गया, तो संगठन उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगा।

नियमों को ठेंगा दिखा रहे क्रेशर एवं मार्बल खदान संचालक

- सैंपलिंग के नाम पर हो रहा है मार्बल व ग्रेनाइड पत्थरों का परिवहन

लोकतंत्र की शान (ऋचा पाण्डेय की रिपोर्ट)

सीधी। जिले के तहसील मझौली अंतर्गत ग्राम करमाई एवं खड़ौरा में मार्बल एवं ग्रेनाइड खदान संचालित हैं वहीं क्रेशर मशीन भी स्थापित है जिससे गिट्टी एवं सिल्लियां उत्पादन एवं परिवहन का कारोबार होता है वहीं मार्बल ग्रेनाइड पत्थर भी सिल्लियां बनाकर परिवहन हो रहे हैं जिसमे नियम कायदे को ठेंगा दिखाते हुए मनमानी तरीके से कारोबार किया जा रहा है। किसी भी खदान स्वीकृत की मुख्य सर्त है जिसमें मानव एवं पशुओं की सुरक्षा, पर्यावरण सुरक्षा, सड़क सुरक्षा एवं परिवहन की प्रक्रिया कानूनी तौर पर होनी चाहिए लेकिन संचालित मार्बल व ग्रेनाइड खदान एवं क्रेशर खदानों में इनका पालन नहीं किया जा रहा है वहीं सैंपलिंग के नाम पर मार्बल की बडी-बडी सिल्लियां ट्रक एवं हाईवा से बाहर भेजे जा रहे हैं जो एक तरफ ग्रामीण सड़कों को नुकसान पहुंचा रहे हैं वहीं राजस्व की भी हानि हो रही है क्योंकि कागजों में खदानों का संचालन मात्र सैंपल उत्पादन के लिए ही दिखाया जाता है जबकि कारोबार पूरा चलता है। जानकारों के मुताबिक जिस क्षेत्र में खदान संचालित है वहां पर्यावरण सुरक्षा की दृष्टि से अधिग्रहित जमीन के बदले उतने ही रकवा में अन्य जमीन में पौधारोपण कर पर्यावरण को संतुलित किया जाए और कुल मुनाफे से 20 प्रतिशत उस ग्राम के विकास में राशि खर्च की जाए। वहीं खदान संचालन के पूर्व सुरक्षा की दृष्टि से तार वाडी लगाई जाए। इन शर्तों का पालन न करते हुए कारोबार जारी रहना पूरे तंत्र पर सवालिया निशान खड़ा करता है।

संयुक्त टीम द्वारा की जा चुकी है कार्यवाही

बताते चलें कि पिछले पखवाड़ा दिखावे के नाम पर ग्रेनाइड पत्थर ले जा रहे दो ट्रक के खिलाफ राजस्व विभाग, पुलिस विभाग एवं वन विभाग के द्वारा संयुक्त रूप से जांच की गई जहां मौके से वैद्य दस्तावेज न पाए जाने के कारण कार्रवाई की गई थी जिन्हें महज दो दिनों में खनिज विभाग द्वारा कागजों की कोरम पूर्ति कर छोड़ दिया गया था जिसके चलते फिर से मार्बल व ग्रेनाइड पत्थरों का परिवहन धड़ल्ले से हो रहा है जिसके वैधानिकता पर भी लोगों द्वारा सवाल खड़े किए जा रहे हैं।

सरकारी खजाने को करोड़ों रूपये का लग रहा चूना

जानकारों की माने तो मार्वल व ग्रेनाइड पत्थर काफी कीमती माने जाते हैं जिनसे बाहर की कम्पनियां काफी पैसा कमाती हैं लेकिन मझौली विकासखण्ड में संचालित कई खदाने फर्जी व जाली दस्तावेज के सहारे यहां से चोरी छुपे पत्थर निकाल कर राजस्व व खनिज विभाग को चूना लगा रहीं हैं।

नौढिया शिवाजीनगर की भागवत कथा का चतुर्थ दिवस

- भक्ति और वैराग्य के माध्यम से प्रभु दर्शन संभव-पं बालाव्यंकटेश

लोकतंत्र की शान (ऋचा पाण्डेय की रिपोर्ट)

सीधी। भक्ति के साथ जब वैराग्य का समावेश होता है तब प्रभु का दर्शन होता है।वैराग्य किसी के कहने और समझाने से नही वल्कि स्वंय के आत्मनिर्णय से होता है।प्रसंग से भक्तो को जोड़ते हुए नौढिया सीधी में चल रही कथा के यशस्वी कथा प्रवक्ता वृन्दावनोपासक पं बालाव्यंकटेश शास्त्री जी महराज ने कहा कि ध्रुव जी में मान की चाह नही थी इसलिए उनको लेने हेतु ध्रुवलोक से विमान आया था।कथा व्यास जी ने आगे कहा कि कि हमारे भारत की माताओं को सुनीत और सुमित्रा जैसा होना चाहिए तभी हमारे संस्कार और सनातन संस्कृति की रक्षा हो सकेगी। कथा के पारंम्भ में प्रमुख सेवक भोला सिंह बघेल , समरजीत सिंह बघेल,विनोद सिंह तथा प्रमोद सिंह ने सपरिवार और अपने निजी रिश्तेदारों सहित व्यास पीठ और व्यास जी महराज का माल्यार्पण से स्वागत वन्दन तथा पूजा अर्चना विध विधान से किया। आचार्य जे पी शास्त्री जी ने मंत्रोच्चारण के माध्यम से यज्ञ में शक्ति प्रज्वलित कराया।कथा प्रसंग को बढाते हुए महराज जी ने बताया कि भगवान का नाम भाव कुभाव किसी तरह से लेंने से कल्याण होता है।वह भाव का भूखा होता है पदार्थ का नही।परमात्मा का काम है भक्तों का कल्याण करना।कैसे? जैसे आग को आप चाहे जान में या अंजान में स्पर्श करो तो उसका गुण है जलाना।बस ऐसे ही भगवान अपने भक्तों पर समुदारता पूर्वक अनुग्रह करते हैं।कथा क्रम में महराज जी ने सूक्त मंत्र दिया कि भगवान प्रभाव का भूखा नही वल्कि सुभाव का प्रेमी है।चूँकि अपेक्षा से उपेक्षा होती है। इसलिए भगवान के संत भक्तों को उपेक्षा से बचना चाहिए। कथा के उपसंहार में कथा व्यास जी ने श्री कृष्ण के प्रागटोत्सव के गूढ रहस्य और रहस्य की परते खोलते हुए ऐसे दिव्य दर्शन का दर्शन कराया कि भक्तगण भाव विभोर हो गये।मंच पर सुन्दर श्रीकृष्ण का शिशु स्वरूप लाकर धूम धाम के साथ कन्हैया का अवतरणोत्सव मनाया गया।कन्हैया के प्रागटोत्सव विषयक श्लोक और भजन कीर्तन कहकर ऐसा उत्सव मनाया गया कि लगा कि शिवाजीनगर सीधी के मण्डप तले वृन्दावन मथुरा का प्रणम्य दृश्य उतर आया है।कथा का पंडाल खचाखच भरा रहा और भक्तगण श्रीकृष्ण रसामृत का पान भजन कीर्तन के माध्यम से करते रहे। श्रीकृष्ण प्रगटोत्सव के अवसर पर आगन्तुक भक्तों में से अमित सिंह बघेल,अंजनी सिंह सौरभ, डॉ श्रीनिवास शुक्ल सरस साहित्यकार, अवनीश मिश्रा,महेन्द्र सिंह एडवोकेट सहित कई गणमान्य नागरिक,अधिकारी तथा पत्रकारगण उपस्थित रहे।यह कथा निरन्तर 25मार्च तक चलती रहेगी।

संक्षिप्त समाचार

महिला की लाश के साथ 13 घंटे उड़ता रहा विमान

लंदन। ब्रिटिश एयरवेज की फ्लाइट में रविवार को एक महिला यात्री की टेकऑफ के करीब 1 घंटे बाद मौत हो गई। इसके बाद उनका शव पूरे 13 घंटे तक विमान में ही रखा रहा। शव को विमान के पीछे वाले हिस्से में रखा गया था, जहां फर्श गर्म था। इसी वजह से धीरे-धीरे बदबू फैलने लगी, जिससे पीछे बैठे यात्रियों को काफी परेशानी हुई। यह घटना हॉन्गकॉन्ग से लंदन जा रही फ्लाइट में हुई। महिला की उम्र करीब 60 साल थी। पायलट ने फ्लाइट को बीच

में रोकने या वापस लौटने के बजाय लंदन तक जारी रखने का फैसला किया, क्योंकि नियमों के मुताबिक ऐसी स्थिति को आमतौर पर इमरजेंसी नहीं माना जाता। क्रू मेंबर्स ने पहले शव को टॉयलेट में रखने का सोचा, लेकिन बाद में उसे कंबल में लपेटकर गैली में रख दिया गया। गैली विमान का वह हिस्सा होता है, जहां फ्लाइट स्टाफ (क्रू) खाना-पीना तैयार करता है और सामान रखता है। यहीं से यात्रियों को खाना, पानी, चाय-कॉफी दी जाती है। आमतौर पर यह प्लेन के आगे या पीछे वाले हिस्से में होता है। लंदन पहुंचने पर पुलिस ने विमान में आकर जांच की और करीब 45 मिनट तक यात्रियों को सीट पर ही बैठाए रखा गया। एयरलाइन ब्रिटिश एयरवेज ने कहा कि सभी नियमों का सही तरीके से पालन किया गया और वे महिला के परिवार के साथ हैं।

प्रेग्नेंसी में वर्क फ्रॉम होम नहीं दिया, 200 करोड़ जुर्माना, डिलीवरी के बाद बच्चे की मौत हुई

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका के ओहायो में प्रेग्नेंट महिला को वर्क फ्रॉम होम की अनुमति न देने के मामले में कोर्ट ने कंपनी पर 2.25 करोड़ डॉलर (200 करोड़) का जुर्माना लगाया है। महिला को ऑफिस आने की मजबूरी की वजह से समय से पहले डिलीवरी हुई थी। जिससे नवजात की कुछ घंटों में ही मौत हो गई थी। कोर्ट ने माना कि अगर महिला को घर से काम करने दिया जाता, तो स्थिति अलग हो सकती थी। इसी आधार पर कंपनी पर यह जुर्माना लगाया गया। चेल्सी वॉल्श नाम की महिला टोटल क्वालिटी लॉजिस्टिक्स (TQL) अमेरिकी कंपनी में काम करती थीं। फरवरी 2021 में उन्होंने वर्क फ्रॉम होम (WFH) की इजाजत मांगी थी। कंपनी ने उन्हें ऑफिस आकर काम करने या बिना सैलरी छुट्टी लेने का ऑप्शन दिया, जिससे उनकी इनकम और हेल्थ इंश्योरेंस पर असर पड़ता। मजबूरी में उन्हें 22 फरवरी से ऑफिस जाकर काम करना पड़ा। लगातार तीन दिन काम करने के बाद 24 फरवरी को उन्हें समय से पहले डिलीवरी हो गई। महिला ने एक बच्ची को जन्म दिया, लेकिन जन्म के कुछ ही घंटों बाद उसकी मौत हो गई।

सोनम वांगचुक 6 महीने बाद लेह पहुंचे, हजारों लोगों ने स्वागत किया, बोले- उम्मीद के साथ आगे बढ़ रहे

लेह। लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक रविवार को 6 महीने (करीब 170 दिन) बाद लेह पहुंचे। केंद्र ने 14 मार्च को वांगचुक पर लगा नेशनल सिक्युरिटी एक्ट (NSA) हटाया था। इसके बाद उन्हें जोधपुर जेल से रिहा किया गया था। लेह में उनके लिए स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें वांगचुक के सैकड़ों समर्थक पहुंचे। वांगचुक ने समर्थकों को संबोधित करते

हुए कहा- जिस मकसद के लिए हम काम कर रहे हैं, उसके लिए एक नया सूरज उगेगा। हम उम्मीद के साथ आगे बढ़ रहे हैं। वांगचुक ने कहा कि 170 दिनों के बाद इन पहाड़ों में आकर और लोगों से मिलकर मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। हमें उम्मीद है कि सभी तरफ से ऐसा ही माहौल बनेगा और मैं पूरे देश के उन लोगों का शुक्रिया अदा करना चाहूंगा, जिन्होंने इस संघर्ष में हमारा साथ दिया। मैं लोगों से मिलने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। वांगचुक ने जेल के समय को कठिन अनुभव बताते हुए कहा कि हिरासत का समय आत्ममंथन का अवसर था। वहीं, इस दौरान मेरी पत्नी गीतांजली को कानूनी लड़ाई में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। दरअसल, केंद्र ने 14 मार्च को लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता और इंजीनियर सोनम वांगचुक पर लगा नेशनल सिक्युरिटी एक्ट (NSA) हटाया था। पिछले साल लद्दाख में उनके अनशन के दौरान 24 सितंबर 2025 को लेह में हिंसा हुई थी। दो दिन बाद 26 सितंबर को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (NSA) के तहत वांगचुक को हिरासत में लिया था। इसके बाद उन्हें फौरन जोधपुर शिफ्ट कर दिया था। 170 दिन से वे जोधपुर जेल में थे। NSA सरकार को ऐसे लोगों को हिरासत में लेने का अधिकार देता है, जिनसे देश की सुरक्षा या सार्वजनिक व्यवस्था को खतरा हो। इसके तहत किसी व्यक्ति को अधिकतम 12 महीने तक नजरबंद रखा जा सकता है।

ऋषिकेश में नीम करौली बाबा पर आधारित बुक लॉन्च

ऋषिकेश। ऋषिकेश में रविवार को बाबा नीम करौली महाराज पर आधारित किताब 'दिव्य अनुभूति' का विमोचन किया गया। गंगा रिसॉर्ट में आयोजित इस कार्यक्रम में उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए। कार्यक्रम में जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद, कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल समेत कई संत और अन्य गेस्ट मौजूद रहे। इस मौके पर किताब के साथ 'राम नाम कैंची धाम' नाम का यूट्यूब चैनल भी लॉन्च किया गया। इस किताब में बाबा नीम करौली महाराज से जुड़े 34 लोगों के अनुभव शामिल किए गए हैं। इन लोगों ने अपने अनुभव खुद बताए हैं, जिन्हें बातचीत के जरिए इकट्ठा कर किताब का रूप दिया गया है। इस किताब से तीन प्रमुख लोग जुड़े हैं। सबसे पहले हैं विनोद शुक्ला, जिन्होंने बाबा के भक्तों से बातचीत करके उनके अनुभव रिकॉर्ड किए। इसके बाद मुंबई के रहने वाले बाबा के भक्त विजय छाबड़िया और डॉ. दीपक पटवर्धन ने इन रिकॉर्ड किए गए इंटरव्यू को लिखकर किताब का रूप दिया। यानी एक तरह से विनोद शुक्ला ने सामग्री जुटाई और बाकी दो लोगों ने उसे किताब में बदला।

तिनसुकिया में असम पुलिस कमांडो कैंप पर ग्रेनेड हमला, चार जवान घायल

तिनसुकिया। तिनसुकिया जिला अंतर्गत जागुन के दस माइल इलाके में स्थित असम पुलिस कमांडो के कैंप पर आज तड़के लगभग दो बजे हुए ग्रेनेड हमले में चार जवान घायल हो गए। कैंप पर पांच ग्रेनेड फेंके गए और उसके बाद भारी गोलीबारी हुई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, किसी भी समूह ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट आफ असम, इंडिपेंडेंट (उल्फा-आई) की इसमें संभावित भूमिका होने का शक है। बताया गया है कि कमांडो ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की। अरुणाचल प्रदेश के पास स्थित इस तनावपूर्ण चाय बागान क्षेत्र जिले में 30 मिनट तक जोरदार मुठभेड़ चली। चार जवान घायल हो गए, तीन को मामूली चोटें आईं और एक गंभीर रूप से घायल हुआ। सभी को पास के एक अस्पताल में तुरंत मेडिकल सहायता दी गई।घायल कमांडो में जोरहाट के चित्रंजन मिली, देवाशीष बोरा और चाबुआ के रवि गर एवं एक अन्य शामिल हैं। पूर्वोत्तर में सुरक्षा संबंधी चिंताओं के बीच, तिनसुकिया में इस तरह की घटनाओं का पुराना इतिहास रहा है। हमलावरों का पता लगाने के लिए अधिकारियों ने तलाशी अभियान, नाकेबंदी और हवाई निगरानी तेज कर दी है। असम विधानसभा चुनाव के बीच इस तरह की घटना से सुरक्षा संबंधी चिंताएं पैदा हो गई हैं।

ईरान ने इजराइल पर 4 मिसाइलें दागीं, 300 से ज्यादा लोग घायल

एजेंसी, तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी

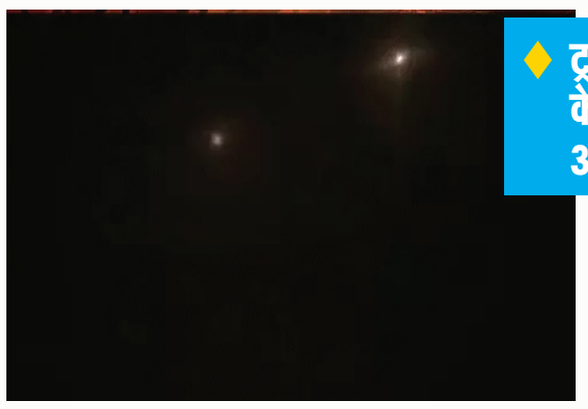

ट्रम्प ने होर्मुज खोलने के लिए 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया

ईरान ने इजराइल पर रविवार सुबह से 4 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, इन हमलों में 300 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। इजराइली विदेश मंत्रालय और स्वास्थ्य सेवाओं के अनुसार, घायलों में बच्चे भी शामिल हैं। इससे पहले ईरान ने शनिवार रात भी इजराइल के डिमोना और अराद शहरों पर हमला किया था। यहां इजराइल का बड़ा न्यूक्लियर प्लांट है। ईरान की ओर से यह हमले ट्रम्प की धमकी के बाद बढ़े हैं। दरअसल, ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर धमकी देते हुए लिखा अगर 48 घंटे के भीतर होर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह नहीं खोला गया, तो अमेरिका ईरान के पावर प्लांट पर हमला करेगा। शुरुआत सबसे बड़े प्लांट से होगी।

वहीं, ईरान ने चेतावनी दी है कि अगर उसके पावर प्लांट को निशाना बनाया गया, तो वह मिडिल ईस्ट में अमेरिका और इजराइल से जुड़े सभी ऊर्जा ढांचों पर हमला करेगा।

ईरान बोला- BRICS देश हमला रोकने में रोल निभाएं: ईरान के राष्ट्रपति मसूज पजशकियान ने शनिवार को पीएम मोदी से फोन पर बात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि BRICS को ईरान पर हो रहे हमले रोकने में भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि BRICS को बिना किसी दबाव के, अपने दम पर काम करना चाहिए और इस मामले में आगे आना चाहिए। ईरान के राष्ट्रपति ने यह भी सुझाव दिया कि मिडिल ईस्ट के देशों को मिलकर एक नया सुरक्षा सिस्टम बनाना चाहिए। इससे इलाके में शांति और स्थिरता बनी रहेगी और बाहर के देशों का दखल कम होगा।

बांग्लादेश में ट्रेन और बस की टक्कर में 12 की मौत, 20 घायल

एजेंसी, ढाका

बांग्लादेश में ढाका-चटगांव मार्ग पर आज तड़के कोमिला के पादुआ बाजार लेवल क्रॉसिंग पर ट्रेन और बस की टक्कर में 12 लोगों की जान चली गई । इस हादसे में 20 लोग घायल हो गए। इस दुर्घटना के बाद ढाका-चटगांव मार्ग पर तीन घंटे तक ट्रेनों का परिचालन निलंबित रहा। मृतकों में सात पुरुष, तीन महिला और दो बच्चे शामिल हैं। सूचना पाकर सेना, पुलिस, अग्निशमन सेवा और रेड क्रिसेंट के सदस्य पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया।

ढाका ट्रिब्यून और द डेली स्टार अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, कोमिला सदर दक्षिण थाना अंतर्गत ईपीजेड चौकी के सब-इंस्पेक्टर सैफुल इस्लाम ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने बताया कि यह दुर्घटना लगभग 3:00 बजे हुई। चटगांव जा रही मामून स्पेशल बस पादुआ बाजार लेवल क्रॉसिंग पर ट्रेन की चपेट में आ गई। बस ट्रेन के इंजन में फंस गई और ट्रेन के रुकने से पहले लगभग एक किलोमीटर तक घिसटती रही। बस को ट्रेन घसीटते हुए जंगाल्या-कचुआ इलाके तक ले गई। यात्रियों की चीख-पुकार सुनकर सबसे पहले स्थानीय लोग पहुंचे। बचावकर्मियों के घटनास्थल पर पहुंचने के बाद और घायलों को बाहर निकालकर कोमिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया। अग्निशमन सेवा के अधिकारियों ने बताया कि घटनास्थल से तीन शव बरामद किए गए, जबकि नौ अन्य लोगों की इलाज के दौरान मौत हो गई। अधिकारियों के अनुसार, ढाका-चटगांव मार्ग पर ट्रेनों का आवागमन तीन घंटे तक बाधित रहा। अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना के समय क्रॉसिंग पर कोई गेटमैन मौजूद नहीं था। पूर्वी जोन के महाप्रबंधक ने पुष्टि की कि बांग्लादेश रेलवे ने मंडल स्तर क्षेत्रीय स्तर पर दो जांच समितियां बनाई हैं।

असम चुनाव-कांग्रेस से आए सांसद को टिकट देने पर नाराजगी

एजेंसी, कोलकाता/चेन्नई/गुवाहाटी/तिरुवनंतपुरम

जिन भाजपा विधायकों का टिकट कटा, उन्होंने निर्दलीय लड़ने की बात कही, सीएम ने मनाया

असम विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी के भीतर नेताओं की नाराजगी सामने आने लगी है। पार्टी टिकट से वंचित कई मौजूदा विधायक और दावेदार निर्दलीय चुनाव लड़ने की धमकी दे रहे हैं।

सूत्रों के मुताबिक, इस स्थिति को संभालने के लिए मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया खुद आगे आकर नाराज नेताओं को मनाने की कोशिश कर रहे हैं। बताया जा रहा है दोनों नेता उनकी बात मान गए हैं। नाराजगी की वजह कांग्रेसी नेताओं को टिकट हाल ही में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं प्रद्युत बोरदोलोई और भूपेन बोरा के बीजेपी में शामिल होने के बाद बोरदोलोई को दिसपुर सीट से बोरा को बिहपुरिया सीट से पार्टी टिकट दिए गया है। इस फैसले से पार्टी के कई पुराने दावेदारों में नाराजगी बढ़ गई है।

दिसपुर सीट पर सबसे ज्यादा विरोध देखने को मिला यहां वरिष्ठ नेता जयंत दास को टिकट मिलने की संभावना थी, लेकिन अंतिम समय में बोरदोलोई को उम्मीदवार बनाए जाने से असंतोष बढ़ गया। पार्टी नेतृत्व अब स्थिति को नियंत्रित करने और बगावत को रोकने के लिए सक्रिय रूप से बातचीत कर रहा है, ताकि चुनाव में नुकसान से बचा जा सके।

छत्तीसगढ़-खल्लारी मंदिर में रोपवे टूटा, 2 ट्रॉली खाई में गिरी, 1 की मौत, 16 घायल

एजेंसी, महासमुंद

नवरात्रि पर दर्शन के लिए पहुंचे थे

छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले के प्रसिद्ध खल्लारी माता मंदिर में रोपवे टूटने से 16 श्रद्धालु घायल हो गए, जबकि एक युवती की मौत हो गई। घायलों में 4 की हालत गंभीर है। यह सभी लोग चैत्र नवरात्रि के चौथे दिन दर्शन करने आए थे। दर्शन के बाद कुछ श्रद्धालु रोपवे की ट्रॉली से नीचे उतर रहे थे। तभी अचानक केबल टूट गया। ट्रॉली पहाड़ी से टकराई और उसमें बैठे लोग करीब 20 फीट नीचे गिर गए।

इसी दौरान ऊपर जा रही दूसरी ट्रॉली भी संतुलन खोकर गिर गई। उसमें बैठे लोग भी घायल हो गए। ज्यादातर घायल रायपुर के रहने वाले हैं। कलेक्टर ने कहा है कि केबल कैसे टूटा, इसकी जांच की जा रही है। फिलहाल सभी घायलों का इलाज चल रहा है।

2 ट्रॉली हुई हादसे का शिकार: प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रोपवे की 2 ट्रॉली हादसे का शिकार हुई है। पहले ट्रॉली के श्रद्धालु दर्शन कर वापस लौट रहे थे। तभी केबल टूटने से ट्रॉली अनियंत्रित हो गई। लगभग 20 फीट नीचे पहाड़ी की चट्टान से जा टकराई। इस जोरदार झटके के कारण ट्रॉली में बैठे लोगों को गंभीर चोटें आईं। एक युवती ने दम तोड़ दिया। इसी दौरान नीचे से ऊपर जा रही ट्रॉली भी बीच में अनियंत्रित हुई। जिससे ये ट्रॉली भी नीचे गिर गई। इसमें बैठे लोगों को भी चोट आई है। हादसे के बाद मंदिर परिसर में अफरातफरी मच गई। स्थानीय ग्रामीणों और पुलिस ने तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को निजी वाहनों की सहायता से अस्पताल पहुंचाया गया।

नवरात्रि के कारण श्रद्धालुओं की भीड़: चैत्र नवरात्रि के कारण खल्लारी मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ थी। स्थानीय लोगों ने रोप-वे के नियमित रखरखाव और सुरक्षा मानकों की अनदेखी का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि यदि समय-समय पर इसका मेंटेनेंस किया जाता तो इस तरह की घटना से बचा जा सकता था। घटना के बाद प्रशासन ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है। पुलिस फिलहाल पूरे मामले की जांच कर रही है।

ईरानः इल्म, सियासत और खुदमुख्तारी का अनोखा संगम

लोकतंत्र की शान

ईरान। ईरान को अक्सर सिर्फ़ एक सख़्त मज़हबी निज़ाम के तौर पर पेश किया जाता है, लेकिन हक़ीक़त इससे कहीं ज़्यादा गहरी और दिलचस्प है। 1979 की ईरानी इस्लामी क्रांति के बाद बने इस सिस्टम में सिर्फ़ धार्मिक नेतृत्व ही नहीं, बल्कि बड़ी तादाद में उच्च तालीमयाफ़्ता लोग भी अहम किरदार निभा रहे हैं। ईरान की सियासत में ऐसे कई बड़े नाम हैं जिनके पास डॉक्टरेट (PhD) जैसी उच्च डिग्रियां हैं। उदाहरण के तौर पर अली लारीजानी (फ़िलॉसफ़ी में पीएचडी), हुसैन देहगान (पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन में पीएचडी), हसन रूहानी और मोहम्मद जवाद ज़रीफ़ जैसे नेता शामिल हैं, जिन्होंने इंटरनेशनल यूनिवर्सिटीज़ से उच्च शिक्षा हासिल की है। ईरान में तालीम को सिर्फ़ डिग्री तक सीमित नहीं माना जाता, बल्कि इसे हुकूमत और लीडरशिप का अहम हिस्सा समझा जाता है। इमाम सादिक विश्वविद्यालय जैसे इदारे ऐसे लीडर्स तैयार करते हैं जो तालीम के साथ-साथ मज़हबी और सियासी समझ में भी मज़बूत हों। यहाँ डिग्री, ख़ासकर पीएचडी, लीडरशिप की पहचान मानी जाती है। अगर मुल्क की तरक़्क़ी पर नज़र डालें, तो सख़्त पाबंदियों के बावजूद ईरान ने क़रीब 90% से ज़्यादा साक्षरता हासिल की है। साथ ही एक मज़बूत हेल्थकेयर सिस्टम, ख़ुदमुख़्तार फ़ौज, बड़ी रिफ़ाइनिंग कैपेसिटी और साइंस व टेक्नोलॉजी में क़ाबिल-ए-ग़ौर तरक़्क़ी की है। ईरान का तालीमी निज़ाम भी पूरी तरह संगठित और केंद्रीकृत है—स्कूल शिक्षा Ministry of Education Iran, उच्च शिक्षा Ministry of Science Research and Technology Iran और मेडिकल शिक्षा Ministry of Health and Medical Education Iran के तहत चलती है। यही वजह है कि सरकारी ढांचे में ऊँचे ओहदों पर बैठे ज़्यादातर अफ़सरों के पास मास्टर्स या पीएचडी जैसी डिग्रियां आम बात हैं। आसान लफ़्ज़ों में कहा जाए तो ईरान का सिस्टम इल्म और सियासत का एक अनोखा मेल है, जहाँ तालीम को क़ौमी तरक़्क़ी और क़ियादत की बुनियाद माना जाता है।

आमेर में ईद सादगी और शोक के साथ मनाई गई, महिलाओं-बच्चों की रैली में गूंजे एकता और विरोध के स्वर

लोकतंत्र की शान

आमेर (राजस्थान) राजस्थान के आमेर में इस वर्ष ईद का त्यौहार सादगी और शोक के माहौल में मनाया गया। जहाँ देशभर में शिया और सुन्नी समुदाय ने मिलकर ईद की नमाज़ अदा की, वहीं आमेर में महिलाओं और बच्चों ने खुशी के बजाय विरोध और शोक प्रदर्शन के साथ दिन बिताया। स्थानीय सोशल एक्टिविस्ट और शिया महिला प्रवक्ता मैंमूना नरगिस के नेतृत्व में एक रैली निकाली गई। यह रैली नगिना मस्जिद से शुरू होकर आमेर किले के सामने स्थित माउटा झील तक गई और फिर वापस मस्जिद पर समाप्त हुई। रैली में महिलाओं और बच्चों ने काले कपड़े पहनकर तथा बाजुओं पर काली पट्टी बांधकर भाग लिया। प्रदर्शनकारियों ने अयातुल्लाह अली ख़ामेनई के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए उनके सादगीपूर्ण और संघर्षपूर्ण जीवन पर प्रकाश डाला। साथ ही, ईरान में कथित रूप से 170 स्कूली बच्चियों और गाज़ा के फिलिस्तीनियों की मौत पर गहरा शोक व्यक्त किया गया। रैली के दौरान डोनाल्ड ट्रम्प और बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ नारे लगाए गए। प्रदर्शनकारियों ने अमेरिका और इज़राइल के झंडे एवं पोस्टर जलाकर अपना आक्रोश प्रकट किया। मैंमूना नरगिस ने लोगों से अपील की कि वे भारतीय बाजारों में अमेरिकी और इज़राइली सामान का बहिष्कार करें। उन्होंने शिया-सुन्नी एकता पर भी जोर दिया और "हिंदुस्तान जिंदाबाद" के नारों के साथ रैली में तिरंगा लहराया गया। महिलाओं ने कहा कि वे इस बार ईद नहीं मना रही हैं क्योंकि वे इसे गहरे दुख का समय मानती हैं। रैली में "शिया-सुन्नी भाई-भाई", "लब्बैक या ख़ामेनई" और "करबला हमारा रास्ता" जैसे नारे गूंजते रहे। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने जयपुर पुलिस और स्थानीय प्रशासन का धन्यवाद किया, जिन्होंने रैली के शांतिपूर्ण आयोजन में सहयोग दिया। यह आयोजन पूरी तरह अहिंसात्मक रहा और इसका उद्देश्य लोगों तक इंसानियत, एकता और अन्याय के खिलाफ आवाज़ उठाने का संदेश पहुंचाना बताया गया।

विश्व जल दिवस पर जल जीवन मिशन 2.0 के दिशा-निर्देश जारी

'जल संचय से जन भागीदारी' को मिला बल

एजेंसी, नई दिल्ली

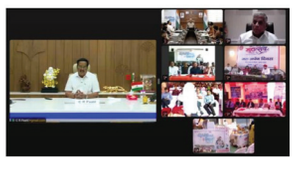

जल शक्ति मंत्रालय के तहत पेयजल एवं स्वच्छता विभाग (डीडीडब्ल्यूएस) ने रविवार को विश्व जल दिवस के अवसर पर आयोजित जल महोत्सव 2026 के समापन पर जल जीवन मिशन (जेजेएम) 2.0 के संचालन दिशा-निर्देश जारी किए। इस अवसर पर पांच राज्यों के पांच गांवों के प्रतिनिधियों के साथ 'सुजल ग्राम संवाद' का आयोजन किया गया, जिसमें ग्रामीण स्तर पर जल प्रबंधन के अनुभव साझा किए गए।

कार्यक्रम में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल और राज्य मंत्री वी. सोमन्ना वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए। जल महोत्सव 2026 का आयोजन 8 मार्च से 22 मार्च तक 15 दिनों के राष्ट्रव्यापी अभियान के रूप में किया गया, जिसमें 'जल अर्पण' और जनभागीदारी के जरिए जल संरक्षण को बढ़ावा दिया गया।

केंद्रीय मंत्री पटेल ने कहा कि जल जीवन मिशन केवल नल कनेक्शन देने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह ग्रामीण भारत में विशेषकर महिलाओं और बच्चों के जीवन में सुधार लाने वाला अभियान है। उन्होंने बताया कि मिशन के दूसरे चरण में अब टिकाऊपन, कार्यक्षमता और सेवा की गुणवत्ता पर जोर दिया जाएगा, ताकि हर ग्रामीण परिवार को नियमित, पर्याप्त और सुरक्षित पेयजल दीर्घकाल तक मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने के लिए 'जल उत्सव' और 'नदी उत्सव' जैसे कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया जा रहा है।

मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ विपक्ष के 7 आरोप

एजेंसी, नई दिल्ली

हटाने की मांग वाले नोटिस में दावा- सरकार के इशारों पर चलते हैं, एसआईआर से मताधिकार छीने

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए संसद में विपक्षी सांसदों ने नोटिस दिया है। लोकसभा-राज्यसभा में लाए गए नोटिस में CEC पर 7 आरोप है लगाए गए हैं। यह कहा गया है कि वे सरकार के इशारे पर काम करते हैं। विपक्ष का आरोप है कि ज्ञानेश कुमार ने SIR के जरिए लोगों के वोट देने के अधिकार छीन लिया। नोटिस में उनकी नियुक्ति पर भी सवाल उठाए गए हैं। 12 मार्च को संसद के दोनों सदन में जमा किए गए नोटिस में CEC के खिलाफ साबित दुर्व्यवहार के आधार पर उन्हें हटाने की मांग की गई है। लोकसभा में 130 और राज्यसभा में 63 विपक्षी सांसदों ने CEC को हटाने के लिए एक प्रस्ताव लाने की भी मांग की है।

CEC के खिलाफ विपक्ष के 7 आरोप: विपक्ष के आरोपों में कुमार की CEC के तौर पर नियुक्ति की प्रक्रिया, 17 अगस्त 2025 को राहुल गांधी को निशाना बनाते हुए उनकी पक्षपातपूर्ण प्रेस कॉन्फ्रेंस, विपक्ष और सत्ताधारी दल के सदस्यों के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार, जांच में बाधा डालना, पारदर्शिता के साधन उपलब्ध कराने से इनकार करना और सत्ताधारी दल के राजनीतिक उद्देश्यों के अनुरूप 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (SIR) प्रक्रिया को लागू करना शामिल है। यह दावा किया जा रहा है कि विपक्ष मानसून सत्र के दौरान CEC के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव ला सकता है। महाभियोग प्रस्ताव लाने के लिए 14 दिन पहले नोटिस देना जरूरी होता है। विपक्ष CEC ने ECI को एक निष्पक्ष चुनावी संस्था से बदलकर, कार्यपालिका के राजनीतिक एजेंडे को लागू करने वाले एक 'माध्यम' में बदल दिया है। उन्होंने इसे एक निष्पक्ष चुनाव कराने वाली संस्था से बदलकर, नागरिकता तय करने वाले एक ट्रिब्यूनल में तब्दील कर दिया है।

बिहार विधानसभा चुनावों से ठीक 5 महीने पहले की गई SIR की प्रक्रिया ने दस्तावेजों से जुड़ी ऐसी शर्तें थोप दी थीं, जिनका नतीजा हुआ कि समाज के सबसे कमजोर तबकों को वोट देने के अधिकार से वंचित कर दिया गया। 65 लाख वोटर्स इससे प्रभावित हुए।

CEC ने बड़े राज्यों में जहां 2-3 महीने में चुनाव होने थे, वहां SIR की प्रक्रिया रॉकेट जैसी तेजी से की। समय-सीमा पर दोबारा विचार करने को लेकर अड़ियल रवैया रखा। लोगों की तकलीफों को लेकर पूरी तरह से असंवेदनशीलता रहे। विपक्ष की हर गुहार को जान-बूझकर नजरअंदाज किया।

बिहार वाले मॉडल को ही दूसरे राज्यों में भी दोहराया। बंगाल में जारी किए गए ड्राफ्ट इलेक्टोरल रोल्स से पता चला कि 7.66 करोड़ मतदाताओं में से लगभग 58 लाख नाम हटा दिए गए थे। 60 लाख से ज्यादा मतदाता अभी भी जांच के दायरे में हैं, जिससे विधानसभा चुनावों से ठीक कुछ हफ्ते पहले भी उनके वोट देने के अधिकार को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है।

CEC की चयन की प्रक्रिया का मामला फिलहाल सुप्रीम कोर्ट में एक संवैधानिक चुनौती के तौर पर लंबित है। नोटिस में राहुल गांधी ने फरवरी 2025 में दर्ज कराई गई असहमति का भी जिक्र है। कहा गया है जिस जल्दबाजी में आधी रात को यह नियुक्ति की गई, उससे यह साफ जाहिर है कि सरकार जान-बूझकर अपनी पसंद के व्यक्ति को पद पर बिठाना चाहती थी।

परमाणु छाया में सुलगता पश्चिम एशिया- ईरान- इजरायल - अमेरिका टकराव, रेडिएशन का खतरा- कैंसर,जन्मजात विकृतियां, प्रतिरक्षा प्रणाली का कमजोर होना और दीर्घकालिक पर्यावरणीय क्षति -समग्र विश्लेषण

लोकतंत्र की शान

- परमाणु ठिकानों पर हमले- रणनीतिक दबाव या खतरनाक जुआ? -युद्ध का बदलता स्वरूप और बढ़ती आशंकाएँ
- परमाणु ठिकानों पर हमले, रेडिएशन का खतरा, ऊर्जा युद्ध और महाशक्तियों की भागीदारी, ये सभी संकेत एक बड़े संकट की ओर इशारा करते हैं, जिसे संवाद से हल करना जरूरी -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया -वैश्विक स्तरपर पश्चिम एशिया में चल रहा संघर्ष अब पारंपरिक सैन्य टकराव की सीमाओं को पार कर एक ऐसे खतरनाक मोड़ पर पहुंच चुका है,जहां परमाणु ठिकाने प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से युद्ध का केंद्र बनते जा रहे हैं।ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच बढ़ती सैन्य गतिविधियों ने न केवल क्षेत्रीय अस्थिरता को बढ़ाया है,बल्कि वैश्विक स्तर पर एक बड़े परमाणु संकट की आशंका भी उत्पन्न कर दी है। हालिया घटनाओं में जिस तरह परमाणु संयंत्रों और अनुसंधान केंद्रों को निशाना बनाया जा रहा है, उसने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या दुनियाँ एक और परमाणु आपदा के मुहाने पर खड़ी है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि युद्ध के 23वें दिन तक आते-आते संघर्ष की प्रकृति में स्पष्ट बदलाव दिखाई देने लगा है।पहले जहां सैन्य ठिकानों,सीमावर्ती क्षेत्रों और रणनीतिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया जा रहा था, वहीं अब परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमले शुरू हो गए हैं। इजरायल द्वारा ईरान के नतांज परमाणु सुविधा पर की गई एयरस्ट्राइक इस दिशा में एक निर्णायक कदम थी। नतांज ईरान के परमाणु कार्यक्रम का केंद्र है, जहां यूरेनियम संवर्धनका कार्य होता है।इसके जवाब में ईरान ने इजरायल के डिमोना परमाणु केंद्र के आसपास मिसाइल हमले किए। यह केंद्र इजरायल की परमाणु क्षमता का सबसे महत्वपूर्ण आधार माना जाता है। इस प्रकार दोनों पक्षों द्वारा परमाणु ठिकानों को निशाना बनाना केवल सैन्य रणनीति नहीं, बल्कि एक खतरनाक जुआ है, जिसके परिणाम दूरगामी और विनाशकारी हो सकते हैं।रेडिएशन का बढ़ता खतराः मानवता के लिए अदृश्य दुश्मन है,परमाणु संयंत्रों पर हमले का सबसे बड़ा खतरा केवल विस्फोट नहीं,बल्कि रेडिएशन लीक है।परमाणु संयंत्रों में यूरेनियम और प्लूटोनियम जैसे अत्यधिक रेडियोधर्मी तत्व मौजूद होते हैं। यदि किसी हमले में इनका रिसाव होता है, तो उसका प्रभाव केवल तत्काल क्षेत्र तकसीमित नहीं रहता, बल्कि हवा, पानी और मिट्टी के माध्यम से हजारों किलोमीटर तक फैल सकता है।रेडिएशन के प्रभाव बेहद गंभीर होते हैं,कैंसर, जन्मजात विकृतियां, प्रतिरक्षा प्रणाली का कमजोर होना और दीर्घकालिक पर्यावरणीय क्षति। चेरनोबिल दुर्घटना और फुकुशिमा परमाणु दुर्घटना इसके ज्वलंत उदाहरण हैं, जिनके प्रभाव आज भी महसूस किए जा रहे हैं। यदि पश्चिम एशिया में इसी प्रकार की कोई घटना घटती है, तो उसका प्रभाव वैश्विक स्तर पर महसूस किया जाएगा। साथियों बात अगर हम अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी यानें (आईएईए) की भूमिका और ताजा स्थिति को समझने की करें तो इन बढ़ती आशंकाओं के बीच अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है। एजेंसी ने हाल ही में डिमोना क्षेत्र में हुए हमले के बाद स्पष्ट किया कि नेगेव परमाणु अनुसंधान केंद्र को किसी प्रकार की क्षति के संकेत नहीं मिले हैं और विकिरण स्तर सामान्य हैं। यह राहत की खबर जरूर है, लेकिन यह स्थिति अस्थायी भी हो सकती है, क्योंकि युद्ध अभी जारी है और किसी भी समय हालात बदल सकते हैं।आईएईए लगातार क्षेत्रीय देशों के साथ संपर्क में है और रेडिएशन स्तर की निगरानी कर रही है। लेकिन सवाल यह है कि क्या केवल निगरानी पर्याप्त है, या वैश्विक समुदाय को इस संकट को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे? साथियों बात अगर हम डिमोना और नतांजः क्यों हैं इतने महत्वपूर्ण? इसको समझने की करें तो डिमोना और नतांज केवल दो परमाणु केंद्र नहीं हैं,बल्कि ये दोनों देशों की सामरिक शक्ति के प्रतीक हैं। डिमोना, जिसे दुनिया के सबसे सुरक्षित परमाणु स्थलों में गिना जाता है, इजरायल की कथित परमाणु हथियार क्षमता का आधार है। यहां अत्याधुनिक सुरक्षा व्यवस्था, जैसे आयरन डोम और एरो मिसाइल सिस्टम तैनात हैं। वहीं नतांज ईरान के परमाणु कार्यक्रम का हृदय है, जहां सैकड़ों सेंट्रीफ्यूज यूरेनियम को समृद्ध करने का कार्य करते हैं। इन दोनों ठिकानों पर हमला केवल सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि विरोधी देश की रणनीतिक क्षमता को कमजोर करने का प्रयास है। साथियों बात अगर हम अमेरिका की भूमिका और बढ़ता दबाव इसको समझने की करें तो इस संघर्ष में अमेरिका की भूमिका भी बेहद अहम है। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान को दिया गया 48 घंटे का अल्टीमेटम स्थिति को और अधिक गंभीर बना देता है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को नहीं खोलता है, तो अमेरिका ईरान के बिजली संयंत्रों को निशाना बनाएगा। यह चेतावनी केवल सैन्य धमकी नहीं बल्कि आर्थिक और रणनीतिक दबाव का भी हिस्सा है।होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक तेल आपूर्ति का प्रमुख मार्ग है, और इसके बंद होने से विश्व अर्थव्यवस्था पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। ईरान ने भी जवाब में अमेरिकी और इजरायली ऊर्जा तथा आईटी बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने की चेतावनी दी है, जिससे साइबर और ऊर्जा युद्ध की संभावना भी बढ़ गई है।यदि यह संघर्ष और बढ़ता है, तो इसका सबसे बड़ा असर वैश्विक ऊर्जा बाजार पर पड़ेगा। पश्चिम एशिया दुनिया के तेल और गैस का प्रमुख स्रोत है। होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने या अस्थिर होने से तेल की कीमतों में भारी उछाल आ सकता है, जिससे वैश्विक महंगाई और आर्थिक मंदी की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।भारत जैसे देशों के लिए, जो ऊर्जा आयात पर निर्भर हैं, यह स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है। पेट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि, औद्योगिक लागत में बढ़ोतरी और आर्थिक विकास दर पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। साथियों बात अगर हम युद्ध का मनोवैज्ञानिक और सामाजिक प्रभाव को समझने की करें तो परमाणु खतरे के बीच जीना केवल भौतिक संकट नहीं, बल्कि एक गहरा मनोवैज्ञानिक दबाव भी है। युद्धग्रस्त क्षेत्रों में रहने वाले लोग लगातार भय, असुरक्षा और अनिश्चितता के माहौल में जी रहे हैं। बच्चों और युवाओं पर इसका दीर्घकालिक प्रभाव पड़ सकता है, जिससे एक पूरी पीढ़ी मानसिक आघात का शिकार हो सकती है।इसके अलावा, यदि रेडिएशन का खतरा वास्तविकता में बदलता है, तो बड़े पैमाने पर विस्थापन की स्थिति उत्पन्न हो सकती है, जिससे शरणार्थी संकट और भी गहरा जाएगा। साथियों बात अगर हम क्या यह परमाणु युद्ध की ओर बढ़ता कदम है? इसको समझने की करें तो सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या यह संघर्ष परमाणु युद्ध में बदल सकता है? वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि खतरा वास्तविक है। हालांकि अभी तक किसी भी देश ने परमाणु हथियारों के उपयोग का संकेत नहीं दिया है, लेकिन परमाणु ठिकानों पर हमले इस दिशा में एक खतरनाक संकेत हैं।इतिहास गवाह है कि जब युद्ध नियंत्रण से बाहर हो जाता है, तो परिणाम विनाशकारी होते हैं।यदि कूटनीतिक प्रयास विफल होते हैं, तो यह संघर्ष एक ऐसे बिंदु पर पहुंच सकता है, जहां से वापसी संभव नहीं होगी। साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय समुदाय की जिम्मेदारी को समझने की करें तो इस संकट के समाधान के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। संयुक्त राष्ट्र,आईएईए और अन्य वैश्विक संस्थाओं को मिलकर युद्धविराम और कूटनीतिक समाधान की दिशा में काम करना होगा।महाशक्तियों को भी यह समझना होगा कि यह केवल क्षेत्रीय संघर्ष नहीं, बल्कि वैश्विक शांति और सुरक्षा का प्रश्न है। यदि समय रहते कदम नहीं उठाए गए, तो इसका परिणाम पूरी मानवता को भुगतना पड़ सकता है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि एक निर्णायक मोड़ पर खड़ी दुनियाँ,पश्चिम एशिया में चल रहा यह संघर्ष अब केवल क्षेत्रीय विवाद नहीं रह गया है, बल्कि यह वैश्विक संकट का रूप ले चुका है।परमाणु ठिकानों पर हमले,रेडिएशन का खतरा, ऊर्जा युद्ध और महाशक्तियों की भागीदारी ये सभी संकेत एक बड़े संकट की ओर इशारा करते हैं।हालांकि अभी स्थिति पूरी तरह नियंत्रण से बाहर नहीं हुई है, लेकिन यदि जल्द ही कूटनीतिक समाधान नहीं निकाला गया,तो यह संघर्ष एक ऐसे बिंदु पर पहुंच सकता है, जहां से वापसी असंभव हो जाएगी।दुनियाँ आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां उसे यह तय करना है कि वह शांति और सहयोग का मार्ग अपनाएगी या विनाश और संघर्ष का। यह केवल ईरान, इजरायल या अमेरिका का सवाल नहीं, बल्कि पूरी मानवता के भविष्य का प्रश्न है।

-संकलनकर्ता लेखक
- क़र विशेषज्ञ स्तंभकार
साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय
लेखक चिंतक कवि संगीत
माध्यमा सीए(एटीसी)
एडवोकेट किशन सनमुखदास
भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र
9284141425

भारत के तीनों शहीद दिवस का इतिहास और महत्व वीर सपूतों, स्वतंत्रता सेनानियों और क्रांतिकारियों को याद करने के लिए समर्पित

लेखक - कांतिलाल मांडोत

हर साल 23 मार्च को पूरे देश में शहीद दिवस मनाया जाता है। यह दिन उन वीर सपूतों, स्वतंत्रता सेनानियों और क्रांतिकारियों को याद करने के लिए समर्पित है जिन्होंने भारत की आज़ादी के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। शहीद दिवस केवल भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव की याद में ही नहीं मनाया जाता, बल्कि उन सभी वीरों के सम्मान में भी इसे मनाया जाता है जिन्होंने अपनी कुर्बानी से देश की स्वतंत्रता की राह को आसान बनाया। यह दिन हमें उनकी वीरता, साहस और बलिदान की याद दिलाता है और देशभक्ति की भावना को हर दिल में जगाता है। शहीद दिवस का इतिहास भारत के संघर्षपूर्ण स्वतंत्रता संग्राम से गहराई से जुड़ा हुआ है। अंग्रेजों ने लगभग दो सौ वर्षों तक भारत पर शासन किया और देशवासियों के जीवन को नियंत्रित किया। लेकिन जब भारत के सपूतों ने स्वतंत्रता की मांग उठाई, तो उन्होंने ब्रिटिश शासन के खिलाफ विद्रोह की आंधी चला दी। यह विद्रोह केवल कुछ चुनिंदा लोगों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि हर वर्ग और हर घर से लोग स्वतंत्रता संग्राम में कूद पड़े। इस दौरान भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव जैसे युवा क्रांतिकारियों ने ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ आवाज़ उठाई और पूरे देश में क्रांति की ज्वाला फैलायी। 1928 में भगत सिंह और उनके साथियों ने उस ब्रिटिश पुलिस अधिकारी की हत्या कर दी, जो लाला लाजपत राय की लाठीचार्ज के दौरान हुई मृत्यु के लिए जिम्मेदार था। यह घटना पूरे देश में चर्चा का विषय बनी और स्वतंत्रता आंदोलन को नई ऊर्जा दी। इसके बाद 1929 में भगत सिंह ने अपने साथी के साथ मिलकर केंद्रीय असेंबली में बम फेंककर "इंकलाब जिंदाबाद" का नारा लगाया। उनका उद्देश्य किसी को नुकसान पहुंचाना नहीं था, बल्कि अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ जनता को जागरूक करना था। कोर्ट में भी उन्होंने अपने विचारों के माध्यम से देशभक्ति का संदेश दिया, जिससे पूरे भारत में उनकी वीरता और साहस की गूंज फैल गई। 23 मार्च 1931 का दिन भारतीय इतिहास में एक अमर गाथा बन गया, जब अंग्रेज सरकार ने लाहौर जेल में भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को फांसी दे दी। उस समय भगत सिंह की उम्र मात्र 23 वर्ष थी, लेकिन उनका साहस और संकल्प किसी भी बड़े नेता से कम नहीं था। उनके बलिदान ने पूरे देश को झकझोर दिया और स्वतंत्रता आंदोलन को एक नई दिशा दी। यह दिन हमें सिखाता है कि स्वतंत्रता केवल सामूहिक प्रयास से ही नहीं, बल्कि व्यक्तिगत साहस और समर्पण से भी प्राप्त होती है। भारत में दूसरा शहीद दिवस 30 जनवरी को मनाया जाता है, जो राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की शहादत की स्मृति में समर्पित है। वर्ष 1948 में इसी दिन नई दिल्ली के बिरला भवन में गांधी जी की हत्या कर दी गई थी। गांधी जी ने सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलकर भारत को स्वतंत्रता दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने यह सिद्ध किया कि बिना हथियार उठाए भी एक बड़ी लड़ाई जीती जा सकती है। उनका जीवन त्याग, सादगी और नैतिकता का प्रतीक था। 30 जनवरी का महत्व केवल एक महान नेता को याद करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह दिन हमें आत्मचिंतन का अवसर भी प्रदान करता है। इस दिन देशभर में दो मिनट का मौन रखकर गांधी जी को श्रद्धांजलि दी जाती है। यह दिन हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हम अपने जीवन में सत्य, अहिंसा और ईमानदारी के सिद्धांतों का पालन कर रहे हैं। गांधी जी के विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने स्वतंत्रता संग्राम के समय थे। तीसरा शहीद दिवस 21 अक्टूबर को मनाया जाता है, जिसे पुलिस शहीद दिवस के रूप में जाना जाता है। यह दिन उन बहादुर पुलिसकर्मियों को समर्पित है, जिन्होंने देश की सुरक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी। वर्ष 1959 में लद्दाख क्षेत्र में चीनी सेना के साथ संघर्ष के दौरान कई भारतीय पुलिस जवान शहीद हो गए थे। उनकी स्मृति में यह दिवस मनाया जाता है। 21 अक्टूबर का दिन हमें यह याद दिलाता है कि देश की सुरक्षा केवल सीमाओं पर ही नहीं, बल्कि देश के भीतर भी निरंतर बनाए रखी जाती है। पुलिसकर्मी दिन-रात अपनी ड्यूटी निभाते हुए समाज में शांति और व्यवस्था बनाए रखते हैं। उनका जीवन भी त्याग और समर्पण का उदाहरण है। यह दिवस हमें उनके योगदान के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर देता है। इन तीनों शहीद दिवसों का महत्व अलग-अलग होते हुए भी एक-दूसरे से जुड़ा हुआ है।

भारतीय स्वातंत्र्य समर का वासंती ओज सरदार भगत सिंह

लेखक - सुरेन्द्र शर्मा

भगत सिंह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महान क्रांतिकारी, अद्वितीय साहस और अद्भुत देशभक्ति के प्रतीक थे। उनका जीवन केवल 23 वर्षों का था, लेकिन इस अल्प आयु में उन्होंने जो कार्य किए, वे सदियों तक देशवासियों को प्रेरित करते रहेंगे। भगत सिंह का जन्म 28 सितंबर 1907 को पंजाब के लायलपुर जिले (अब पाकिस्तान में) के बंगा गाँव में हुआ था। उनके पिता का नाम सरदार किशन सिंह और माता का नाम विद्यावती था। उनके परिवार में देशभक्ति का माहौल था, जिससे उनके मन में बचपन से ही देशप्रेम की भावना विकसित हुई। भगत सिंह के चाचा अजीत सिंह और स्वर्ण सिंह भी स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े हुए थे। यही कारण था कि भगत सिंह बचपन से ही अंग्रेजों के अत्याचारों को समझने लगे थे। 1919 में हुए जलियांवाला बाग हत्याकांड ने उनके जीवन पर गहरा प्रभाव डाला। इस घटना के बाद उन्होंने निश्चय कर लिया कि वे देश को स्वतंत्र कराने के लिए अपना जीवन समर्पित कर देंगे।भगत सिंह ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा लाहौर में प्राप्त की। वे पढ़ाई में तेज थे और इतिहास तथा राजनीति में विशेष रुचि रखते थे। महात्मा गांधी द्वारा चलाए गए असहयोग आंदोलन में भी उन्होंने भाग लिया, लेकिन जब 1922 में चौरी-चौरा कांड के बाद आंदोलन वापस ले लिया गया, तो वे निराश हुए और उन्होंने क्रांतिकारी मार्ग अपनाने का निर्णय लिया। भगत सिंह ने कई क्रांतिकारी संगठनों के साथ मिलकर कार्य किया। वे हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन के प्रमुख सदस्य थे। उनका उद्देश्य केवल अंग्रेजों को भारत से बाहर निकालना ही नहीं, बल्कि एक समाजवादी और न्यायपूर्ण समाज की स्थापना करना भी था। 1928 में जब ब्रिटिश सरकार ने साइमन कमीशन भारत भेजा, तो पूरे देश में इसका विरोध हुआ। इस विरोध प्रदर्शन में लाला लाजपत राय पर अंग्रेज पुलिस अधिकारी जेम्स ए. स्कॉट के आदेश पर लाठीचार्ज किया गया, जिससे उनकी मृत्यु हो गई। इस घटना का बदला लेने के लिए भगत सिंह और उनके साथियों ने पुलिस अधिकारी जॉन सॉन्डर्स की हत्या कर दी। इसके बाद भगत सिंह ने अपने साथी बटुकेश्वर दत्त के साथ मिलकर 8 अप्रैल 1929 को दिल्ली की सेंट्रल असेंबली में बम फेंका। उनका उद्देश्य किसी को मारना नहीं था, बल्कि अंग्रेजों को यह संदेश देना था कि भारतीय अब चुप नहीं बैठेंगे। उन्होंने बम फेंकने के बाद "इंकलाब जिंदाबाद" के नारे लगाए और स्वयं को गिरफ्तार करवा दिया। जेल में रहते हुए भगत सिंह ने कैदियों के अधिकारों के लिए भूख हड़ताल की। उन्होंने यह मांग की कि भारतीय कैदियों के साथ भी वही व्यवहार किया जाए, जो अंग्रेज कैदियों के साथ किया जाता है। उनकी यह हड़ताल कई दिनों तक चली और पूरे देश में उनके समर्थन में आवाजें उठीं।। भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु की मित्रता भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की सबसे प्रेरणादायक और ऐतिहासिक मित्रताओं में से एक मानी जाती है। यह मित्रता केवल व्यक्तिगत संबंध नहीं थी, बल्कि एक साझा लक्ष्य(देश की आज़ादीआधारित थी) इन तीनों की मुलाकात क्रांतिकारी गतिविधियों के दौरान हुई। वे सभी हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन के सक्रिय सदस्य थे। संगठन में काम करते हुए उनके विचार, उद्देश्य और देशभक्ति की भावना एक-दूसरे से गहराई से जुड़ गई। धीरे-धीरे यह संबंध सच्ची मित्रता में बदल गया। तीनों ही युवाओं का मानना था कि केवल शांतिपूर्ण तरीकों से अंग्रेजों को भारत से बाहर नहीं किया जा सकता। वे क्रांतिकारी मार्ग को आवश्यक समझते थे। देश के लिए कुछ बड़ा करने का जुनून, अन्याय के खिलाफ विद्रोह और स्वतंत्रता की तीव्र इच्छा—इन सबने उनकी मित्रता को और मजबूत बनाया। भगत सिंह विचारों के धनी, लेखक और दूरदर्शी नेता थे तो सुखदेव संगठनकर्ता और रणनीतिक सोच वाले क्रांतिकारी थे जबकि राजगुरु साहसी और निर्भीक योद्धा थे। इन तीनों की अलग-अलग विशेषताएँ एक-दूसरे को पूरक बनाती थीं। 1928 में लाला लाजपत राय की मृत्यु के बाद, इन तीनों ने मिलकर बदला लेने की योजना बनाई। इसी के तहत ब्रिटिश अधिकारी जॉन सॉन्डर्स की हत्या की गई। यह घटना उनकी मित्रता और एकजुटता का सबसे बड़ा उदाहरण है, जहाँ उन्होंने मिलकर एक बड़े मिशन को अंजाम दिया। इनकी मित्रता का सबसे मजबूत पक्ष था—अटूट विश्वास। उन्होंने कभी एक-दूसरे का साथ नहीं छोड़ा। जब वे गिरफ्तार हुए, तब भी उन्होंने अपने साथियों के खिलाफ कोई बयान नहीं दिया। उन्होंने अपने उद्देश्य के लिए हँसते-हँसते फांसी स्वीकार कर ली। 23 मार्च 1931 को, इन तीनों को एक साथ फांसी दी गई। यह दिन आज "शहीद दिवस" के रूप में मनाया जाता है। उनकी शहादत ने यह साबित कर दिया कि उनकी मित्रता केवल जीवन तक सीमित नहीं थी, बल्कि मृत्यु तक अटूट बनी रही भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु की मित्रता आज भी युवाओं के लिए प्रेरणा है। भगत सिंह का अदालत में दिया गया बयान भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। यह बयान उन्होंने 1929 में दिल्ली की सेंट्रल असेंबली में बम फेंकने के बाद अदालत में पेश होकर दिया था। इस बयान में उन्होंने अपने कार्यों के पीछे की सोच, उद्देश्य और क्रांतिकारी विचारधारा को स्पष्ट किया। भगत सिंह और उनके साथी बटुकेश्वर दत्त ने अदालत में कहाः"हमने बम फेंका, लेकिन हमारा उद्देश्य किसी को मारना नहीं था। हम केवल बहरी सरकार को सुनाना चाहते थे।" उन्होंने स्पष्ट किया कि बम जानबूझकर ऐसी जगह फेंका गया जहाँ किसी की जान न जाए। उनका उद्देश्य हिंसा फैलाना नहीं, बल्कि अंग्रेजी शासन के अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठाना था। भगत सिंह ने अदालत में "इंकलाब जिंदाबाद" के नारे का अर्थ समझाते हुए कहा कि इसका मतलब केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि समाज में अन्याय, शोषण और असमानता को समाप्त करना है। उन्होंने कहाः "क्रांति से हमारा मतलब यह नहीं है कि खून-खराबा हो, बल्कि यह है कि समाज की वर्तमान व्यवस्था को पूरी तरह बदल दिया जाए।" उनके अनुसार क्रांति का उद्देश्य एक न्यायपूर्ण और समानता आधारित समाज बनाना था। भगत सिंह ने अदालत में ब्रिटिश सरकार की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों का शासन भारतीयों का शोषण कर रहा है और जनता के अधिकारों को दबा रहा है। उन्होंने बताया कि वे भाग सकते थे, लेकिन उन्होंने जानबूझकर आत्मसमर्पण किया ताकि वे अदालत को एक मंच बनाकर अपने विचार पूरे देश तक पहुंचा सकें। भगत सिंह का बयान केवल एक कानूनी बचाव नहीं था, बल्कि यह युवाओं के लिए एक संदेश भी था कि वे अन्याय के खिलाफ आवाज उठाएं और देश के लिए समर्पित रहें। भगत सिंह के इस बयान ने पूरे देश में नई चेतना पैदा कर दी। उनके विचार तेजी से फैलने लगे और वे युवाओं के आदर्श बन गए। अदालत का यह मंच उनके लिए एक क्रांतिकारी विचारधारा को जनता तक पहुँचाने का माध्यम बन गया।। भगत सिंह और भगवती चरण बोहरा का संबंध भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में गहरी मित्रता, वैचारिक एकता और क्रांतिकारी सहयोग का प्रतीक है। दोनों ने मिलकर न केवल अंग्रेजी शासन के खिलाफ संघर्ष किया, बल्कि एक संगठित क्रांतिकारी आंदोलन को दिशा भी दी।

अमर बलिदानी वीर भगत सिंह को शत शत नमन

लेखक - संजय गोस्वामी

प्रत्येक वर्ष 23 मार्च को स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को श्रद्धांजलि देने के लिये शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है।भगत सिंह का जन्म 27 सितंबर, 1907 को लायलपुर ज़िले के बंगा में हुआ था, जो अब पाकिस्तान में है। उनका पैतृक गांव खट्कड़ कलां है जो पंजाब, भारत में है। उनके जन्म के समय उनके पिता किशन सिंह, चाचा अजित और स्वरण सिंह जेल में थे।भगत सिंह को भारतीय राष्ट्रवादी आंदोलन के सबसे प्रभावशाली क्रांतिकारियों में से एक माना जाता है। वो कई क्रन्तिकारी संगठनों के साथ मिले और उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन में अपना बहुत बड़ा योगदान दिया था। जिनकी शिक्षाएँ भारत के लोगों को प्रेरित करती हैं। उनकी जयंती राष्ट्रीय नायक के रूप में मनाई जाती है, जिन्होंने साहस और बलिदान के साथ ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध देश की आज़ादी के लिये अपना जीवन समर्पित कर दिया था। भगत सिंह कौन थे? जन्मः भगत सिंह का जन्म 28 सितंबर, 1907 को बंगा, पंजाब, ब्रिटिश भारत (अब पाकिस्तान में) में हुआ था। वे एक सिख परिवार से थे जो उपनिवेशवाद विरोधी गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल थे, उनके पिता किशन सिंह और चाचा अजीत सिंह प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी थे। प्रारंभिक जीवनः जब वह बारह वर्ष के थे, तब उन्होंने जलियाँवाला बाग में हुए नरसंहार को देखा, जिससे उनमें देशभक्ति की भावना प्रबल हुई और उन्हें भारत की स्वतंत्रता के लिये लड़ने की प्रेरणा मिली। शिक्षाः उन्होंने लाहौर में लाला लाजपत राय द्वारा स्थापित नेशनल कॉलेज में दाखिला लिया, जिसने स्वदेशी आंदोलन को बल मिलने के साथ क्रांतिकारी विचारों के प्रसार हेतु एक मंच प्राप्त हुआ। क्रांतिकारी संगठनः भगत सिंह वर्ष 1924 में हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन के सदस्य बने, बाद में वर्ष 1928 में इसका नाम बदलकर हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन कर दिया गया। नौजवान भारत सभा की स्थापना वर्ष 1926 में भगत सिंह ने की थी, जिसका उद्देश्य स्वतंत्रता संग्राम के लिये युवाओं को संगठित करना था। प्रमुख कार्यः भगत सिंह पुलिस की बर्बरता के कारण लाला लाजपत राय की मृत्यु के प्रतिशोध के रूप में वर्ष 1928 में पुलिस अधिकारी जेपी सॉन्डर्स की हत्या (लाहौर षडयंत्र केस) में शामिल थे। उन्होंने 18 अप्रैल, 1929 को बी.के. दत्त के साथ मिलकर दमनकारी ब्रिटिश कानूनों के विरोध में केंद्रीय विधान सभा में बम फेंका। गिरफ्तारी और मुकदमाः वर्ष 1929 में उन्हें बम कांड के लिये गिरफ्तार किया गया साथ ही लाहौर षडयंत्र मामले में हत्या के आरोप मे उन पर मुकदमा चला, जिसमे उन्हें दोषी ठहराया गया तथा मृत्यु दंड की सजा सुनाई गई। 23 मार्च, 1931 को साथी क्रांतिकारी सुखदेव और राजगुरु के साथ लाहौर में उन्हें फाँसी दे दी गई। भगत सिंह को शहीद-ए-आज़म के नाम से जाना जाता है। साहित्यिक योगदानः उनकी महत्त्वपूर्ण कृतियों में मैं नास्तिक क्यों हूँ, जेल डायरी' और अन्य कृतियाँ, समाजवाद तथा क्रांति का समर्थन करने वाले कई राजनीतिक घोषणा-पत्र शामिल हैं। अपनी प्रारंभिक रचना विश्व प्रेम में भगत सिंह ने समानता के महत्त्व पर ज़ोर दिया। उन्होंने भूख और युद्ध से मुक्त एक ऐसे विश्व की परिकल्पना की, जो मानव जाति और राष्ट्रीयता की सीमाओं से परे हो। विचारधाराएँः उन्होंने मार्क्सवादी और समाजवादी विचारधाराओं का समर्थन किया, तर्कवाद, समानता और न्याय पर ज़ोर दिया। संगठित धर्म, जिसे मानसिक एवं शारीरिक गुलामी के रूप में देखा जाता था, की आलोचना की। विरासतः भारत के स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान को याद करने के लिये प्रत्येक वर्ष उनके जन्मदिन और उनकी फाँसी के दिन को याद किया जाता है। उन्हें एक राष्ट्रीय नायक और शहीद के रूप में जाना जाता है। उन्हें 1906 में लागू किये हुए औपनिवेशीकरण विधेयक के खिलाफ प्रदर्शन करने के जुल्म में जेल में डाल दिया गया था। उनकी माता का नाम विद्यावती था। भगत सिंह का परिवार एक आर्य-समाजी सिख परिवार था। भगत सिंह करतार सिंह सराभा और लाला लाजपत राय से अत्याधिक प्रभावित रहे।

उनके एक चाचा, सरदार अजित सिंह ने भारतीय देशभक्त संघ की स्थापना की थी। उनके एक मित्र सैयद हैदर रजा ने उनका अच्छा समर्थन किया और चिनाब नहर कॉलोनी बिल के खिलाफ किसानों को आयोजित किया। अजित सिंह के खिलाफ 22 मामले दर्ज हो चुके थे जिसके कारण वो ईरान पलायन के लिए मजबूर हो गए। उनके परिवार ग़दर पार्टी के समर्थक थे और इसी कारण से बचपन से ही भगत सिंह के दिल में देश भक्ति की भावना उत्पन्न हो गयी। भगत सिंह ने अपनी 5वीं तक की पढाई गांव में की और उसके बाद उनके पिता किशन सिंह ने दयानंद एंग्लो वैदिक हाई स्कूल, लाहौर में उनका दाखिला करवाया। बहुत ही छोटी उम्र में भगत सिंह, महात्मा गांधी जी के असहयोग आन्दोलन से जुड़ गए और बहुत ही बहादुरी से उन्होंने ब्रिटिश सेना को ललकारा।जलियांवाला कांड ने डाला भगत के बाल मन पर प्रभाव डाला.13 अप्रैल 1919 को जलियांवाला बाग हत्याकांड ने भगत सिंह के बाल मन पर बड़ा गहरा प्रभाव डाला। उनका मन इस अमानवीय कृत्य को देख देश को स्वतंत्र करवाने की सोचने लगा। भगत सिंह ने चंद्रशेखर आज़ाद के साथ मिलकर क्रांतिकारी संगठन तैयार किया। लाहौर षड्यंत्र मामले में भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरू को फांसी की सज़ा सुनाई गई और बटुकेश्वर दत्त को आजीवन कारावास दिया गया। भगत सिंह को 23 मार्च, 1931 की शाम सात बजे सुखदेव और राजगुरू के साथ फांसी पर लटका दिया गया। तीनों ने हंसते-हँसते देश के लिए अपना जीवन बलिदान कर दियाभगत सिंह जी की मृत्यु 23 वर्ष की आयु में हुई जब उन्हें ब्रिटिश सरकार ने फांसी पर चढ़ा दिया।ऐसे वीर शहीद को शत शत नमन!

इंडियन ओपन

45.26 सेकंड का पर्सनल बेस्ट

● 400 मीटर दौड़ में राजेश रमेश का गोल्ड

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। तमिलनाडु के 27 वर्षीय अंतरराष्ट्रीय क्वार्टर-माइलर राजेश रमेश ने शनिवार को तिरुवनंतपुरम में आयोजित सीजन के पहले मुकाबले में अपना दबदबा बनाया। उन्होंने 400 मीटर की दौड़ में अपना पर्सनल बेस्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। केरल में आयोजित सातवीं इंडियन ओपन 400 मीटर प्रतियोगिता 2026 में पुरुषों की 'रेस ए' में स्वर्ण पदक जीतने के दौरान रमेश ने 45.26 सेकंड का समय दर्ज किया। यह समय उनके 2024 में बनाए गए व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 45.54 सेकंड के रिकॉर्ड से भी बेहतर था। 2024 पेरिस ओलंपिक खेलों के बाद लगातार चोटों के कारण रमेश खेल से बाहर हो गए थे, लेकिन उन्होंने 2025 में शानदार वापसी करते हुए 45.75 सेकंड में रेस पूरी की थी, जो उस सीजन का उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था।

श्रीलंकाई कप्तान ने पीएसएल को कहा बाय-बाय

अब आईपीएल में इस टीम से खेलेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रीलंका की टी20 टीम के कप्तान दासुन शनाका ने पाकिस्तान सुपर लीग 2026 से अपना नाम वापस ले लिया है. दासुन शनाका अब को इंडियन प्रीमियर लीग के 19वें सीजन मे भाग लेने का मौका मिलने जा रहा है, इसी को ध्यान में रखते हुए उन्होंने ये फैसला लिया है. रिपोर्ट के मुताबिक दासुन शनाका ने टीम राजस्थान रॉयल्स के साथ बातचीत की है. अब उन्हें इंजरी रिप्लेसमेंट के तौर पर टीम में शामिल करने का फैसला किया है. राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें सैम करन के विकल्प के रूप में देखा, जो ग्रोइन इंजरी के चलते टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं. दासुन शनाका इससे पहले आईपीएल 2023 में गुजरात टाइटन्स का हिस्सा रह चुके हैं.

एएफसी विमेंस एशियन कप

फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को 1-0 से रौंदा

जापान ने तीसरी बार जीता खिताब

नई दिल्ली, एजेंसी। जापान ने एएफसी विमेंस एशियन कप 2026 के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को 1-0 से शिकस्त देकर टूर्नामेंट के इतिहास में तीसरी बार खिताब अपने नाम किया है। यह मुकाबला शनिवार को स्टेडियम ऑस्ट्रेलिया में खेला गया। जापान ने इससे पहले 2014 और 2018 में यह खिताब जीता था। दोनों ही बार ऑस्ट्रेलिया को हराकर टाइटल अपने नाम किया था।

मैच का हाल- ऑस्ट्रेलिया के शुरुआती दबदबे के बावजूद, जापान ने खेल के प्रवाह के विपरीत जाते हुए 17वें मिनट में गोल दागा। हमानो ने पेनाल्टी एरिया के बाहर जगह बनाई, तेजी से घूमीं, और एक घुमावदार शॉट लगाया जो मैकेंजी अर्नोल्ड को छकाते हुए गोल के निचले कोने में जा समाया। इसके बाद जापान ने अपनी बेहतरीन पासिंग के दम पर खेल की रफ्तार को नियंत्रित किया। हालांकि, यामाशिता की एक गलत क्लीयरेंस के कारण ऑस्ट्रेलिया को बराबरी का सुनहरा मौका मिल गया, जब गेंद फोर्ड के पास जा गिरी। फोर्ड के शॉट को हाना ताकाहाशी ने डिफ्लेक्ट करके गोल बचा लिया। पहले हाफ के आखिरी पलों में जापान को अपनी बढ़त

दोगुनी करने का एक और मौका मिला। डिफेंस की एक चूक के कारण हिकारू कितागावा को गोल करने का बेहतरीन मौका मिल गया था, लेकिन ऑस्ट्रेलिया की गोलकीपर अर्नोल्ड ने उनके प्रयास को नाकाम कर दिया। दूसरा हाफ भी काफी तेजी से आगे बढ़ा। जहां एक तरफ जापान दूसरे गोल की तलाश में था, वहीं ऑस्ट्रेलिया ने धीरे-धीरे गेंद पर अपना नियंत्रण बनाना शुरू किया और गोल के मौके बनाए।

मिडफील्ड में गेंद पर कब्जा करने के बाद कायरा कूनी-क्रॉस ने एक लंबी दूरी से गोल करने की साहसी कोशिश की, लेकिन वह यामाशिता को परेशान करने में नाकाम रहीं और उन्होंने आसानी से उस शॉट को रोक लिया।

मैच के आखिरी चरणों में, जापान ने पूरी तरह से डिफेंसिव रणनीति अपना ली और ऑस्ट्रेलिया की ओर से खेल में बराबरी करने के लिए किए गए सभी हमलों को सफलतापूर्वक रोक दिया।

दर्शकों में दिखा भारी उत्साह

मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने 74,397 दर्शकों की रिकॉर्ड भीड़ के सामने फाइनल में शानदार शुरुआत की। स्ट्राइकर मैरी फाउलर ने एक सटीक लंबे पास के जरिए केटलिन फोर्ड तक गेंद पहुंचाकर इस मूव की शुरुआत की। फोर्ड ने कप्तान सैम केर के लिए गोल करने का एक बेहतरीन मौका बनाया, लेकिन जापान की गोलकीपर यामाशिता ने शानदार बचाव करते हुए उस शॉट को रोक दिया। ऑस्ट्रेलिया ने 11वें मिनट में एक बार फिर गोल करने की कोशिश की, लेकिन जापान के मजबूत डिफेंस ने उन्हें रोका।

पूर्व ओपनिंग पार्टनर पर वीरेंद्र सहवाग का बड़ा बयान

मुझे स्ट्राइक दो, मुझसे मुकाबला मत करो

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व विस्फोटक बल्लेबाज सहवाग का एक पुराना बयान इन दिनों सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। इस बयान में उन्होंने अपने पूर्व ओपनिंग पार्टनर मनन वोहराको लेकर जो बात कही, उस पर फैंस की मिली-जुली प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। कुछ लोग सहवाग का समर्थन कर रहे हैं, तो कुछ ने उनके बयान को 'सेल्फिश' बताया है।

सहवाग ने मनन वोहरा को क्या कहा था- एक इंटरव्यू के दौरान सहवाग ने बताया कि जब वह पंजाब के लिए खेलते थे, तब वह मनन वोहरा के साथ ओपनिंग करते थे। उस समय उन्होंने मनन वोहरा से कहा था कि वह उनसे मुकाबला करने की कोशिश न करें, बल्कि स्ट्राइक रोटेट करें। सहवाग ने कहा, 'जब मैं मनन वोहरा के साथ ओपनिंग करता था, तो वह मेरे साथ मुकाबला करने की कोशिश करते

थे। मैं उन्हें समझाता था कि आपका काम मुझसे कंपटीशन करना नहीं है, आपका काम मुझे स्ट्राइक देना है ताकि मैं पावरप्ले का फायदा उठा सकूं।'

'दिमाग का इस्तेमाल करो' - सहवाग- सहवाग ने आगे कहा कि उन्होंने मनन वोहरा से कहा था कि अगर उनका स्ट्राइक रेट ज्यादा है, तो उन्हें ज्यादा गेंदें खेलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि क्रिकेट में टीम के हित को ध्यान में रखकर खेलना चाहिए। सहवाग के अनुसार, 'आंकड़े खराब हो सकते हैं, लेकिन दिमाग खराब नहीं होना चाहिए। अगर किसी खिलाड़ी का स्ट्राइक रेट 200 है, तो दूसरे बल्लेबाज को स्ट्राइक उसे देनी चाहिए, ताकि टीम ज्यादा रन बना सके।'

● **सोशल मीडिया पर फैंस की मिली-जुली प्रतिक्रिया-** सहवाग का यह बयान सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर बहस शुरू हो गई। कुछ फैंस ने कहा कि सहवाग का बयान टीम के हित में था, क्योंकि वह पावरप्ले में तेजी से रन बना सकते थे। वहीं कुछ लोगों ने उनकी तुलना सचिन और राहुल जैसे दिग्गज खिलाड़ियों से करते हुए कहा कि बड़े खिलाड़ी हमेशा अपने साथी खिलाड़ियों को सपोर्ट करते हैं, न कि इस तरह की बात करते हैं।

'अपना गेम अपग्रेड करो और कमजोरी पर काम करो'

वैभव सूर्यवंशी को इरफान पठान ने दी सलाह, कहा- रन बनाना होगी चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2026 में सबकी निगाहें इस बात पर टिकी रहने वाली है कि इस सीजन में खेलने वाला सबसे कम उम्र का बैटर क्या कमाल करता है। पिछले सीजन में वैभव को राजस्थान रॉयल्स के लिए ओपन करने का मौका मिला और उन्होंने क्या कुछ किया ये सबने देखा था। क्या वैभव उसी अंदाज में इस सीजन में बल्लेबाजी करेंगे या फिर उन्हें इस बात दिक्कतों का सामना करना होगा। वैभव को आईपीएल 2026 में किस तरह की मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है इसके बारे में टीम इंडिया के पूर्व तेज गेंदबाज इरफान पठान ने बताया। इरफान ने वैभव को आगाह किया कि अब सबकी नजर उन पर रहने वाली है और अब वो किसी के लिए अनजान नहीं हैं। ऐसे में गेंदबाज उनके खिलाफ पूरी तैयारी के साथ और ठोस रणनीति बनाकर मैदान पर उतरेंगे।

वर्ल्ड इंडोर चैंपियनशिप

अमेरिका के जॉर्डन एंथनी का गोल्ड

● 60 मीटर की दौड़ 6.41 सेकंड में पूरा किया; नौ महीने पहले फुटबॉल छोड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। ट्रैक एंड फील्ड की दुनिया में एक नई स्प्रिंट सनसनी उभरकर सामने आई है। अमेरिका के 21 वर्षीय जॉर्डन एंथनी ने वर्ल्ड इंडोर चैम्पियनशिप की 60 मीटर दौड़ में गोल्ड जीतकर न सिर्फ इतिहास रचा, बल्कि अपनी संघर्ष भरी कहानी से सभी को प्रेरित भी किया।

एंथनी ने 6.41 सेकंड का समय निकाला, जो इतिहास का चौथा सबसे तेज समय है। रेस से सिर्फ 36 घंटे पहले उन्हें गंभीर समस्या का सामना करना पड़ा था। पोलैंड पहुंचने के बाद डोप टेस्ट के दौरान एक अधिकारी ने जब खून लिया तो सुई नस में नहीं लगी, बल्कि बाहर लग गई, जिससे उनके हाथ में ब्लड क्लॉट हो गया।

नौ महीने पहले फुटबॉल छोड़कर चुना एथलेटिक्स

जॉर्डन एंथनी की कहानी और भी खास इसलिए है क्योंकि उन्होंने महज नौ महीने पहले ही पेशेवर एथलेटिक्स में कदम रखा है। इससे पहले वे कॉलेज फुटबॉल में अर्कांसस रेजरबैक्स टीम से खेलते थे। जब उनसे पूछा गया कि उन्होंने एनएफएल का सपना क्यों छोड़ा, तो उन्होंने साफ कहा, 'क्योंकि यहां कोई मुझे टक्कर मारने के लिए मेरी तरफ नहीं दौड़ रहा है।'

व्यापार

बायबैक से लेकर एचआरए तक, 1 अप्रैल 2026 से बदल जाएंगे इनकम टैक्स के 8 बड़े नियम

मुंबई। केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने 20 मार्च 2026 को इनकम टैक्स नियम-2026 के ड्राफ्ट को ई-गजट में नोटिफाई और पब्लिश कर दिया है। 1 अप्रैल 2026 से यह इनकम टैक्स एक्ट लागू हो जाएगा। नया नियम 1961 के नियमावली की जगह लेगा। आइए जानते हैं कि 1 अप्रैल से क्या कुछ बदल रहा है आयकर नियम वेतनभोगी करदाताओं पर लागू होने वाले एचआरए (।।क्र) छूट के लिए प्रस्तावित ढांचे को बरकरार रखते हैं। नए नियमों के तहत आठ शहर - मुंबई, कोलकाता, दिल्ली, चेन्नई, हैदराबाद, पुणे, अहमदाबाद और बेंगलुरु - वेतन के 50 प्रतिशत की उच्च छूट सीमा के लिए पात्र होंगे। पहले इस दायरे में मात्र तीन ही शहर थे। अन्य सभी स्थान पर छूट की सीमा 40 प्रतिशत पर बनी रहेगी। बता दें, यह छूट ओल्ड टैक्स रिजीम के तहत ही मिलेगी। बच्चों की शिक्षा पर मिलने वाले प्रति माह छूट को 100 रुपये से बढ़ाकर 3000 रुपये कर दिया गया है। वहीं, एक बच्चे पर हॉस्टल खर्च को भी 300 रुपये से बढ़ाकर 9000 रुपये प्रति माह कर दिया गया है। यह छूट भी ओल्ड टैक्स रिजीम के तहत मिलेगी। ऑफिस कार्य या व्यक्तिगत कार्य के लिए कंपनी की तरफ से मिली 1.6 लीटर के इंजन वाली कार पर 8000 रुपये प्रति माह टैक्स लगेगा। वहीं, 1.6 लीटर इंजन से अधिक के वाहनों पर 10,000 महीने का टैक्स लगेगा। यह नियम नए और पुराने दोनों टैक्स कानून में है। नए नियमों में मील कार्ड्स की लिमिट को भी 50 रुपये से बढ़ाकर 200 रुपये कर दिया गया है। अब 200 रुपये तक के कॉरपोरेट मील कार्ड्स कोई टैक्स नहीं लगेगा। हालांकि, यह छूट ओल्ड टैक्स रिजीम में ही है। ओल्ड टैक्स रिजीम के तहत प्रत्येक वर्ष 15000 रुपये तक के कॉरपोरेट गिफ्ट्स कार्ड्स, गिफ्ट सर्टीफिकेट और कूपंस पर छूट मिलेगी।

एसबीआई को मिला 6338 करोड़ रुपये का टैक्स नोटिस, सोमवार को फोकस में रहेंगे बैंक के शेयर

मुंबई। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को एसेसमेंट ईयर 2023-24 के लिए 6338 करोड़ रुपये का टैक्स नोटिस मिला है। बैंक ने इसकी जानकारी स्टॉक एक्सचेंज को 20 मार्च 2026 को दी है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की तरफ से 6338 करोड़ रुपये का नोटिस मिला है। ने 20 मार्च 2026 को इसकी जानकारी एक्सचेंज के साथ साझा किया है। डिपार्टमेंट ने बैंक को यह नोटिस एसेसमेंट ईयर 2023-24 के लिए दिया है। बता दें, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को मिले इस नोटिस में ब्याज भी जुड़ा हुआ है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की तरफ से दी जानकारी के अनुसार पिछले साल भी इसी तरह के मामले सामने आए थे। जिससे यह संकेत मिलता है कि मौजूदा मांग कोई अलग मामला नहीं है। बैंक ने कहा कि यह राशि सीमा से काफी अधिक है, इसलिए इसकी जानकारी शेयरहोल्डर्स के साथ-साथ सभी हितधारकों को दी गई है। जारी बयान में कहा गया है कि इस नोटिस का कोई भी प्रभाव ऑपरेशंस और अन्य बिजनेस एक्टिविटी पर नहीं पड़ेगा।

फ्लिककार्ट में हुआ बड़ा इस्तीफा

आईपीओ की तैयारी में जुटी हुई है कंपनी, नए नाम का नहीं हुआ ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। फ्लिककार्ट ग्रुप के सीएफओ श्रीराम वेंकटरमण ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। आज यानी शुक्रवार को इसकी जानकारी कंपनी ने साझा की है। अंतरिम तौर पर फ्लिकार्ट के सीएफओ रवि अय्यर बड़े स्तर पर ग्रुप के वित्तीय जिम्मेदारियों को संभालेंगे। बता दें, ग्रुप सीएफओ ने ऐसे समय में इस्तीफा दिया है जब कंपनी आईपीओ की तैयारी में जुटी हुई है। पिछले एक दशक से वेंकटरमण फ्लिपकार्ट से जुड़े हुए थे। वो भी अगले कुछ महीने कंपनी के साथ बने रहेंगे। फ्लिपकार्ट में उनकी जगह आने वाले समय में कौन लेगा इसकी जानकारी अभी तक कंपनी ने नहीं दी है।

फ्लिपकार्ट ने जारी बयान में कहा है, 'श्रीराम अगले कुछ महीने कंपनी के साथ रहेंगे। जब तक यह ट्रांजिशन ठीक तरीके से पूरा नहीं हो जाता है। इस दौरान फ्लिपकार्ट के रवि अय्यर बड़े स्तर के वित्तीय फैसले लेंगे।'

कंपनी में होने जा रही है छंटनी

इस साल कंपनी बड़ी छंटनी करने जा रही है। प्रदर्शन के आधार पर फ्लिपकार्ट की तरफ से 400 से 500 लोग निकाले जाएंगे। यह फ्लिपकार्ट के कुल वर्क फोर्स का 3 से 4 प्रतिशत के बराबर है।

कंपनी की आर्थिक स्थिति कैसी

वित्त वर्ष 2025 के दौरान इस कंपनी का कुल 5189 करोड़ रुपये रहा था। इससे एक साल पहले कंपनी का घाटा 4248.30 करोड़ रुपये रहा था। वित्त वर्ष 2025 में ई-कॉमर्स कंपनी का रेवन्यू 17.30 प्रतिशत की बढ़ोतरी के बाद 82787.30 करोड़ रुपये रहा था। वित्त वर्ष 2024 में कंपनी का रेवन्यू 70541.90 करोड़ रुपये रहा था।

कई साल तक नीचे नहीं आएगा कच्चा तेल

रूस 'दोस्त' भारत से वसूल रहा ऑल-टाइम हाई कीमत!

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमत में काफी तेजी आई है। दुनिया में करीब 20 फीसदी तेल की सप्लाई होर्मुज की खाड़ी से होती है लेकिन वहां से जहाजों की आवाजाही लगभग बंद है। गुरुवार को ईरान और इजरायल/अमेरिका ने एकदूसरे के तेल ठिकानों पर हमला किया जिससे कच्चा तेल 119 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया था। आज भी ब्रेंट क्रूड 110 डॉलर प्रति बैरल के आसपास ट्रेड कर रहा है। गोल्डमैन सैश का कहना है कि कच्चे तेल की कीमत कई साल तक 100 डॉलर के ऊपर रह सकती है।

इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी ने भी कहा है कि खाड़ी से तेल की सामान्य सप्लाई बहाल होने में छह महीने का समय लग सकता है। ईरान युद्ध को तीन हफ्ते का समय हो गया है लेकिन अब भी इसके खत्म होने के कोई आसार नजर नहीं आ रहे हैं। गोल्डमैन

सैश का कहना है कि कच्चे तेल की कीमत अभी और ऊपर जा सकती है। अगर होर्मुज की खाड़ी में जल्दी सामान्य स्थिति बहाल नहीं हुई तो यह 147 डॉलर प्रति बैरल के पुराने रेकॉर्ड को ध्वस्त कर सकता है।

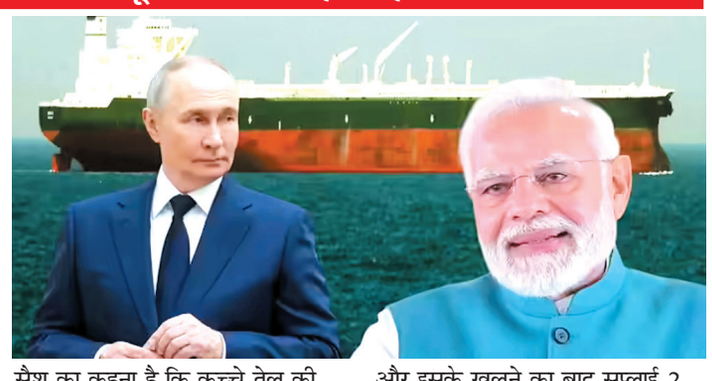

कच्चा तेल साल 2008 में इस स्तर पर पहुंचा था। बैंक का अनुमान है कि होर्मुज की खाड़ी से तेल सप्लाई दो महीने से अधिक समय कम रहती है और इसके खुलने का बाद सप्लाई 2 मिलियन बैरल तक सीमित रहती है तो 2027 की चौथी तिमाही में कच्चे तेल की कीमत 111 डॉलर प्रति बैरल होगी।

हालांकि बैंक ने साथ ही कहा कि अगर अप्रैल तक होर्मुज की खाड़ी से सप्लाई सामान्य होती है तो 2026 की चौथी तिमाही में कच्चा तेल 70 डॉलर के आसपास आ सकता है।

कहां-कहां से आ रहा तेल

फरवरी में भारत ने रूस से रोजाना करीब 1 मिलियन बैरल तेल खरीदा जो पिछले साल के मुकाबले 32 फीसदी कम था और जून के पीक से करीब आधा था। इस दौरान भारत ने इराक से रोजाना 1.18 मिलियन बैरल तेल खरीदी जबकि सऊदी शिपमेंट बढ़कर 998,000 बैरल हो गया। कुल मिलाकर भारत के क्रूड बास्केट में मिडिल ईस्ट की हिस्सेदारी 59 फीसदी पहुंच गई थी। लेकिन अब रूस से खरीदारी 1.8 मिलियन बैरल पहुंच चुकी है और यह 2.2 मिलियन तक जा सकती है। सरकारी अधिकारियों का कहना है कि ईरान युद्ध के कारण पश्चिम एशिया से सप्लाई प्रभावित हुई है और अब 70 फीसदी तेल दूसरे स्रोतों से आ रहा है। फरवरी के आंकड़ों के मुताबिक ब्राजील से तेल के आयात में काफी तेजी आई है। भारत दुनिया का तीसरा बड़ा ऑयल कंज्यूमर है लेकिन उसका करीब 90 फीसदी तेल बाहर से आता है। यही वजह है कि कच्चे तेल कीमत में तेजी से भारतीय इकॉनमी के प्रभावित होने की आशंका है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)